इंडिया एटीएम ग्राहकों के लिए बना सरदर्द

राशि निकालने में फंस जाता है एटीएम कार्ड

● मिथिलेश कुमार

नवादा जिले में एटीएम से राशि निकालने में ग्राहक फ्रॉड का शिकार हो रहे है।आये दिन लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साइबर अपराधियों के द्वारा एटीएम मशीन के आस पास घात लगाकर ग्राहकों से फर्जी तरीके से राशि की निकासी की जाती है। ऐसा ही मामला जिले के रजौली थाना क्षेत्र में साइबर फ्रॉड का एक नायाब तरीके से सायबर अपराधी ने एटीएम तोड़कर एटीएम मशीन से कार्ड को लेकर चंपत हो गया। मामला बायपास रोड रजौली स्थित इंडिया नम्बर 1 एटीएम का है। वहीं पीड़ीता द्वारा डायल 112 व थाना को सूचना देकर न्याय की गुहार लगाई गई।

☞ **क्या है मामला :-** अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में कार्यरत जीएनएम आशा खेस अपने सैलरी अकाउंट से पैसे निकालने के लिए बुधवार को लगभग 12 बजे एसबीआई एटीएम कार्ड लेकर बायपास रोड स्थित इंडिया नम्बर 1 एटीएम गई। उन्होंने एटीएम कार्ड को एटीएम मशीन के अंदर डाला तो उन्हें थोड़ा संदेह हुआ कि कार्ड को कोई अंदर की तरफ खींच रहा है। जिसके कारण उन्होंने एटीएम कार्ड को मशीन से निकलकर दोबारा कार्ड को अंदर डाला। इस दौरान एटीएम कार्ड मशीन के अंदर चला गया। जीएनएम के द्वारा काफी कैंसिल बटन के अलावे अन्य प्रयास भी किये गए। किन्तु एटीएम कार्ड वापस बाहर नहीं आया। इसी बीच जीएनएम की नजर एटीएम रूम के दीवार पर गई,जहां गार्ड का नम्बर 70727421159 लिखा हुआ था। जीएनएम द्वारा गार्ड के नम्बर पर कॉल करके घटना के बारे में जानकारी दी गई। जिसके बाद गार्ड ने एटीएम पिन मशीन में डालने को कहा। किन्तु इसके बावजूद एटीएम कार्ड मशीन से बाहर नहीं आ पाया, तब गार्ड ने किसी काम में फंसे रहने का बहाना बनाकर जीएनएम को पुरानी बस स्टैंड स्थित पीएनबी एटीएम के पास बुलाया। गार्ड द्वारा बताए गए पते पर जीएनएम पहुंचकर गार्ड को

☞ एटीएम तोड़कर निकाला गया जीएनएम का मशीन में फंसा हुआ एटीएम कार्ड।
☞ डायल 112 व थाने से लगाई न्याय की गुहार।
☞ एटीएम रूम में फेक गार्ड नम्बर लिखकर बीते दो माह से खेल जारी।

पुनः कॉल की। जिसके बाद गार्ड द्वारा नवादा आ जाने की बात कही गई।साथ ही गार्ड द्वारा एटीएम के टॉल फ्री नम्बर पर कॉल करके शिकायत दर्ज करने की बात कही गई। इस दौरान जीएनएम को संदेह हुआ तो उन्होंने एसबीआई कस्टमर केयर को कॉल करके अपना एटीएम कार्ड को ब्लॉक करवा दी। इसी बीच जमुनियां गांव निवासी सत्येंद्र रविदास के पुत्र संटू कुमार एटीएम कार्ड से पैसे निकालने लगे, तो उनका भी एटीएम कार्ड मशीन में गिर पड़ा।

☞ **एटीएम में नहीं है तैनात कोई गार्ड :-** जीएनएम द्वारा आसपास के लोगों से काफी पूछताछ के बाद पता चला कि एटीएम में किसी गार्ड की तैनाती नहीं है। जिसके बाद जीएनएम द्वारा डायल 112 को कॉल करके सहायता मांगी गई। सूचना पाकर पांच मिनट के अंदर डायल 112 की इआरवी 2 टीम एटीएम के पास पहुंची एवं मामले के जानकारी लेकर मकान मालिक से बातचीत किया। मकान मालिक ने बताया कि आये दिन किसी न किसी कस्टमर का एटीएम कार्ड मशीन के अंदर फंस जाता है। एटीएम में पैसा डालने वाले जब आते हैं, तब कार्ड को निकालकर कस्टमर को देते हैं। साथ ही मकान मालिक ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी सिर्फ एटीएम को खोलने एवं बन्द करने की है। साथ ही बताया कि एटीएम रूम में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गार्ड के नाम का एक मोबाइल नम्बर भी लिख दिया गया था।जिसे मिटाया गया। किन्तु पुनः किसी ने दूसरा मोबाइल नम्बर लिख दिया है। डायल 112 की टीम द्वारा मकान मालिक को एटीएम बन्द करने को कहा गया एवं एटीएम खुलने पर कार्ड को जीएनएम को सुपुर्द करने को भी निर्देशित किया गया।

☞ **एटीएम की जांच में मशीन का लॉक टूटा पाया गया :-** मकान मालिक व जीएनएम की उपस्थिति में एटीएम मशीन की जांच के दौरान पता चला कि किसी ने एटीएम मशीन के लॉक को ही तोड़कर जीएनएम का एटीएम कार्ड गायब कर दिया है। जीएनएम ने बताई कि उसे पूर्णतः विश्वास है कि एटीएम रूम में लिखा हुआ नम्बर वाले व्यक्ति ने उसे एटीएम के पास हटवाकर पीएनबी के पास बुलाया और इसी दौरान एटीएम मशीन के लॉक करके एटीएम कार्ड लेकर चंपत हो गया। जीएनएम ने बताई कि एसबीआई कस्टमर केयर कॉल करके सारी घटनाओं की जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि घटना की लिखित सूचना थाना को दी गई है।

☞ **बिना गार्ड के संचालित हैं कई एटीएम :-** रजौली मुख्यालय में लगभग 6 एटीएम हैं। जिनमें पुरानी बस स्टैंड स्थित एसबीआई व पीएनबी एटीएम में ही गार्ड की सुविधा है। इसके अलावे बायपास रोड, जगजीवन नगर व नीचे बाजार में इंडिया नम्बर 1 एवं सिमरकोल स्थित कृपाल ऑटो सर्विस के पास बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम है।जिनमें एटीएम गार्ड नहीं हैं। ऐसी स्थिति में साइबर फ्रॉड करने वाले अपराधियों का मनोबल बढ़ जाता है।

☞ **क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :-** इस बाबत पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि एटीएम कार्ड को लेकर जीएनएम द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की सघन जांच कर रही है। साथ ही उन्होंने आमलोगों को सायबर फ्रॉड से सावधान रहने की सलाह दी।●

गरीबों का अनाज ही नहीं, किरासन तेल भी पी रहे डीलर

● मिथिलेश कुमार

वैसे तो कमोवेश नवादा जिले के सभी प्रखंडो एवं नगर परिषद क्षेत्रों में पीडीएस की स्थिति बेहतर नही कहा जा सकता है लेकिन जहां अनाज क्या गरीबों के बीच आवंटित होने वाले मिट्टी का तेल भी डीलर गटक रहे हैं और जरा सा डकार भी नही ले रहे हैं । नवादा जिले के रजौली प्रखण्ड क्षेत्र में ग्रामीणों के बीच 21810 लीटर किरासन तेल का आवंटन होने के बाद भी जरूरतमंदों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिले के सभी ग्रामीण लाभान्वित हों, इसके लिए राष्ट्रीय खाद सुरक्षा अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों के लिए 287908 लीटर किरासन तेल की आवश्यकता है। जिला मुख्यालय द्वारा जारी पत्र में बताया गया कि जुलाई माह में कुल 23 टैंकलौरी किरासन तेल का आवंटन प्राप्त हुआ था।जिसकी कुल मात्रा 276000 लीटर थी।वहीं पिछले माह के आवंटन में थोक विक्रेताओं के भंडार में अवशेष 34101 लीटर तेल था। थोक विक्रेताओं के अवशेष में 34101 लीटर तेल का सामंजन करने के पश्चात 22193 लीटर तेल थोक विक्रेताओं के भंडार में सुरक्षित रहने की बात कही गई थी। किरासन तेल ठेला भेंडरों को विभागीय पत्र के आलोक में प्रति ठेला भेंडर 200 लीटर किरासन तेल का आवंटन किया जाना सुनिश्चित था। साथ ही आवंटित किरासन तेल का विवरण निगरानी समिति के अलावे प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा जांच करने के निर्देश भी प्राप्त थे। साथ ही थोक विक्रेताओं के द्वारा किरासन तेल का अवैध भंडारण नहीं होने का निर्देश भी प्राप्त था।

☞ **जिले से निर्देश के बावजूद किरासन तेल का नहीं हुआ आवंटन** :- जिले से रजौली प्रखण्ड के लिए कुल 21810 लीटर किरासन तेल का आवंटन किया गया था। जिसमें एक ठेला भेंडर को 200 लीटर किरासन तेल का भी आवंटन शामिल है।जिला से प्राप्त निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित ग्रामीण परिवारों को प्रति परिवार एक लीटर की दर से राशन कार्ड के आधार पर किरासन तेल का आवंटन किया जाना सुनिश्चित था। वहीं प्रखण्ड क्षेत्र के झुग्गी-झोपड़ी, छात्रावास, रैन बसेरा, विधवा महिला, एकल महिला, दलित कॉलोनी इत्यादि में किरासन तेल आवंटन ठेला भेंडरों द्वारा किया जाना था। इसके बावजूद राशनकार्ड धारियों को न तो पीडीएस दुकानदारों द्वारा किरासन तेल का आवंटन किया गया और न ही ठेला भेंडर द्वारा किरासन तेल वितरण किया गया। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि जब वे अनाज उठाव के लिए पीडीएस दुकानदार के पास जाते हैं तो उन्हें किरासन तेल सम्बन्धी जानकारी नहीं दी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले राशन कार्डधारियों के बीच पीडीएस दुकानदारों द्वारा किरासन तेल का आवंटन किया जाता था।किंतु विगत कई महीनों से किरासन तेल का आवंटन तो दूर उन्हें सम्बंधित जानकारी भी नहीं दी जाती है।

☞ **किरासन तेल सस्ते होने के बावजूद उपभोक्ता नहीं कर रहे डीलरों से उठाव, एमओ** :- प्रखण्ड क्षेत्र में उपभोक्ताओं द्वारा किरासन तेल की कीमत सस्ती होने पर भी डीलरों से उठाव नहीं करने पर तेल पुनः वापस लौट जा रहा है। प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि प्रखण्ड क्षेत्र में कुल 86 डीलर व एक ठेला भेंडर हैं। किंतु उपभोक्ता द्वारा डीलरों के पास से किरासन तेल का उठाव नहीं करने पर तेल को वापस तेल एजेंसियों को लौटा दिया जा रहा है।साथ ही कहा कि इससे पूर्व भी किरासन तेल का आवंटन जिले के विभिन्न तेल एजेंसियों द्वारा किया जाता रहा है। पहले किरासन तेल की कीमत लगभग 90 रुपये प्रति लीटर थी।किरोसिन तेल के महंगे होने के कारण उपभोक्ताओं ने तेल का उठाव डीलरों के यहां से बन्द कर दिया। जिसके कारण प्रखण्ड के डीलरों द्वारा किरासन तेल का उठाव बन्द कर दिया गया। साथ ही कहा कि पिछले माह किरासन तेल की कीमत लगभग 60 से 65 रुपये प्रति लीटर के आसपास थी। किरासन तेल की कीमत कम होने के बाद भी राशन कार्ड धारियों द्वारा तेल का उठाव नहीं किया गया। यदि उपभोक्ताओं द्वारा किरासन तेल का उठाव किया जाता है तो पीडीएस दुकानदारों द्वारा किरासन तेल का आवंटन किया जाएगा। ●

महात्मा गांधी इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किये गये शिक्षक संतोष वर्मा

● मिथिलेश कुमार

नवादा बुक ऑफ रिकॉर्ड इंटरनेशनल संस्था नई दिल्ली के द्वारा नवादा जिले के आदर्श इंटर विद्यालय सिरदला के शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार वर्मा को महात्मा गांधी इंटरनेशनल अवॉर्ड 2023 के रूप में प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया इनका चयन इनकी उपलब्धि एवं इंटरव्यू के आधार पर किया गया जिसमें शिक्षा,खेल ,समाज सेवा, सोशल मीडिया के माध्यम से शारीरिक एवं सामाजिक जागरूकता, फिजिकल फिटनेस की जानकारी देना ,युवाओं के लिए क्लब निर्माण, सैकड़ों खिलाड़ी को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करवाना, कई दर्जनो जिला एवं राज्य प्रतियोगिताओं का आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना ,महापुरुषों की जयंती मना कर युवाओं को प्रेरित करना, बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस टेक्निक्स आत्मरक्षा के गुर सिखाना, मोटिवेशनल क्लास लेना, खेल के क्षेत्र में राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खेलों में कोच रेफरी एवं मैनेजर की भूमिका निभाना, सैकड़ों पुरस्कार एवं मेडल प्राप्त करना आदि के क्षेत्रों में नए नित कीर्तिमान स्थापित करने के लिए इन्हें महात्मा गांधी इंटरनेशनल अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया इनके इस विशिष्ट उपलब्धि पर

माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष परशुराम सिंह ,सचिव शिवकुमार प्रसाद, यमुना प्रसाद, वरीय शिक्षक मनोज कुमार, रामविलास प्रसाद, अखिलेश कुमार ,डॉ आलोक कुमार, डॉ सुनील कुमार, डॉ वसंत प्रसाद ,डॉ अनुज कुमार, आरपी साहू ,कनक कुमार, श्यामसुंदर कुमार, शिक्षक संजीत कुमार दास,आदर्श इंटर विद्यालय सिरदला के प्रभारी प्रधानाध्यापिका उमा कुमारी के अलावे नवादा जिले के हजारों शिक्षकों ने बधाई संदेश दिया। ●

महावीर स्वामी एवं भगवान बुद्ध को प्रिय था राजगीर : राम रतन प्रसाद

● मनीष कमलिया/कृष्णा कुमार चंचल

राजगीर मेलों की भूमि है। आये दिन यहां मेले लगते रहते हैं। प्रतिवर्ष माघ महीने के द्वितीय सप्ताह में मकर संक्रान्ति के अवसर पर मकर मेला का आयोजन किया जाता है। राजगीर में मेला लगने का यह बहुत ही सुन्दर समय है, क्योंकि इस महीने में यहां की जलवायु न अधिक ठंडी रहती है और न अधिक गर्म। लेकिन यहां लगने वाले मेलों में सर्वाधिक महत्व मलमास मेला का है। प्रत्येक तीसरे वर्ष मलमास की अवधि में यह मेला एक महीने के लिए लगता है। लाखों की संख्या में देश-विदेश से लोग इस मेले में आते हैं। लोगों का ऐसा विश्वास है कि मलमास की अवधि में हिन्दू धर्म के सभी तीर्थस्थान तथा सभी देवता एक महीने के लिए राजगीर वास करने आते हैं। अत: इस अवधि में राजगीर आने से सभी तीथों की यात्रा का फल मिलता है तथा सभी देवताओं के दर्शन हो जाते हैं। भगवान महावीर और भगवान बुद्ध की पवित्र भूमि राजगीर बिहार की राजधानी पटना से दक्षिण में 102 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हिन्दुओं की तीर्थ भूमि गया यहां से केवल 70 किलोमीटर दक्षिण में है। बोधगया राजगीर से 80 किलोमीटर की दूरी पर है और पावापुरी पक्की सड़क के रास्ते 40 किलोमीटर पर। यही कारण है कि राजगीर की सुरम्य घाटियां प्राचीन काल से ही सभी धर्मावलम्बी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। राजगीर की घाटियों में परिव्याप्त आध्यात्मिक शांति तथा यहां की मनोरम पहाड़ियों पर बिखरे प्राकृतिक सौन्दर्य प्रागैतिहासिक युग से ही साधना एवं संस्कृति के केन्द्र बने हुये हैं। प्राचीन राजगीर का वर्णन रामायण, महाभारत तथा अन्य कई प्राचीन धर्मग्रंथों में भी किया गया है। रामायण में बताया गया है कि ब्रह्मा के पुत्र बसु के नाम पर इस नगर का नाम बसुमती पड़ा। महाभारत के अनुसार राजा बृहद्रर्थ ने सर्वप्रथम इस नगर में अपनी राजधानी बसायी थी। इसके कारण इसे बाह्रदर्थ के नाम से भी जाना जाता है।

कहा जाता है कि प्राचीन राजगीर में कुश नामक एक प्रकार की घास काफी मात्रा में होती थी। अत: कुश नामक घास से भरी-पूरी होने के कारण इस स्थान को कुशाग्रपुरी भी कहा जाने लगा। महाभारत में मगध सम्राट जरासंध का नाम आया है। इस सम्राट की राजधानी भी राजगीर में ही थी। राजगीर का नाम राजगृह क्यों पड़ा? इसके भी कारण हैं। राजगृह शब्द का अर्थ होता

है राजा का गृह। चूँकि कई शताब्दियों तक कई प्रतापी नरेश तथा सम्राटों ने इस नगर में वास किया, अतएव यह नगर राजगृह के नाम से पुकारा जाने लगा। यही वह पवित्र भूमि है जहाँ बौद्धों ने अपनी प्रथम धर्मसभा वैभार पर्वत के उत्तर सप्तपर्णी गुफा में आयोजित की थी। इसी पहाड़ी के शीर्ष पर हिन्दू धर्मावलम्बी ऋषि मुनि भी अनवरत तपस्या किया करते थे। इसी घाटी के गृद्धकूट पर संबोधि प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने लगभग पांच वर्ष बिताये थे। जैन तीर्थंकर महावीर इस नगर को इतना चाहते थे कि उन्होंने अपने पार्थिव जीवन के चौदह वर्ष राजगीर के जंगलों में ही बिताये। मुस्लिम फकीर शाह मखदूम ने भी यहां एक गुफा के आस-पास साधना करते हुए राजगीर के जंगलों में बारह वर्षों तक निवास किया था। यहाँ पर सिख धर्म के भी कई प्रतिष्ठान हैं। इस तरह हम कह सकते हैं कि राजगीर सभी धर्मावलम्बियों के लिए एक आध्यात्मिक केन्द्र रहा है। राजगीर की सुरम्य घाटियों में बिखरित प्राकृतिक सुषमा के साथ-ही- साथ राजनीतिक पृष्ठभूमि भी कुछ ऐसी रही है जिसने राजगीर को आकर्षक बनाये रखा। जरासंध ने हजारों पराकर्मी सम्राटों को परास्त कर और पकड़ कर अपने राजगीर के दुर्ग में बंदी बना कर रखा था। अठाइस दिनों के अनवरत मल्लयुद्ध में जब भीम ने जरासंध के दोनों पैरों को पकड़कर चीर डाला. तब इन हजारों बन्दी सम्राटों को परित्राण मिला। यहाँ के शासक बिम्बिसार एवं अजातशत्रु आदि की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से इतिहास के पन्ने भरे पड़े हैं जिसके फलस्वरूप यहाँ के अतीत के

वैभव का पता चलता है।

राजगीर पहुंचने के क्रम में सड़क से दक्षिण दिशा में कुछ दूर चलने पर दाहिनी ओर पत्थर के टुकड़ों से बनी कुछ मोटी दीवारें दिखाई पड़ती हैं। ये दीवारें अजातशत्रु के गढ़ के भग्नावशेष हैं। कहते हैं कि एक बार वैशाली गणतंत्र की सेना मगध साम्राज्य पर हमला करने के लिए गुप्त रीति से गंगा के इस पार आ चुकी थी। परन्तु अजातशत्रु के गुप्तचरों ने तुरन्त इसकी सूचना सम्राट तक पहुंचायी। फिर तो दुर्ग की रक्षा के लिए अजातशत्रु ने इन मोटी दीवारों का निर्माण शुरू कर दिया। जब लिच्छवियों को पता चला कि अजातशत्रु उनका सामना करने की तैयारी कर रहा है तो उनकी हिम्मत पस्त हो गयी और वे वहीं से लौट गये और इस तरह इन दीवारों को पूरा नहीं किया जा सका। अजातशत्रु गढ़ से कुछ ही आगे बढ़ने पर सड़क की बायीं ओर बौद्धों का एक मंदिर है जो बमज मंदिर के नाम से पुकारा जाता है। बर्मा के रहने वाले एक बौद्ध साधु ने इस मंदिर को 1925 में बनवाया था। इस मंदिर में ठहरने के लिए कुछ कोठरियां भी बनी हुई हैं जिनमें यात्री विशेषकर बौद्ध यात्री ठहरा करते हैं। बर्मीज मंदिर से कुंड की दिशा में कुछ आगे बढ़ने पर हमें गोरक्षिणी भवन दिखाई पड़ता है। इस भवन का विशेष महत्व इसलिए है कि गो माता की रक्षा के लिए इस भवन का निर्माण एक मुसलमान नवाब हुसैनबाद की विशेष सहायता से हुआ था। इसके आधे भाग में राजगीर आने वाले यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है। गोरक्षिणी से कुछ दूर और आगे चल कर हमें एक प्राचीन वृक्ष दिखाई पड़ता है जो धूनिवट् के नाम से विख्यात है। विशेषकर ऐसे अवसरों पर जब राजगीर में मेला लगा रहता है। मेले में आये हुए यात्री सैकड़ों की संख्या में इस वट् वृक्ष की छाया में बने चबूतरे पर बैठकर विश्राम करते हैं।

कहते हैं कि किसी मलमास मेले के अवसर पर एक तेजस्वी महात्मा कुछ लकड़ी के कुन्दों को जलाकर धूनी लगा रहे थे। अन्त में कुछ कुन्द बच गये। साधु ने प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद दिया कि तुम लोग भी बढ़ जाओ और राजगीर आने वाले राहियों को अपनी शीतल छाया से तृप्त करो। धूनि वट् से कुछ और आगे बढ़कर हम राजगीर के उस क्षेत्र में पहुंचते हैं जहां इस भूमि के सर्वाधिक आकर्षण केन्द्र गर्म झरने हैं। ये झरनें सड़क की दाहिनी और बायीं दोनों दिशाओं में हैं। इसका उद्गम स्थल तो वैभारगिरि में है और कई का विपुलाचल में। वैभारगिरि के अंचल में गर्म पानी का खजाना है, इसे पहले भी लोग मानते थे आज भी मानते हैं। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी राजगृह का भ्रमण किया था। उसने अपने यात्रा विवरण में इस बात का उल्लेख किया है कि वैभारगिरि की पूर्वोत्तर दिशा में गर्म पानी के झरने थे। ह्वेनसांग के अनुसार उस समय राजगीर में लगभग पांच सौ झरने थे, जिनमें कुछ झरने गर्म पानी के और कुछ ठंडे पानी के थे। वैसे तो 52 कुण्ड का उल्लेख मिलता है। इसमें कुछ कुण्ड गर्म जल के हैं जिसमें सप्तधारा, ब्रह्मकुण्ड तथा सूर्यकुण्ड बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। राजगीर के गर्म झरनों के पानी में गंधक के साथ कई प्रकार के रेडियोऐक्टिव तत्व मिले हुए हैं। इन कुण्डों में स्नान करने से तथा इनके जल का सेवन करने से अनेक प्रकार के रोग मुख्यतः चर्मरोग, हड्डी के रोग तथा अन्य रोग जैसे- गठिया, लकवा, अल्सर आदि अच्छे हो जाते हैं। खून की कमी या खून की खराबी के कारण होने वाली सभी तरह की बीमारियों के लिए इन झरनों का पानी लाभप्रद है। इन स्वच्छ जलों के झरनों से होकर आस-पास की पहाड़ियों पर उगी हुई अनेक प्रकार की जड़ी- बूटियां टकराती हैं।

सप्तधारा से कुछ ही दूर ऊपर वैभारगिरि पर पूर्व दिशा से ऊपर चढ़ने के मार्ग में थोड़ी दूरी पर पत्थरों का बना एक चौकोर स्थान दिखाई पड़ता है। स्थानीय लोग इसे जरासंघ की बैठक कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि प्रतापी मगध सम्राट जरासंध की राजधानी राजगीर में ही थी। उसकी राजधानी पांच पहाड़ियों के बीच बसी हुई थी। कभी-कभी जरासंध अवकाश के क्षणों में वैभारगिरि की ओर आता था और पत्थर के इस चौकोर स्थान पर बैठकर प्रकृति का मुक्त आनन्द लेता था। इसी कारण यह स्थान जरासंघ की बैठकी के नाम से विख्यात हुआ। भगवान बुद्ध के जीवन काल में भी कभी-कभी बौद्ध भिक्षु इस स्तम्भ पर बैठकर चिंतन मनन किया करते थे। स्वयं भगवान बुद्ध ने भी इस स्थान पर होने वाली सभाओं में कई बार भाग लिया। वैभार पर्वत के ऊपर सप्तपर्णी गुफा पत्थरों से बनवायी गयी है।

कहते हैं कि भगवान बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद अजातशत्रु के प्रयास से बुद्ध की पहली सभा यहीं आयोजित हुई थी। सप्तपर्णी गुफा उन चट्टानों में बना छह या सात गुफाओं के सामने बनायी गयी एक लम्बी मानवाकृति है। इस मार्ग के कुछ हिस्से में पत्थर जमाए हुए हैं और यह सात फीट चौड़ा एक पारपथ सा लगता है। सप्तपर्णी गुफा जैन इतिहास में रोहणियां ओर की गुफा के नाम से प्रसिद्ध है। पंचपहाड़ियों से घिरी घाटी के भीतर जाने पर किसी पर्यटक को सर्वप्रथम एक स्मारक दिखलायी पड़ता है। यह स्मारक मनियार मठ के नाम से प्रसिद्ध है। यह मठ कब बना और इसका निर्माता कौन था, इसके सम्बंध में आज भी विद्वानों में मतैक्य नहीं है। कई विद्वानों का मत है कि यह मठ जैनियों द्वारा बनवाया गया है। इसका कारण यह बताया जाता है कि इस स्मारक का राजगृह महावीर स्वामी एवं भगवान बुद्ध को प्रिय था आकार जैन मंदिरों से मिलता-जुलता है। दूसरा कारण यह भी बताया जाता है कि खुदाई के बाद इस स्मारक के भीतरी भाग से जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ की मूर्ति भी मिली है। कुछ लोग इस स्मारक का निर्माता

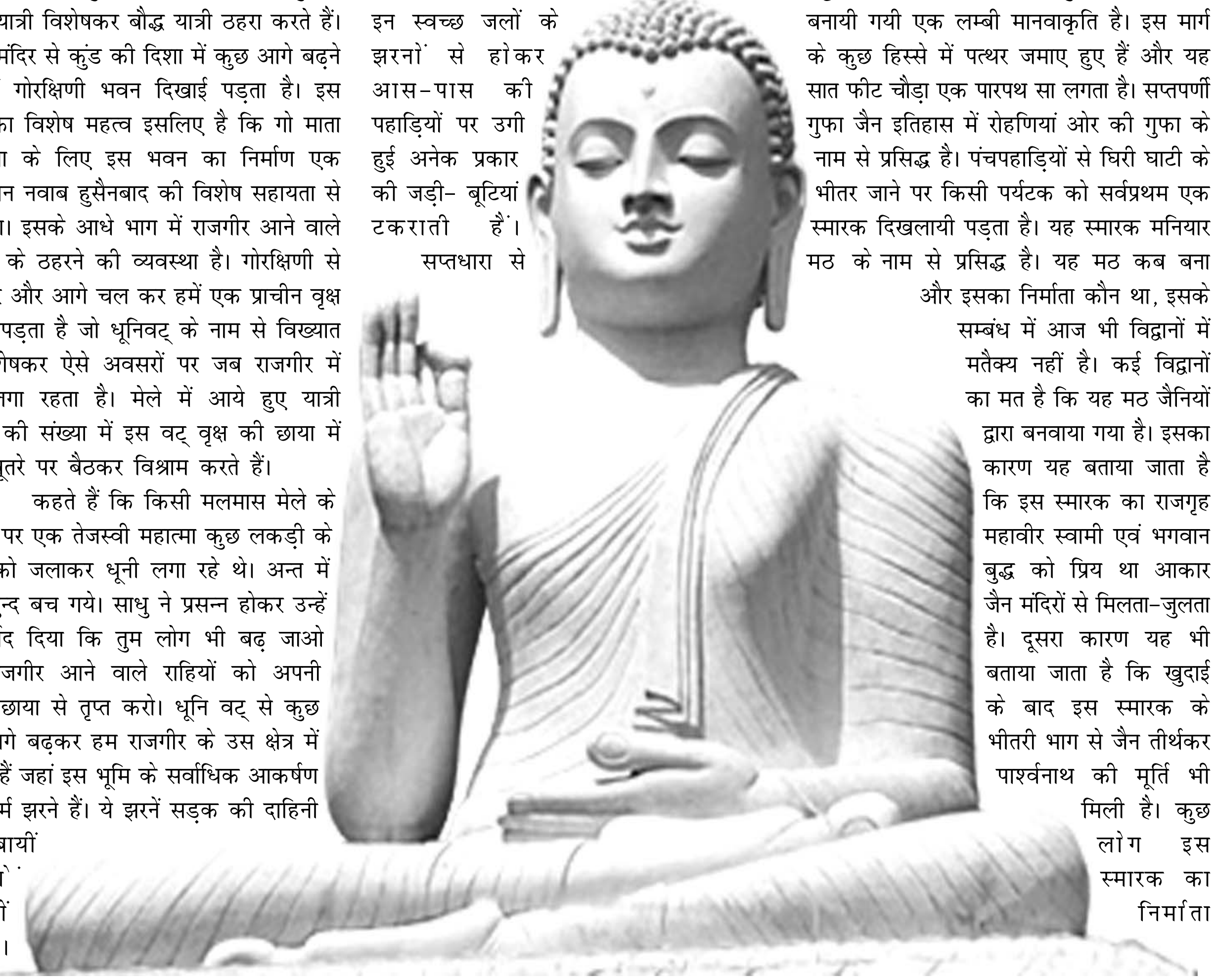

किसी हिन्दू मतावलम्बी को मानते हैं क्योंकि इस मठ के भीतरी भाग की खुदाई करने पर फूलों की माला से लदा एक शिवलिंग निकला था। भगवान विष्णु के चतुर्भुज रूप की एक मूर्ति भी मिली जो मुकुट धारण किये हुए थे। इसके अलावा अन्य मूर्तियां भी निकली थी। मनियार मठ मंदिर का वर्णन महाभारत में भी किया गया है। वैभार पर्वत के अंचल में स्थित स्वर्ण भंडार राजगीर का एक प्रमुख दर्शनीय स्थान है। इसके बारे में कहा जाता है कि इसके भीतर खजाना भरा है। पर यह बात कहां तक सही है, नहीं कहा जा सकता है। इस गुफा के दो भाग हैं। यह भी कहा जा सकता है कि स्वर्णभंडार में दो गुफाएं हैं जो एक दूसरे से सटी हैं। जनरल कनिंघम, बेंगलर तथा मार्शल आदि कई पुरातत्ववेत्ताओं ने इस गुफा के बारे में छानबीन की। जनरल कनिंघम का मत था कि स्वर्णभंडार मैं ही बौद्ध भिक्षुओं की प्रथम संगति मगध नरेश अजातशत्रु के समय में हुई थी। प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता और कनिंघम के सहयोगी बेंगलर ने बताया है कि स्वर्ण भंडार की एक गुफा में भगवान बुद्ध रहते थे और बगल वाली गुफा में उनके शिष्य आनन्द। पर बेंगलर के मत को अधिक समर्थन नहीं मिला। स्वर्णभंडार में पत्थरों की दीवार पर शिलालेख खुदे हैं जो इस प्रकार हैं:-

☞ निर्वाण लाभाय तपस्वी योगये सुभे गुहे अर्हत-प्रतिमा प्रतिष्ठे । आचार्य रत्नम मनि भैरवदेव विमुक्तये काश्याद ऊरध्वतेजाह । यह शिलालेख लगभग तीसरी और चौथी शताब्दी की है।

☞ स्वर्ण भंडार से कुछ दूर पश्चिम चल कर हम उस स्थान पर पहुंचते हैं। जहां महाभारत युग में भीम और जरासंध ने अठाइस दिनों तक मल्लयुद्ध किया था। यह स्थान आज भी रणभूमि या जरासंध का अखाड़ा के नाम से विख्यात है। राजगीर आने वाले अनेक पर्यटक इस रणभूमि के दर्शनार्थ भी आते हैं और यहां की मिट्टी अपने शरीर में लगाते हैं।

☞ राजगीर जिन पहाड़ियों से घिरा है उनकी सबसे ऊंची चोटियों में गिद्धकूट है। भगवान बुद्ध को यह पहाड़ी अत्यधिक प्रिय थी। इसके ऊपर बैठकर उन्होंने कई प्रसिद्ध सूत्रों को अपने शिष्यों के बीच कहा था।

☞ ह्वेनसांग के यात्रा विवरण के अनुसार वहां दो स्तूप थे-एक नीचे से कोई अस्सी गज ऊपर और दूसरा ऊपर जाकर, जहां सड़क उत्तर की ओर मुड़ती है। खुदाई के समय रोगनी मिट्टी की परतें मिली थी, जिनपर सात भूतपूर्व बौद्धों के तथा आगामी बुद्ध मैत्रेय की मूर्तियां दो कतारों में बनीं थीं। हर मूर्ति के नीचे बौद्ध सूत्र लिखा हुआ था।

☞ उदयगिरि और सोनागिरि के बीच के दर्रे से जाते हुए पर्यटक वन गंगा तक पहुँचते हैं- वहां पहुंचने पर राजगीर की पहाड़ियों की चोटियों पर बनी बाहरी रक्षा दीवारें ध्यान आकर्षित करती हैं।

☞ गिद्धकूट के पार्श्ववर्ती रत्नागिरि पर्वत पर विश्व शान्ति स्तूप है। इसे बनाने में लगभग पच्चीस लाख की लागत लगी है। स्तूप की ऊँचाई 120 फीट है तथा इसके शीर्ष भाग पर दस फीट ऊंचा कमल कलश विराजमान है। स्तूप का व्यास 103 फीट है। इस स्तूप के भीतर एक मनोमुग्धकारी मंजूषा में सप्तरत्नों सहित भगवान बुद्ध का अवशेष स्थापित किया गया है।

☞ स्तूप के चारों ओर बुद्ध की प्रतिमाएं हैं जो अत्यन्त भव्य और आकर्षक हैं। इन दिनों यह स्थान पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केन्द्र बना हुआ है।●

टोलकर्मी वाहन चालकों से ओवर लोडिंग बताकर कर रहे अवैध वसूली

● **मनीष कमलिया/कृष्णा कुमार चंचल**

नवादा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 20 पर रजौली प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के करिगांव टोल प्लाजा पर वाहन चालकों ने टोल कर्मियों पर वसूली का आरोप लगाया है। टोलकर्मियों की इस मनमानी के आगे वाहन संचालक बेबस हैं। वाहनों का धर्म कांटा पर तौल नहीं होता, वहीं ओवरलोडिंग बता वसूली करते हैं। वसूली टोल प्लाजा पर यातायात को सुरक्षित व सुगम बनाने के लिए बने हाई-वे पर सुविधाओं के नाम पर टोल टैक्स लिया जाता है। लेकिन कर्मचारी रात के अंधेरे में अवैध वसूली कर रहे हैं। वाहन संचालक को इनके वाहनों पर फास्ट टैग लगे होने के बावजूद जबरन नकदी वसूली जा रही है। कर्मियों की मनमानी से टोल कंपनी को लाखों का चूना लग रहा हैं। नकद भुगतान का विरोध करने पर चालकों से अभद्रता कर टोल कर्मी मारपीट पर आमादा हो जाते हैं। रात में जब करीगांव टोल प्लाजा का जायजा लिया गया तो वाहन चालकों का दर्द सामने आया। हाई-वे पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आने-जाने के लिए अलग-अलग लेन है। दोनों लेन के बीच कहीं अन्य वाहन न घुस सकें। इसके लिए बीच सड़क पर डिवाइडर का निर्माण कराया जाता है। सड़क क्रॉस करने के लिए

डिवाइडरों के बीच में रास्ता दिया गया है। चालकों ने कहा- वाहन पर फास्ट टैग लगे होने के बावजूद जबरन नकद पैसे लिए गए तेल टैंकर चालक गुड्डू खान ने बताया कि उनके वाहन पर फास्ट टैग लगा हुआ है। बावजूद जबरन नकद पैसे लिए गए। विरोध करने पर परेशान किया जाता है। चालक ने बताया कि सादे कपड़े में मौजूद रहने वाले टोलकर्मियों ने उनसे जबरन नकद भुगतान लिया। लेकिन रसीद मांगने के बाद भी नहीं दी। तकरीबन एक घंटे तक टोल प्लाजा पर मौजूद रहने के दौरान टोलकर्मियों के मनमाने रवैये से चालकों को परेशान होते देखना आम बात रही। ट्रक मालिक राकेश कुमार ने बताया कि रात भर टोल प्लाजा पर अवैध वसूली की जाती है। यहां के वाहन संचालक टोलकर्मियों की मनमानी के आगे बेबस है। धर्म कांटे पर तौल होती नहीं और ओवरलोडिंग बता ट्रकों से वसूली करते हैं।

☞ **क्या कहते हैं अधिकारी:-** टोल प्लाजा इंचार्ज विनोद सिंह ने कहा कि टोल प्लाजा पर सर्कुलर के अनुरूप राशि ली जाती है। जो ट्रक ओवर लोड होते हैं, वह सिस्टम में दिखा देता है। जिसके बाद उससे राशि ली जाती है। गार्घडिघ्योंघ्ठ में फास्ट टैग लगे होने के कारण टोल पार करने वाली छोटी व बड़ी गाड़ियों का पता सिस्टम में चल जाता जाता है। जिसके अनुसार उनसे पैसे लिए जाते हैं। कोई अवैध वसूली नहीं होती है।●

भारत-नेपाल सीमा पर 12 देशों के 41 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

● धर्मेंद्र सिंह

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर अवैध ढंग से घुसने का प्रयास कर रहे दो चीनी नागरिकों को बीते दिन गिरफ्तार किया गया था। बॉर्डर से घुसपैठ के दौरान गिरफ्तारी का यह पहला मामला नहीं है। वर्ष 2023 यानी इसी साल बिहार पुलिस ने इमिग्रेशन, कस्टम व एसएसबी के सहयोग से 12 देशों के 41 विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी बिहार में की है। इन सब के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करते हुए उनको न्यायिक हिरासत मे जेल भेजा गया है। बिहार पुलिस के एडीजी (मुख्यालय) जितेंद्र सिंह गंगवार ने सोमवार को बताया कि 41 में से सबसे अधिक 28 विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी बिहार से सटे भारत-नेपाल सीमा पर की गयी है। यह लोग अवैध ढंग से बिहार के रास्ते देश में घुसने का प्रयास कर रहे थे। इनके अलावा 13 अन्य विदेशी नागरिकों में छह को सोना तस्करी, चार को मद्यनिषेध और एक-एक को एनडीपीएस, अवैध मुद्रा तथा अवैध आग्नेयास्त्र के मामले में गिरफ्तार किया गया है। जितेंद्र सिंह गंगवार ने बताया कि इस साल नेपाल, सूडान, म्यांमार, रूस, चेक रिपब्लिक, तिब्बत (चीन), पूर्वी अफ्रीका (युगांडा), उज्बेकिस्तान, नाइजीरिया, बांग्लादेश , संयुक्त राज्य अमेरिका तथा चीन के नागरिकों को बिहार में गिरफ्तार किया गया हैं। इनके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज मामलों में अनुसंधान चल रहा है। एडीजी मुख्यालय ने बताया कि 22 जुलाई को मोतिहारी जिले के रक्सौल थाना अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा पर गिरफ्तार दो चीनी नागरिकों झाओ जिंग एवं फू कोंग पर रक्सौल के हरैया ओपी में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। बॉर्डर का मामला देखते हुए हर बिंदु पर अनुसंधान किया जायेगा। मिले सबूतों के आधार पर चार्जशीट होगी, तब विस्तृत रूप से उनके बिहार प्रवेश की मंशा का पता लगेगा। फिलहाल बगैर भारतीय वीजा अनाधिकृत रूप से भारत में प्रवेश करने का मामला दर्ज किया गया है। गौर करे कि नेपाल से अवैध रूप से भारत की सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे दो चीनी नागरिकों को इमिग्रेशन विभाग की टीम ने 22 जुलाई को हिरासत में लिया था। हिरासत में लिए गए चीनी नागरिकों ने बीते दो जुलाई को भी बिना वीजा भारत की सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। इस दौरान इमिग्रेशन के दौरान उन्हें वापस नेपाल भेज दिया गया था। लेकिन इस बीच 22 जुलाई की रात दूसरी बार भारत की सीमा में रात के अंधेरे का फायदा उठाकर प्रवेश करने की कोशिश में लगे चीनी नागरिकों को अभिरक्षा में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया ओपी पुलिस को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार चीनी नागरिकों की पहचान जियांग्सी, चीन निवासी जाओ शिया पिंग पुत्र-जाओ जिंग एवं पासपोर्ट नंबर ईजे 9445927 व फू हॉन्ग गेन के 28 वर्षीय पुत्र फू कॉन्ग के रूप में हुई, जिसका पासपोर्ट नंबर ईके 5643259 है। उन्होंने बताया कि बीते 2 जुलाई को उक्त आरोपियों को नेपाल से भारत में बिना भारतीय वीजा के अनाधिकृत रूप से भारत में प्रवेश के दौरान इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा पकड़े गए तथा दोनों को पहली बार बॉर्डर पार करने की कोशिश में इनके पासपोर्ट पर एंट्री रिफ्यूज्ड करके चेतावनी देकर वापस नेपाल भेज दिया गया और भारत में आने के लिए भारतीय वीजा लेकर आने का सलाह दिया गया। उस दौरान उन्होंने बताया था कि गत 30 जून को नेपाल की राजधानी काठमांडू आए थे और 02 जुलाई रक्सौल के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे थे। दूसरी बार भारत में अवैध तौर पर प्रवेश करने की कोशिश इनकी गलत मंशा को दर्शाता है। सुरक्षा एंजेसियां इस मामले की जांच में जुटी है कि आखिर उक्त दोनों चीनी नागरिक किस मकसद से भारत की सीमा में दाखिल होना चाहते थे। गौर करे कि भारत-नेपाल खुली सीमा इन दिनों सुरक्षा एजेंसी के लिए चुनौती बनती जा रही है। उत्तराखण्ड से लेकर बंगाल तक लगभग 1700 किलोमीटर से भी ज्यादा लंबी इस सीमा पर इन दिनों सबसे बड़ी चुनौती 'थर्ड नेशन सिटीजन' बनते जा रहे है। इन दोनों देशों की खुली सीमा का फायदा इस सीमा से गुजरने वाले दूसरे देशों के नागरिक उठा रहे है। खुली सीमा का फायदा उठाकर विदेशी नागरिक लगातार नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश करते हैं। पिछले कुछ वर्षो में एक दर्जन से ज्यादा विदेशी नागरिकों को भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तरीके से आवाजाही करते हुए और फर्जी दस्तावेज रखने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। यह संख्या केवल सिलीगुड़ी कोरिडोर से जुड़े इलाके की है। सवाल उठने लगा है कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे अक्सर चिकन नेक कहा जाता है, सुरक्षा की दृष्टि से असुरक्षित क्यों होता जा रहा है। जानकार बताते है कि सुरक्षा बलों के सामने एक बड़ी समस्या यह है कि भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं पर लोगों की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं है। कोई भी इसमें प्रवेश कर सकता है। वहीं मालदा के इलाके में मुख्य चिंता बांग्लादेश से घुसपैठ है। सिलीगुड़ी के हालात अलग है। यहां एसएसबी गुप्त सूचना पर कार्रवाई करती है और अवैध रूप से सीमा पार करने वाले लोगों को पकड़ती है। लेकिन आम तौर पर, सिलीगुड़ी गलियारे में लोगों की कोई सख्त जांच नहीं होती है।

गौरतलब हो कि एक तरफ बांग्लादेश दूसरी तरफ नेपाल, तीसरी तरफ भूटान और चौथी तरफ चीन जिस क्षेत्र मे विशेष से जुड़ा है उसे चिकन नेक के नाम से पहचाना जाता है। पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से उत्तर दिनाजपुर जिला और दार्जिजिंग जिला के साथ बिहार का किशनगंज जिला चिकेन नेक का हिस्सा माना जाता है। किशनगंज के पश्चिमोत्तर में नेपाल वहीं उत्तर दिनाजपुर के पूर्व में बांग्लादेश जुड़ा हुआ है। दार्जिलिंग और अलीपुरद्वार जिले के पूर्वोत्तर में भूटान स्थित है जिसके पास से ही चीन की सीमा शुरू होती है। रणनीतिक लिहाज से इस अति संवेदनशील जगह को चिकन नेक कहा जाता है। शेष भारत से उत्तर पूर्व भारत को जोड़ने के लिए यह इलाका अति महत्वपूर्ण है। सामरिक विशेषज्ञों

के मुताबिक चिकन नेक उस भौगोलिक क्षेत्र को कहते हैं जो किसी देश के लिए सामरिक रूप से तो अति महत्वपूर्ण होता है, लेकिन संरचना के आधार पर कमजोर होता है। यह गलियारा बांग्लादेश और नेपाल के बीच भारत की वह संकरी पट्टी है। जिसे सिलीगुड़ी कॉरीडोर भी कहा जाता है। लगभग दो सौ किलोमीटर लंबे इस गलियारे की चौड़ाई कहीं कहीं 17 किलोमीटर भी नहीं है। जिसके एक तरफ नेपाल व दूसरी तरफ बांग्लादेश है बीच में पश्चिम बंगाल का उत्तर दिनाजपुर व दार्जिलिंग जिला है। इसी गलियारे से भारत पूरे उत्तर पूर्वी भारत से जुड़ा हुआ है। गौर करे कि किशनगंज शहर जो पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने का महत्वपूर्ण केन्द्र है वहां से बांग्लादेश 22 तो नेपाल 35 किमी दूर है वही सिलीगुड़ी से यह दूरी और घट जाती है जहा से बंगलादेश 7 तो भूटान 55 और चीन का मोर्चा 155 किलोमीटर दूर है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर उत्तर की तरफ से चीन से घिरा है। ट्रेन, सडक के जाल से संपन्न यह इलाका चीन के किसी भी संभावित हमले में सैनिक साजो-सामान, रसद की आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस गलियारे की सीमाएँ नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से जुड़ी हैं, जबकि यह पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और तराई क्षेत्रों के माध्यम से पूर्वोत्तर को जोड़ता है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे चिकन नेक के नाम से भी जाना जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भूमि का केवल 17 किमी चौड़ा एक संकीर्ण खंड है, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र है। एसएसबी, बीएसएफ यहां तक कि असम राइफल्स भी इस गलियारे की सुरक्षा के लिए तैनात है। गौर करे कि सिलीगुड़ी गलियारा देश को पूर्वोतर भारत से जोड़ता है। एक महत्वपूर्ण सड़क और रेल नेटवर्क के जरिये यह गलियारा शेष भारत को पश्चिम बंगाल के जरिये आठ पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। औपनिवेशिक काल में बंगाल के विभाजन और 1971 के युद्ध के बाद से यह एक अतिसंवेदनशील क्षेत्र बन गया है जिसके कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ। रणनीतिक रूप से, चिकन नेक में रेल नेटवर्क ही भारतीय सशस्त्र बलों को एलएसी तक पहुंच प्रदान करते हैं।●

पॉजिटिव सिग्नल मिलने के बाद ही फ्लाईओवर पर फर्राटे से गाड़ियां दौरेगी

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज शहर के बीचोंबीच गुजर रही एनएच 27 पर नवनिर्मित फ्लाईओवर के सफर पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। इसके तैयार होने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि फ्लाईओवर पर फर्राटे से गाड़ियां दौड़ने लगेंगी। हाल ही में अगुवानी पुल ढहने के बाद से एनएचएआई अब कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। इस कारण वह हर पहलू की जांच के बाद ही फ्लाईओवर पर परिचालन शुरू कराएगी। फ्लाईओवर के निर्माण से जुड़े दस्तावेजों की जांच एनएचएआई की तकनीकी टीम से कराई जाएगी। विशेषज्ञों की टीम फ्लाईओवर में लगे पिलर, डिजाइन, फाउंडेशन, मैटेरियल, मिट्टी की जांच संबंधी दस्तावेज की जांच करेगी। इसके बाद तकनीकी टीम के पॉजिटिव सिग्नल मिलने के बाद ही पुल पर परिचालन शुरू कराया जाएगा। एनएचएआई के अधीन इस नवनिर्मित फ्लाईओवर की निर्माण एजेंसी भी एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन ही है। इसलिए सुरक्षा के दृष्टिकोण से इसकी हर तरह से जांच करवाई जा रही है। गौर करे कि पिछले जून माह में ही एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन द्वारा निर्माणाधीन अगुवानी घाट-सुल्तानगंज पुल ताश के पत्ते की तरह ढह गया था। पुल के चार फाउंडेशन व सब स्ट्रक्चर पूरी तरह गंगा में समा गये थे। पुल का एक हिस्सा पहले भी टूट कर गिरा था। इसके ढहने के बाद से ही एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। इसलिए एनएचएआई लोगों की सुरक्षा को लेकर अब कोई गलती नहीं दोहराना चाहती है। हर तरह से जांच-परख के बाद ही इस नव निर्मित फ्लाईओवर पर यातायात शुरू कराया जाएगा। गलगलिया-अररिया निर्माणाधीन फोरलेन सड़क पर गंभीरगढ़ के समीप बन रहा पुल का पाया धंस गया था। मामले की जांच करने 26 जून को दिल्ली से एनएचएआई के तकनीकी विशेषज्ञों की टीम वहां पहुंची थी। लौटने के बाद टीम ने किशनगंज में नवनिर्मित फ्लाईओवर की जांच की थी। तब टीम के विशेषज्ञ ने इस पर कुछ भी बोलने से परहेज किया था। जांच टीम के टेक्निकल एक्सपर्ट में टंडन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के एक्सपर्ट महेश टंडन, रिटायर्ड एडीजी नॉर्थ एनएचएआई आरके पांडेय, मेसर्स कंन्सट्रमा लिमिटेड के एच सुब्बाराव, एडीजी रिटायर्ड नॉर्थ एके श्रीवास्तव, एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड के वेंकटराम पीजी और रिटायर्ड प्रोजेक्ट टेक्निकल ऑफिसर ब्रिज सीआरआरआई एसके शर्मा शामिल थे। एनएचएआई द्वारा स्टेशन मालगोदाम के सामने से फरिंगोला एसएसबी कैंप के समीप तक निर्मित फ्लाईओवर का वर्ष 2018 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था। 2019 में इसके पूरा होने की तिथि रखी गयी थी। लेकिन कोरोना काल में लॉकडाउन से इसका काम प्रभावित रहा था। वर्ष 2023 के मई महीने में इसका काम पूर्ण हुआ है। वर्षों से लोग इस नवनिर्मित फ्लाईओवर पर सफर शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। 3.02 किमी लंबे इस फ्लाईओवर पर 129 करोड़ रुपए की लागत आई है। अभी शहर के बीच से गुजर रही एनएच 27 पर पहले से एक फ्लाईओवर बना है। उसपर दोनों ओर से गाड़ियों का परिचालन हो रहा है। जिस कारण अक्सर वाहन दुर्घटना या खराब होने से जाम की समस्या रहती है। इससे जाम भी लगता है। इस बाबत एनएचएआई के पूर्णिया डिवीजन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि किशनगंज स्थित एनएच 27 पर नवनिर्मित फ्लाईओवर पर यातायात शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है। अभी इस फ्लाईओवर से जुड़े तकनीकी दस्तावेजों की जांच के लिए तकनीकी विशेषज्ञ की टीम ने पुल निर्माण निगम से दस्तावेज मांगे हैं। टीम की जांच के बाद हरी झंडी मिलने पर ही यातायात शुरू हो पाएगा।●

डीएम की अध्यक्षता में वृहद परियोजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आहूत

● धर्मेन्द्र सिंह

जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला अंतर्गत भू अर्जन तथा वृहद परियोजनाओं की बैठक सभी हितधारकों के साथ 03 अगस्त को उनके कार्यालय कक्ष में आहूत की गई। बैठक में रेलवे की परियोजनाओं के लिए भू अर्जन से संबंधित विभिन्न चरणों के किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। बताया गया कि रेलवे की परियोजना जो अररिया से गलगलिया न्यू बी. जी. रेल लाइन के निर्माण के प्रथम और द्वितीय चरण का कार्य पूरा हो गया है और साथ ही तृतीय चरण का भी कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस रेल परियोजना के बीच में आने वाले सभी कार्य जल्द ही पूरे कर लिए जाएंगे। इस कार्य को पूरा करने पर अररिया से गलगलिया के बीच आने जाने वाले सभी लोगों को सुविधा प्रदान होगी। बैठक में एसएसबी बीओपी कैंप निर्माण परियोजनाओं के लिए भू अर्जन से संबंधित कार्यों पर विमर्श हुआ। 19वी बटालियन के बीओपी कैंप सालबर्डी (बारभांग) टोला के अंतर्गत वर्णित परियोजना अधिग्रहण की जा रही है, जिसमें कुल 4 एकड़ भूमि का दखल-कब्जा अधियाची विभाग को दिया जा चुका है। 12वीं बटालियन के बी. ओ.पी. कैंप कोढोबारी, दिघलबैंक में वर्णित परियोजना 3 एकड़ की भूमि का अधिघोषणा निर्गत किया जा चुका है। 12वीं बटालियन के बी. ओ.पी कैंप मंदिरटोला में वर्णित 3 एकड़ भूमि अर्जन की कार्रवाई कि जा रही है। 19वीं बटालियन के बी.ओ.पी कैंप बिहारीटोला दिघलबैंक में वर्णित 4 एकड़ भूमि अर्जन के लिए कार्रवाई की जा रही है। भारत-नेपाल सीमा सड़क निर्माण परियोजना के लिए भू अर्जन का भी काम चल रहा है, जिसमें से वर्णित परियोजना अंतर्गत ठाकुरगंज, दिघलबैंक, टेढ़ागाछ अंचल के कुल 75 प्रस्तावों का अधिग्रहण कर कुल लगभग 400 एकड़ भूमि की अधियाचना विभाग को दिया जा चुका है। वही NH Act 1956 के अधीन की जा रही भू-अर्जन जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। एनएच फोरलेन चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य परियोजना चल रहा है, जो 327 E के तहत गलगलिया से बहादुरगंज तक के 49 किलोमीटर तथा मेजर डिस्ट्रिक्ट ग्रीन फील्ड रोड के तहत किशनगंज से बहादुरगंज तक के लगभग 22 किलोमीटर का फोरलेन का चौड़ीकरण जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। राजकीय उच्च पथ (एसएच) 99 (बयासी-बहादुरगंज- दिघलबैंक पथ) परियोजना के लिए भू अर्जन को जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। इस भू अर्जन में कुल 11 मौजा का कार्य जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। महानंदा नदी पर तटबंध निर्माण परियोजना के लिए भू- अर्जन को जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। इस परियोजना में किशनगंज जिला अंतर्गत महानंदा बेसिन, सवबेसिन अंतर्गत निर्माण हेतु भू अर्जन के अंतर्गत रतवा नदी पर दाया-बाया तटबंध, कुट्टी घाट से बागडोब महानंदा बाया तटबंध और कुट्टी घाट से झाओआ महानंदा दाया तटबंध के कुल मिलाकर लगभग 50 मौजा का कार्य जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, अन्य वृहत परियोजना के लिए भू अर्जन को जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया, जिसमें ऑयल इंडिया लिमिटेड के पाइप लाइन तथा बहादुरगंज- टेढ़ागाछ पथ के 21वे किलोमीटर पर मौजा मटिआरी में आर.सी. सी कुल एवं पहुंच पथ का निर्माण जल्द ही पूरा करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में जिला भू अर्जन पदाधिकारी, संबंधित विभाग के पदाधिकारी, अभियंता उपस्थित रहे। ●

मकान खाली कराने को लेकर डीएम से लगायी न्याय की गुहार

● धर्मेन्द्र सिंह

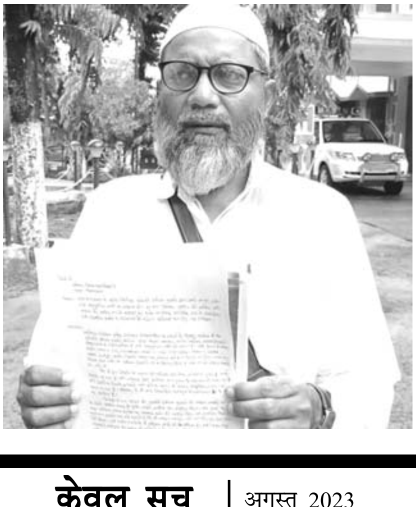

समाहरणालय की एक कर्मी अनिता कुमारी पर मकान का किराया नहीं देने व मकान खाली नहीं करने का आरोप लगा है। मामले में लाइन मस्जिद रोड निवासी मो. अली जहांगीर ने शुक्रवार को डीएम श्रीकांत शास्त्री व एसडीएम अमिताभ कुमार गुप्ता को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है। इधर आवेदन मिलने के बाद एसडीएम ने मामले की जांच का आदेश सीओ समीर कुमार को दिया है। एसडीएम अमिताभ कुमार गुप्ता ने कहा कि मामले में आवेदन मिला है। सदर अंचल के सीओ व थानाध्यक्ष को जांच का आदेश दिया गया है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिए गए आवेदन के अनुसार समाहरणालय कर्मी को वर्ष 2015 में मकान किराये पर दिया गया था। लेकिन मकान को खाली नहीं किया जा रहा है। किराया भी नहीं दिया जा रहा है। जिसके कारण मानसिक तनाव है। दिए गए आवेदन के अनुसार कुछ दिनों से बीमार भी चल रहे है। उनका इलाज भी चल रहा है। पीड़ित एक वित्त रहित कॉलेज में लेक्चरर है।●

विधायक इजहार अस्फी के बेटे गुड्डू अस्फी पर मुकदमा दर्ज

● धर्मेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय जनता दल के विधायक के बेटे पर रंगदारी मांगने और मारपीट करने का आरोप लगा है। यह आरोप कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र के विधायक इजहार अस्फी के बेटे गुड्डू अस्फी पर एक ठेकेदार ने लगाया है और इस संबंध में पीड़ित ठेकेदार नौशाद आलम ने थाने में लिखित शिकायत की है। मारपीट का एक वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं विधायक के बेटे ने ठेकेदार के आरोप को एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। पीड़ित ठेकेदार नौशाद आलम ने कोचाधामन थाने में लिखित शिकायत में कहा कि बरबट्टा बाजार में नाले के निर्माण उनके द्वारा कराया जा रहा है। काम के दौरान ही विधायक के बेटे गुड्डू अस्फी वहां पहुंचे और काम में गड़बड़ी की बात कहते हुए 5 लाख रंगदारी की मांग की और काम बंद करने की धमकी दी। जब उन्होने विधायक के बेटे के इस व्यवहार पर आपत्ति जताई तो उन्होने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। बीच-बचाव करने आए मजूदरों के साथ भी मारपीट की गई है। वहीं ठेकेदार से रंगदारी मांगने और मारपीट की घटना से विधायक के बेटे ने इंकार किया गया है और राजनीतिक साजिश के तहत वीडियो को वायरल करने का आरोप लगाया है। वहीं लिखित शिकायत के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है पर अभी तक किसी तरह का कदम नहीं उठाई है। इस संबंध में कोचाधामन थानाध्यक्ष आरिज एहकाम ने कहा कि पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच में जुट गई है। समुचित छानबीन के बाद दोषी पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ●

जमीन विवाद में भाजपा के पूर्व विधायक का व्यवसायी से तकरार

● धर्मेन्द्र सिंह

सदर थाना क्षेत्र के पूरब पाली में जमीन विवाद को लेकर भाजपा के पूर्व विधायक सिकंदर सिंह और एक व्यापारी ने मनीष बागरेचा के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। दोनों ने एक दूसरे पर जमीन कब्जाने, जानलेवा हमला करने के आरोप लगाये हैं। सिकंदर सिंह ने मनीष बागरेचा पर दर्जनों गुंडों के साथ उनपर जानलेवा हमला करने और लाइसेंसी पिस्तौल छीनने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि कलटैक्स चौक के पास व्यवसायी मनीष बागरेचा ने उनकी गाड़ी रोककर उनसे गाली-गलौज और धक्का मुक्की की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि उनकी खरीदी जमीन को मनीष और उसके लोग खाली नहीं कर रहे हैं और खाली करने के नाम पर दो करोड़ रुपये की मांग की जा रही है। सिकंदर सिंह ने कहा, मेडिकल कॉलेज से हमलोग एक बीमार को देख कर लौट रहे थे। हमारे साथ गणेश झा और सुनील तिवारी थे। लेकिन, साथ में कोई सिक्योरिटी नहीं थी। वहां से वे लोग गाली-गलौज करते हुए निकले और जान से मारने की बात कही। फिर वह आया तो हम बोले कि क्या बात है, तो बोला कि जमीन काहे खरीद लिए हो ? हमने कहा कि यह कोर्ट से फैसला होगा। कोर्ट जिसको फैसला देगा, वह जमीन पर रहेगा। उसी में हाथापाई करने लगा। मुझे धक्का दिया। मेरा चेन खींच लिया और कहा कि यह जमीन तब तक खाली नहीं होगी, जब तक 2 करोड़ रुपये नहीं दोगे। उसने यह भी कहा कि जो जमीन पर चढ़ेगा, उसका पैर-हाथ काट देंगे। अब वे लोग रंगदारी मांग रहे हैं। हमने थाने में लिखित शिकायत दी है और हम चाहते हैं कि प्रशासन इसकी न्यायिक जांच करे। जिसकी जमीन है उसको दे दे। आगे भी मुझपर हमला हो सकता है, क्योंकि हम सिक्योरिटी लेकर नहीं चलते, सिकंदर सिंह ने कहा। वहीं, व्यवसायी मनीष बागरेचा के भाई निखिल बागरेचा ने पूर्व विधायक पर दबंगई करने और उनके चेहरे पर बंदूक के कुंदे से मारने का आरोप लगाया है। निखिल ने कहा कि भाजपा के पूर्व विधायक सिकंदर सिंह, बजरंग दल के गणेश झा और सुनील तिवारी के साथ उनके पास आकर उन्हें मारने पीटने की धमकी देने लगे। जमीन खाली करने के लिए 2 करोड़ रुपये मांगने के आरोप को मनीष ने खारिज करते हुए कहा कि ये सब फर्जी आरोप लगाए जा रहे हैं। निखिल ने कहा कि हमारी अपनी जमीन है, अपनी संपत्ति है। उन्हें आना है, तो कोर्ट के द्वारा आएं। हम अभी थाने आए हैं सिकंदर सिंह और उनके रक्षकों के खिलाफ शिकायत करने। उन्होंने मुझ पर जानलेवा हमला किया और बोले कि गोली मार देंगे। सुनील तिवारी द्वारा लंबे वाले बन्दूक के पीछे वाली लकड़ी से मुझे मारा गया। मेरी आँख में चोट आई है। हमारी 86 डिसमिल जमीन है, सिकंदर सिंह ने किसी फर्जीवाड़े से जमीन खरीदी है। हमने किसी को जमीन नहीं बेची। हमारे पास जमीन का केवाला है और अब जो होगा वह कोर्ट के द्वारा होगा। सदर थाने के पुलिस ने कहा कि इस जमीन विवाद में पूर्व विधायक सिकंदर सिंह और मनीष बागरेचा, दोनों ने आवेदन दिया है। दोनों पक्षों को नोटिस दिया गया है। शनिवार को अंचलाधिकारी के सामने जनता दरबार में उपस्थित होकर दोनों अपने अपने कागजात पेश करेंगे। दोनों पक्षों द्वारा मारपीट और दबंगई के आरोप के बारे में [illegible] ने कहा कि इस मामले की लिखित शिकायत मिली है, इसकी जांच की जा रही है। ●

युवाओं को बर्बाद कर रहा लॉटरी का खेल

● धर्मेन्द्र सिंह

ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बशीर नगर में चल रहे लॉटरी के खेल का खुलासा उस वक्त हुआ जब एक व्यक्ति ने लॉटरी का टिकट बेचने निकला और एक दुकान पर खुलेआम लॉटरी का टिकट बेचा और धंधे से जुड़े कई लोगों के नाम का भी खुलासा किया। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र से आए दिन अवैध लॉटरी बेचे जाने की सूचना मिल रही थी जिसके बाद लॉटरी के धंधे का खुलासा करने के लिए स्ट्रिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस स्ट्रिंग ऑपरेशन के दौरान बेचने वाले और इस

धंधे में शामिल कई लोगों के नामों का खुलासा हुआ। गौर करे कि लॉटरी का धंधा कर रहे कई माफिया करोड़ों रुपए अपनी जेब में डाल रहे हैं और इसके अलावा युवाओं को लत लगा रहे हैं जिससे युवाओं के घर परिवार बर्बाद हो रहे हैं अमीर बनाने का ख्वाब दिखाकर और जल्द ही तरक्की पाने की राह बताकर यह लॉटरी माफिया युवाओं को टारगेट करते हैं और उन युवाओं को टारगेट करते हैं जो बिजनेस से जुड़े हुए हैं ताकि लॉटरी का टिकट बेचकर उनसे मोटी रकम वसूली की जा सके और मोटी रकम में लॉटरी का टिकट बेचा जा सके और इसके शिकार कई युवा हो चुके हैं जो प्रतिदिन हजारों रुपए की लॉटरी खरीदते हैं और अमीर बनने का ख्वाब देख रहे हैं। वही मंगलवार को रेलवे स्टेशन के दीवार के पास अवैध लॉटरी के टिकट का बंडल गिरा हुआ पाया गया। गौरतलब हो कि बिहार में लॉटरी टिकट खरीद बिक्री पर प्रतिबंध है इसके बावजूद भी लॉटरी माफिया अपनी तरह-तरह की तरकीब लगाकर अवैध लॉटरी के धंधे को ठाकुरगंज में

बंद नहीं हुआ लॉटरी का कारोबार

ठाकुरगंज शहर में रेलवे स्टेशन के दीवार के पास अवैध लॉटरी के टिकट का बंडल गिरा हुआ पाया गया। गौरतलब हो कि बिहार में लॉटरी टिकट खरीद बिक्री पर प्रतिबंध है इसके बावजूद भी लॉटरी माफिया अपनी तरह-तरह की तरकीब लगाकर अवैध लॉटरी के धंधे को ठाकुरगंज में बढ़ावा दे रहे हैं और बिजनेसमैन युवाओं को टारगेट कर उन्हें कम समय में अमीर बनाने का झांसा देकर लॉटरी टिकट बेचकर मोटी रकम की वसूली कर रहे हैं। ऐसा ही एक नजारा ठाकुरगंज रेलवे स्टेशन की दीवार के पास देखने को मिला जहां पर अवैध लॉटरी के बंडल गिरे हुए पाए गए, इससे यह अनुमानित होता है कि खुलेआम ठाकुरगंज में अवैध लॉटरी का कारोबार चल रहा है। तभी तो लॉटरी टिकट का यह बंडल गिरा हुआ पाया गया। स्थानीय प्रशासन को अवैध लॉटरी के कारोबार पर लगाम लगाने की जरूरत है जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद ना हो। लॉटरी टिकट का लत भी शराब की लत के तरह है। अगर किसी को एक बार लत लग जाती है तो फिर लॉटरी टिकट खरीदने के चक्कर में और अमीर बनने के ख्वाब देख रहे लोग अपने कई चीजों को बेच देते हैं और यहां तक की चोरी की घटना को भी अंजाम देने लगते हैं।

लॉटरी टिकट के डिलीवरी वॉय जो लोगों तक लॉटरी टिकट पहुंचाने का काम करते हैं वह लोग युवाओं को रिझाकर उनकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर रहे हैं। गौरतलब हो कि बीते दिनों भी रिपोर्टर द्वारा स्टिंग ऑपरेशन चलाकर लॉटरी टिकट के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया गया इसके बावजूद भी अब तक प्रशासन द्वारा कोई उचित कार्यवाही नजर नहीं आ रही है। आखिर इतने बड़े पैमाने पर अवैध लॉटरी टिकट का यह कारोबार कैसे चल रहा है कहीं किसी बड़े आदमी के संरक्षण का तो कमाल नहीं? यह तो एक जांच का विषय है। लॉटरी माफियाओं के संपत्ति की भी जांच होनी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि आखिर उन्होंने अवैध तरीके से कितने रुपए कमाए हैं।

बढ़ावा दे रहे हैं और बिजनेसमैन युवाओं को टारगेट कर उन्हें कम समय में अमीर बनाने का झांसा देकर लॉटरी टिकट बेचकर मोटी रकम की वसूली कर रहे हैं। वही मंगलवार को ठाकुरगंज के पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल ने कहा कि अमीर बनने का ख्वाब दिखाकर लौटरी माफिया गरीबो का खुन चूस रहे है। पुलिस प्रसाशन से आग्रह है कि इन लॉटरी माफिया पर कर्रवाई करे। हलाकि बीते दिनों लॉटरी विक्रेता पर पुलिस द्वारा कार्रवाई कि गई थी जिसमे दो तीन गिरफ्तारिया भी हुई थी। पर जेल से निकलने के बाद ये लोग फिर से लॉटरी के धंधे मे उतर जाते है जिससे क्षेत्र के गरीबो और युवाओ को अमीर बनने का ख्वाब दिखाकर लॉटरी टिकट बेचकर मोटी रकम की वसूली कर रहे हैं।●

राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का हस्ताक्षर अभियान

● **धर्मेन्द्र सिंह**

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बिहार में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ 31 जुलाई को हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। गौर करे कि शहर के महावीर मार्ग रोड गुरुद्वारा गली के सामने बिहार में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती में अराजकता सहित अन्य मुद्दों को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाकर कार्यकर्ताओ ने विरोध दर्ज किया है। भाजपा नेताओं ने कहा की महिलाओं, छात्र युवाओं सहित आम जनता पर अत्याचार व लाठीचार्ज तथा 10 लाख सरकारी नोकरी देने के झूठे वादे के विरुद्ध, भ्रष्ट एवं दमनकारी चाचा भतीजे की सरकार के विरोध में एवं विधानसभा मार्च के दौरान हुए लाठीचार्ज एवं हत्या के विरोध स्वरूप हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक की अगुआई में कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप के द्वारा हस्ताक्षर कर किया गया। जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक ने

बताया की हस्ताक्षर अभियान मे सैकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर किया। हस्ताक्षर की कॉपी राज्यपाल को सुपूर्द किया जाएगा। हस्ताक्षर अभियान के दौरान गोप ने कार्यकर्ता और आम जनों को संबोधित करते हुए कहा की नीतीश कुमार के भ्रष्टाचार व ठग बंधन की सरकार बिहार में हत्या अपरहण और दमनकारी नीति चलाकर बिहार के जनमानस के साथ खिलवाड़ करने का काम कर रही है। गोप ने कहा की जंगलराज की वापसी एवं बिहार के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया जा रहा है जहां शासन प्रशासन के बीच समन्वय नहीं है, वही विरोध करने वाले चाहे शिक्षक हो छात्र हो या सामान्य जनता हो गोली का शिकार हो रहे हैं। हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में जिला महामंत्री मनीष सिंहा, उपाध्यक्ष हरि अग्रवाल, नगर अध्यक्ष सुबोध महेश्वरी, अरविंद मंडल, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष शिवम शाह, आईटी सेल संयोजक कौशल आनंद, नगर अध्यक्ष विश्वजीत शाह, जिला कोषाध्यक्ष राहुल शाह, विशाल कुमार, शुभम सिंह, जयदीप राज एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।●

आभूषण सहित अन्य चोरी मामले में एसआईटी ने किया उद्भेदन

● **धर्मेन्द्र सिंह**

20 जुलाई को गाछपारा में सात घरों में हुई चोरी के मामले का एसआईटी ने उद्भेदन कर लिया है। मामले में एसआईटी ने चार आरोपियों को 2 लाख 90 हजार रुपये चोरी के आभूषण व चार मोबाइल के साथ मंगलवार की शाम को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी जुनैद बगड़ा बस्ती तुलसिया, दिघलबैंक, मो. अजमल फुलवन तुलसिया बहादुरगंज, विश्वजीत कर्मकार व रविशंकर कर्मकार माल टोली दिघलबैंक का रहने वाला है। एसपी डा. इनाम उल हक मेगनु ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि तीन दिन पूर्व शहर व प्रखंड के कुछ स्थानों में चोरी की घटना घटी थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए एसआईटी गठित किया गया। इसके बाद टीम के द्वारा सभी आरोपियों को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।एसआईटी ने सबसे पहले आरोपी जुनैद को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले जुनैद से पूछताछ

की। पकड़े गए आरोपी जुनैद की निशानदेही पर अजमल को पकड़ा गया। अजमल श्रावणी मेला से वापस लौट रहा था। वह कांवरिया के वेश में था। उसे रामपुर चेक पोस्ट से कांवरिया के वेश में पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपी जुनैद का आपराधिक इतिहास है। वह पूर्व में भी जेल जा चुका है। बदमाशों के पास से पुलिस ने 1 लाख 80 हजार रुपये मूल्य का कान का छह सोने का झुमका, एक सोना का 80 हजार रुपये मूल्य का आभूषण, 60 हजार रुपये मूल्य का एक सोने का लॉकेट, एक कान का बाली, तीन टॉप्स, चांदी का पायल, कान का तीन टॉप्स, चांदी का पायल, व अन्य आभूषण, चार मोबाइल व उजले रंग का पिकअप वाहन बरामद किया गया। वही टीम में एसडीपीओ गौतम कुमार, सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, अवर निरीक्षक तरुण कुमार तरूणेश, शिव कुमार प्रसाद, अवर निरीक्षक कुणाल कुमार, प्रशिक्षु अवर निरीक्षक राकेश कुमार, रवि शंकर कुमार, अंकित कुमार, सुरज कुमार, सहायक अवर निरीक्षक संजय कुमार यादव, तकनीकी सेल के मनीष कुमार व इरफान हुसैन शामिल थे।●

पूर्व मुख्यमंत्री मांझी के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के खिलाफ किशनगंज व्यवहार न्यायालय में गुरुवार को परिवाद दायर किया गया है। साथ ही शेरशाह वादी समुदाय के एक शिष्टमंडल ने डीएम श्रीकांत शास्त्री को ज्ञापन सौंप कर पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दरअसल बीते दिनों दो दिवसीय दौरे पर किशनगंज पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री ने शेरशाह वादी समुदाय को लेकर यह एक बयान दिया था की शेरशाह वादी समुदाय के लोग किशनगंज में जबरन एससी/एसटी की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। जिसके बाद से ही शेरशाह वादी समुदाय के लोगो में आक्रोश व्याप्त था और आज व्यवहार न्यायालय में जहा परिवाद दायर किया गया वही डीएम को भी ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। एसोसिएशन के नेता अब्दुर रहमान ने कहा की जीतन राम मांझी ने हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य किया है और सख्त कार्रवाई

की जानी चाहिए। वही उन्होंने स्थानीय सांसद और विधायक को भी आड़े हाथों लिया है। अब्दुल रहमान ने कहा की हम लोग मेहनत कस लोग है और इस तरह का बयान देना अशोभनीय है। उन्होंने कहा की हमारी मांग है की जीतन राम मांझी को गिरफ्तार किया जाए। अधिवक्ता मो. नुरुल हुदा ने कहा की शेरशाह वादी ऑल एसोसिएशन के सचिव की ओर से नालिसी वाद दायर किया गया है। उन्होंने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और जिलाध्यक्ष डा. शाहजहा के खिलाफ धारा 295ए,153ए एवं 500 डिफॉर्मेशन के तहत वाद दायर किया गया है।●

घटिया सामग्री से हो रहा विद्युत शवदाह गृह का निर्माण

● धर्मेन्द्र सिंह

नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत पूरब पाली रोड स्थित गौशाला की भूमि पर शमशान घाट है, जहां विद्युत शवदाह गृह का निर्माण घास व मिट्टी वाली गड्ढे की बालू एवं घटिया सामग्री से किया जा रहा है। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सह समाज सेवी कुमार विशाल उर्फ डब्बा ने यह जानकारी गुरुवार को दी। जानकारी के मुताबिक शवदाह गृह का निर्माण कार्य में गड्ढे की बालू से किया जा रहा है। बालू में घास व मिट्टी मिली हुई है। किशनगंज में बनी दो नंबर की सरिया, दो नंबर का सीमेंट से कार्य कराया जा रहा है। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि कुमार विशाल उर्फ डब्बा ने वीडियो क्लीपिंग उपलब्ध कराते हुए कहा कि निर्माण कार्य में प्रशासनिक अधिकारी की मिलीभगत से नाकारा नहीं जा सकता। शवदाह गृह कार्य में रुपए का बंदरबांट किया जा रहा है। पूरे कार्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर कहा कि मानक के अनुसार सामग्री नहीं लगाई जा रही है। वही संवेदक वसी रजा से फोन पर संपर्क करने पर आरोप को स्वीकार करते हुए कहा गया कि घटिया बालू सामग्री से कार्य की जानकारी मिलते ही कार्य को बंद करा दिया गया है। सामग्री की

जांच उपरांत कार्य शुरू कराया जाएगा। गौर करे कि विद्युत शवदाह गृह योजना बिहार सरकार के मुख्य सचेतक विधान परिषद सह भाजपा प्रदेश सिक्किम प्रभारी डा. दिलीप कुमार जायसवाल के प्रयास से स्वीकृत हुआ है। इसकी प्राक्कलित राशि चार करोड़ 65 लाख 39 हजार 754 रुपये है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार स्वीकृत राशि से एक विद्युत शवदाह और दो परंपरागत शवदाह गृह का निर्माण किया जाना है। शवदाह गृह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। सूत्रों ने बताया कि शौचालय व स्नानघर भी बनेगा। कार्य बुडको द्वारा करवाया जा रहा है। ऐसे कार्य में ठेकेदार और विभागीय अभियंता के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी कठघरे में हैं।●

के.बी.जी. हेल्थ केयर में प्रशासन ने मारा छापा

● धर्मेन्द्र सिंह

सदर थाना क्षेत्र के फरिंगगोला स्थित के.बी.जी. हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड हुआ सोमवार को जिला प्रशासन की टीम द्वारा छापेमारी की गई। सीओ समीर कुमार एवं अन्य अधिकारियो ने पूरे दल बल के साथ के.बी.जी. हेल्थ केयर में दबिश दिया, जहा अधिकारियो के द्वारा बारीकी से विभिन्न बिंदुओं की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान नर्सिंग होम में एक भी चिकित्सक और ट्रेंड स्टाफ नही मिले। नर्सिंग होम में कई मरीज भर्ती थे लेकिन एक भी ट्रेंड कर्मी मौजूद नहीं देख अधिकारी भी आश्चर्य चकित हो गए की किस तरह मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। नर्सिंग होम में मौजूद कर्मी मो. इरशाद ने कहा की चिकित्सक लंच करने गए है। के.बी.जी. हेल्थ केयर द्वारा कोलकाता से लेकर गुवाहाटी तक कई नर्सिंग होम का संचालन किया जा रहा है। छापेमारी टीम में शामिल डा. इनामुल हक ने कहा की भगवान भरोसे ही यहां मरीज भर्ती है। डा. हक ने कहा की नर्सिंग स्टाफ एक भी ट्रेंड नही मिला और न ही मरीजों के लिए जो इंतजाम होना चाहिए वो है। उन्होंने बताया की साफ सफाई की व्यवस्था सहित अन्य कई खामियां है। उन्होंने कहा की संचालक से आवश्यक कागजात मांगा गया है। वही अंचलाधि कारी समीर कुमार ने कहा की डीएम के निर्देश के आलोक में छापेमारी की गई है और काफी अनियमितता पाई गई है। उन्होंने कहा की जांच रिपोर्ट सौंपा जाएगा और विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। जिले में छुटभैये नेता के साथ साथ एंबुलेंस चालक तक नर्सिंग होम खोल कर बैठे हैं जहा आए दिन लापरवाही से मौत के मामले सामने आते रहते है ऐसे में जरूरत है जिले में संचालित तमाम नर्सिंग होम के जांच किए जाने की ताकि मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ को रोका जा सके।●

परिवहन विभाग के आंखों पर बंधी हुई पट्टी

नहीं थम रहा ओवरलोड ट्रकों का परिचालन

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर ओवरलोड वाहनों का परिचालन थमने का नाम नहीं ले रहा। एंट्री माफिया के गुर्गे जगह जगह सक्रिय होकर बिना किसी डर के कानून और नियमों को ताक पर रखते हुए ओवरलोड वाहनों का परिचालन धड़ल्ले से करवा रहे हैं और सरकारी राजस्व को क्षति पहुंचाकर अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। अहले सुबह से ही ओवरलोड डंपर का परिचालन शुरू हो जाता है जिसे ना कोई रोकने वाला है ना कोई टोकने वाला है। हैरानी की बात तो यह है कि इतने लंबे रूट पर ओवरलोड वाहनों का परिचालन हों रहा है और परिवहन विभाग के आंखों पर पट्टी बंधी हुई है। ओवरलोड वाहनों में अब उच्चस्तरीय जांच से ही पता चल सकेगा कि एंट्री माफिया किनके बलबूते दिन दहारे नियम कानून की धज्जिया उड़ाए हुए है। यह इंट्री के खेल के पीछे किन अधिकारी पदाधिकारी का हाथ है जिले के लोग जानना चाह रहे है। गौर करे कि पिछले चार माह से इंट्री का खेल का खबर प्रकाशित किया जा रहा है किन्तु कार्रवाई और दिशा निर्देश तथा कागजो मे सिमट कर रह गई। जिले के सड़को पर नियम कानून कि धज्जिया उड़ाते हुए इंट्री माफिया रोज सरकार के राजस्व के साथ खिलवाड़ कर रहे और संबंधित विभाग हाथ पर हाथ दिये बैठा है। या यु कहे कि दाल मे काला है या पुरी कि पुरी दाल काला है। ये ओवर लोड का मामला किशनगंज जिले मे गुप्त रूप से उच्चस्तरीय जाँच का बिषय है कि अधिकारी ओवर लोड वाहनों पर कार्रवाई करने से क्यों कतराते है।●

करोड़ों रूपयों के खर्च से पुनर्निमाण होगा रेलवे स्टेशन

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज रेलवे स्टेशन की सूरत बदलने वाली है। जल्द ही किशनगंज रेलवे स्टेशन देश के बड़े महानगरों जैसे रेलवे स्टेशन में सुमार होगा। इसके लिए अमृत भारत योजना के तहत बिहार के 40 स्टेशनों का चयन किया गया है। इनमें किशनगंज रेलवे स्टेशन भी शामिल है। किशनगंज रेलवे स्टेशन को विशेष सुविधा मिलेगी। अमृत भारत स्टेशन के तहत 42 करोड़ की लागत से किशनगंज रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण होगा। उक्त स्टेशन के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य किये जाएंगे। 6 अगस्त को किशनगंज रेलवे स्टेशन में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी दिन प्रधानमंत्री व रेलमंत्री के द्वारा हरि झंडी दी जाएगी। इसके तहत किशनगंज रेलवे स्टेशन के बाहरी ढांचे को बदला जाएगा। जिसे और भी बेहतर बनाते हुए स्टेशन के स्वरूप को बदला जाएगा। इसके लिए 6 अगस्त के बाद से निर्माण कार्य भी शुरू हो सकता है। स्टेशन में बुनियादी व यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। जिसमें आधुनिक तकनीक से लैश उपकरण लगवाए जाएंगे, पुराने भवनों का जरूरत के हिसाब से फिर से निर्माण करवाया जाएगा। जरूरत के

हिसाब से यात्री सुविधाएं उपलब्ध करवायी जाएगी। पूरे प्लेटफार्म में शेड लगवाए जाएंगे। वेटिंग रूम का डेवलपमेंट किया जाएगा। गौर करे कि अमृत भारत योजना के तहत किशनगंज रेलवे स्टेशन में कई नई सुविधाएं मिलेंगी जो पहले नहीं थी। यहां 12 मीटर का फुट ओवर ब्रिज का निर्माण होगा स्टेशन का आधुनिक सौंदर्यीकरण लाइट के साथ किया जाएगा। ऑटो व अन्य वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग बनवायी जाएगी। इसके अलावे स्टेशन परिसर में ही स्टेशन के मुख्य द्वार के बाहर रेलवे के कोच में रेस्टुरेंट खोले जाने की भी योजना है। स्टेशन की सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। इंट्री व एग्जिट पॉइंट को भी दुरुस्त किया जाएगा। स्टेशन के पुनर्निर्माण से सम्बंधित कार्य अगले वित्त वर्ष तक पूरा होने की उम्मीद है। किशनगंज रेलवे स्टेशन बिहार का एकलौता ऐसा स्टेशन है जहां से पूर्वोत्तर भारत के लिए कई गाड़ियों का परिचालन होता है। स्टेशन विकसित होने से किशनगंज रेलवे स्टेशन भी देश के बड़े नगरों जैसे स्टेशन में सुमार हो जाएगा। कटिहार रेल मंडल के एडीआरएम विजय कुमार चौधरी ने बताया कि अमृत भारत योजना में किशनगंज रेलवे स्टेशन को भी शामिल किया गया है। स्टेशन में बुनियादी व यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। पुनर्निमाण कार्य शीघ ही शुरू हो जाएगा।●

प्रख्यात शिक्षाविद् पुरस्कार से शिफा सैयद हफीज को किया जायेगा सम्मानित

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला के प्रसिद्ध इंसान स्कूल के प्रबंधक, शिफा सैयद हफीज को इंटेलेक्चुअल पीपुल्स फाउंडेशन द्वारा प्रख्यात शिक्षाविद पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में उनके प्रयासों के सम्मान में दिया जाएगा। इंटेलेक्चुअल पीपुल्स फाउंडेशन (आई.पी.एफ.) एक फाउंडेशन है जो पूरे देश से सराहनीय उपलब्धियों को बढ़ावा देता है और प्रोत्साहित करता है। फाउंडेशन भारत में आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर सामाजिक जिम्मेदार व्यावसायिक अभ्यास और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए अक्सर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह और शिखर सम्मेलन का आयोजन करता है। शिफा सैयद हफीज को पूर्व में ग्लोरी ऑफ इंडिया सम्मान, बेस्ट एडुकेशनिष्ट् इन बिहार, नेल्सन मंडेला वर्ल्ड पीस अवार्ड, एडुकेशनिष्ट् ऑफ द ईयर इन बिहार, नेशनल अचीवमेंट अवार्ड इन एडुकेशं एक्सीलेंस, रानी दुर्गावती सम्मान, सोशल इम्पैक्ट अवार्ड, ह्युमन राइट्स एडुकेशं अवार्ड, गायत्री परिवार सम्मान, सरदार वल्लभ भाई पटेल सम्मान, स्वामी विवेकानंद सम्मान, भारत विभूषण पुरस्कार, आदि विभिन्न पुरुस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। आईपीएफ सोमवार 31 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में 'आर्थिक और सामाजिक

विकास के लिए व्यक्तिगत योगदान' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। पुरस्कार समारोह में समाज और राष्ट्र के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए बहुत कम लोगों और संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। पहले की तरह, पुरस्कार समारोह का भी उद्घाटन और अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री, कॉर्पोरेट निर्देशक नौकरशाहों अन्य प्रमुख लोगों आदि द्वारा की जाएगी। पिछले सेमिनार को सुजाता कोइराला (पूर्व उप प्रधान मंत्री) द्वारा सम्मानित किया गया था। और नेपाल के वर्तमान विदेश मंत्री) राजदूत डा. वी.बी.सोनी (भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त पूर्व राजनयिक/राजदूत), रीता बहुगुणा जोशी (संसद सदस्य, लोकसभा, उत्तर प्रदेश), मनोज तिवारी (संसद सदस्य और दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष), श्याम जाजू (भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), राजेंद्र पाल गौतम (कैबिनेट मंत्री, समाज कल्याण मंत्रालय, दिल्ली सरकार), तीरथ सिंह रावत (मैं) संसद सदस्य, लोक सभा, उत्तराखंड), श्रीराम निवास गोयल अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा, डा. जितेंद्र सिंह शंटी पद्मश्री पुरस्कार विजेता, शहीद भगत सिंह सेवा दल के अध्यक्ष, विनय दीनू तेंदुलकर राज्यसभा गोवा के सदस्य, बरखा शुक्ला सिंह, पूर्व अध्यक्ष, दिल्ली महिला आयोग और महिला अधिकार कार्यकर्ता, अलका लांबा एमएलए दिल्ली विधान सभा और अन्य प्रमुख राष्ट्रीय नेता ने अपनी उपस्थिती से शोभित किया। इंटेलेक्चुअल पीपुल्स फाउंडेशन ने अपने पत्र में लिखा है कि हमें आपको सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि आप का नाम राष्ट्रीय स्तर पर आपके क्षेत्र में आपके योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित प्रख्यात शिक्षाविद् पुरस्कार के लिए चुना गया है। अनुसंधान समिति और सलाहकार बोर्ड द्वारा चयनित लोगों और संगठन को उनकी उत्कृष्टता और भारतीय शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए सम्मानित किया जाएगा।●

कई काण्डों का भोजपुर पुलिस ने किया उद्भेदन

● गुड्डू कुमार सिंह

दिनांक 01.08.2023 को समय करीब 01:10 बजे रात्रि में अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना मिली कि गजराजगंज ओ०पी० अन्तर्गत आनन्द सिंह उर्फ शुक्ल सिंह, पे०-उपेन्द्र सिंह, सा०-मसाढ़, थाना-गजराजगंज ओ०पी०, जिला-भोजपुर के मसाढ़ स्थित घर में गांजा जैसा मादक पदार्थ रखा हुआ हैं। उक्त सूचना का सत्यापन, गांजा की बरामदगी एवं गांजा की तस्करी करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अद्योहस्ताक्षरी द्वारा सहायक पुलिस अधीक्षक-सह- अनु०पु०पदा० सदर आरा के नेतृत्व में ओ०पी० अध्यक्ष गजराजगंज ओ०पी० एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया हैं। गठित टीम के द्वारा आनन्द सिंह उर्फ शुक्ल सिंह के घर पर रेड/छापामारी कर 30 कि०ग्रा० गांजा के साथ 02 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई हैं। इस संबंध में गजराजगंज ओ०पी० काण्ड सं0-330/2023, दिनांक- 01.08.2023, धारा-20 (इ)(ii)(ब)/29 NDPS Act-दर्ज किया गया हैं।

☞ **भोजपुर जिला के चांदी थानान्तर्गत हत्या कांड में संलिप्त 01 अपराधकर्मी गिरफ्तार :-** दिनांक 01.05.2023 को चांदी थानान्तर्गत ग्राम भदवर में वादी आनन्द कुमार, पे० - श्री नारायण राय, सा० भदवर, थाना-चांदी, जिला-भोजपुर का पुत्र आर्यन कुमार अपने गाँव में धर्मेन्द्र कुमार के पुत्र गुड्डु कुमार, सा० भदवर, थाना-चांदी, जिला-भोजपुर के तिलक समारोह को देखने के लिए गया हुआ था। तिलक समारोह में नर्तकी के नांच का कार्यक्रम चल रहा था उसी क्रम में वादी के पुत्र आर्यन कुमार को जान मारने के नियत से गाँव के ही 02 नामजद व्यक्ति एवं 02 अन्य अज्ञात व्यक्ति के द्वारा देशी कट्टा से आर्यन कुमार को गोली मार दिया। गोली लगने से आर्यन कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसे बेहतर ईलाज हेतु सदर अस्पताल, आरा ले जाया गया। जहाँ चिकित्सकों के द्वारा आर्यन कुमार को मृत घोषित कर दिया गया। इस संबंध में आर्यन कुमार के पिता के लिखित आवेदन के आधार पर 02 नामजद एवं 02 अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध चांदी थाना कांड सं0-124/23, दिनांक- 02.05. 2023, धारा-302/34 भा0द0वि० दर्ज कराया गया। उक्त कांड में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर आरा के नेतृत्व में थानाध्यक्ष चांदी थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त कांड में संलिप्त 01 नामजद अभियुक्त विजय सिंह, पिता-धनेश्वर सिंह, सा० भदवर, थाना-चाँदी, जिला-भोजपुर को रेड/छापामारी कर चांदी थाना क्षेत्र के भदवर बधार से गिरफ्तार

किया गया तथा इस कांड में शेष वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निरंतर रेड/छापामारी की जा रही हैं।

☞ **भोजपुर जिला के गिधा ओ०पी० अन्तर्गत गृहभेदन के कांड में त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की गई 5000 /- रूपया के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार :-** गिधा ओ०पी० अन्तर्गत ग्राम मतिआरा में दिनांक 27.07.2023 की रात्रि 01 से 02 बजे के बीच में वादी राजेश्वर कुमार, पे०- स्व० जयराम सिंह, सा०-मतीआरा, थाना-गिधा ओ०पी०, जिला-भोजपुर के घर पर 02 नामजद अभियुक्त के द्वारा नगद 10,000/- रूपया, 02 ए०टी०एम० कार्ड एवं 01 सोने का हार चोरी कर लिया गया। इस संबंध में गिधा ओ०पी० काण्ड सं0-461/2023, दिनांक 28.07.2023 धारा 457/380 भा0द0वि० दर्ज किया गया तथा उक्त कांड में नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु रेड/छापामारी की जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 29.07.2023 को गुप्त सूचना मिली कि उक्त कांड में संलिप्त 01 अभियुक्त मनीष कुमार उर्फ छोटु कुमार गिधा ओ०पी० अन्तर्गत कायमनगर पुल से सटे संतोषी माता मंदिर के पास घूम रहा हैं। ओ०पी० अध्यक्ष गिधा ओ०पी० के नेतृत्व में अपने थाना के सशस्त्र बलों के साथ रेड/छापामारी कर उक्त कांड में संलिप्त 01 अभियुक्त मनीष कुमार उर्फ छोटु कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उसके पास से चोरी की गई नगद-5000/-रूपया बरामद किया गया हैं । उक्त कांड में वांछित 01 अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु निरंतर रेड/छापामारी की जा रही हैं।

☞ **भोजपुर जिला के धोबहा ओ०पी० अन्तर्गत चोरी की गई राम, जानकी एवं लक्ष्मणजी की अष्टधातु की मूर्ति बरामद :-** दिनांक 09.05.2023 की मध्य रात्रि में धोबहा ओ०पी० अन्तर्गत धर्मपुरा गांव स्थित ठाकुरबाड़ी से राम जानकी एवं लक्ष्मणजी की अष्टधातु की मूर्ति अज्ञात लोगों के द्वारा चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में मुफस्सिल (धोबहाँ ओ०पी०) थाना कांड सं0-195 / 23, दिनांक- 09.05.2023, धारा-379 भा०द०वि० दर्ज किया गया तथा चोरी की गई अष्टधातु की मूर्ति की बरामदगी एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनु०पु०पदा० सदर आरा के नेतृत्व में ओ०पी० अध्यक्ष धोबहाँ ओ०पी० एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा चोरी की अष्ठधातु की मूर्ति की बरामदगी हेतु निरंतर रेड/छापामारी की जा रही थी, उसी कम में दिनांक 25.07.2023 को संध्या 06:05 बजे अपराह्न में गुप्त सूचना मिली की चोरी की गई अष्ठधातु की मूर्ति मंदिर से करीब 100 मीटर की दूरी पर पंचपेड़वा झाड़ में पीले रंग के बोरा में रखा हुआ हैं। उक्त सूचना के आलोक में गठित टीम के द्वारा उक्त स्थल से चोरी की गई राम, जानकी एवं लक्ष्मणजी के अष्ठधातु की मूर्ति को बरामद किया गया।

☞ **भोजपुर पुलिस के तियर थानान्तर्गत लूट के कांड में संलिप्त 03 अपराधकर्मी गिरफ्तार :-** दिनांक 27.06.2023 को तियर थानान्तर्गत गैस एजेंसी के वर्कर गैस सिलेण्डर का वितरण कर वापस लौट रहे थे उसी क्रम में सिकरिया रोड में गौरैया बाबा स्थान के पास पीछे से ओभरटेक करके मोटरसाईकिल सवार 03 अज्ञात लोगों के द्वारा पिस्टल का भय दिखाकर नगद - 28,000/- रूपया लूट कर भाग गया। इस संबंध में तियर थाना कांड सं0-49/23. दिनांक 27.06. 2023 धारा-392 भा0द0वि० दर्ज किया गया तथा उक्त घटना में लूटी गई राशि एवं घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जगदीशपुर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष तियर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा दिनांक 25.07. 2023 को बक्सर जिला के सिमरी थाना क्षेत्र से रेड / छापामारी कर उक्त घटना में संलिप्त 03 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई हैं।

☞ **भोजपुर जिला के चरपोखरी थानान्तर्गत 1388 ली0 अंग्रेजी शराब की बरामदगी वाले कांड में वांछित 01 शराब तस्कर गिरफ्तार :-** गुप्त सूचना के आधार पर दिनांक 07.01.2023 को चरपोखरी थानान्तर्गत 1388 ली० अंग्रेजी शराब बरामद किया गया था तथा इस संबंध में चरपोखरी थाना कांड सं0-05/2023, दिनांक 07.01.2023 धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज कर उक्त कांड में संलिप्त शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पीरो के नेतृत्व में थानाध्यक्ष चरपोखरी थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम

का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त कांड में वांछित शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु निरंतर रेड/छापामारी की जा रही थी। उसी कम में दिनांक 25.07.2023 को चरपोखरी थानान्तर्गत सूर्यमंदिर करनौल से 01 शराब तस्कर दीपू सिंह, पे०-बिरेन्द्र सिंह, सा०-करनौल, थाना-चरपोखरी, जिला-भोजपुर को गिरफ्तार किया गया हैं तथा उक्त कांड में वांछित अन्य शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु रेड/छापामारी की जा रही हैं।

गिरफ्तारी:- दीपू सिंह, पे०- बिरेन्द्र सिंह, सा०-करनौल, थाना-चरपोखरी, जिला-भोजपुर।

☞ **भोजपुर पुलिस की सतर्कता से अपराध की घटना से पहले अवैध हथियार एवं गोली के साथ 03 अपराधकर्मी गिरफ्तार** :- दिनांक 24.07.2023 को समय करीब 07:30 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना मिली कि गड़हनी थानान्तर्गत धमनिया पुल के पास 01 मोटरसाईकिल पर सवार 03 व्यक्ति अवैध हथियार रखे हुए है जो किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। उक्त आसूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र की बरामदगी तथा अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर आरा के नेतृत्व में थानाध्यक्ष गड़हनी थाना एवं थाना के सशस्त्रों बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा धमनिया पुल पर सघन वाहन चेकिंग/जाँच कर 01 मोटरसाईकिल पर सवार 03 व्यक्ति के पास से 02 देशी कट्टा एवं 01 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस संबंध में गड़हनी थाना कांड सं0-115/23 दिनांक-24.07.2023, धारा 414 भा0द0वि0 एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया हैं। फलाफल की विवरणी इस प्रकार हैं :-

बरामदगी :- देशी कट्टा-02, जिंदा कारतूस-01, मोबाईल-03, मोटरसाईकिल-01

गिरफ्तारी :-

1. मुकेश चौरसिया, पे०- राम नारायण चौरसिया, सा०-सहेगी, थाना- गड़हनी, जिला-भोजपुर।
2. धन्तु कुमार उर्फ बोतल, पे०- दसई पासवान, सा०-शांति नगर धमनिया, थाना- गड़हनी, जिला-भोजपुर (पपप) गोलू कुमार, पेठ-संजय चौधरी, सा०-बडा टोला गड़हनी, सांगी मोड, थाना- गड़हनी, जिला- भोजपुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

☞ **भोजपुर जिला के जगदीशपुर थानान्तर्गत घटना कारित करने के पूर्व 02 देशी रायफल, 29 जिंदा कारतूस के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार** :- दिनांक- 07.08.2023 को रात्रि 21:15 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना मिली कि जगदीशपुर थानान्तर्गत

ग्राम-संगमटोला में एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ घूम रहा हैं, जो किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। उक्त सूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र की बरामदगी तथा अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जगदीशपुर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष जगदीशपुर एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त स्थल पर रेड / छापामारी कर विभुति भूषण उर्फ संतोश कुमार सिंह, पे०-स्व० श्रीकान्त राय, सा०-संगम टोला थाना- जगदीशपुर, जिला-भोजपुर को गिरफ्तार किया गया तथा उसके पास से 02 देशी रायफल एवं 29 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस संबंध में जगदीशपुर थाना काड सं0-333/23 दिनांक-06.08.20123, 25 (1-बी) 26 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया हैं।

☞ **भोजपुर जिला के शाहपुर थानान्तर्गत 216 लीटर अंग्रेजी शराब, 01 कार एवं 01 मोटरसाईकिल** :- रात्रि में अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि शाहपुर थानार्न्तत बिलौटी नेशनल हाईवे स्थित यादव होटल के पास 01 कार से अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी की जा रही हैं। उक्त सूचना का सत्यापन, अवैध शराब की बरामदगी तथा शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जगदीशपुर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष शाहपुर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त स्थान पर छापामारी कर 01 कार से 1200 बोतल फुटी प्रत्येक 180 एम0एल0 का, कुल-216 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। इस संबंध में कांड दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाही की गई।

☞ **भोजपुर जिला के सिन्हा ओ०पी० अन्तर्गत चोरी की 01 मोटरसाईकिल के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार** :- दिनांक- 19.04.2023 को नगर थानान्तर्गत वार्ड नं0-35, धरहरा क्षेत्र से 01 मोटरसाईकिल की चोरी अज्ञात चोरों के द्वारा कर ली गई थी। इस संबंध में नगर थाना द्वारा नगर थाना कांड सं0 304/23, दिनांक 19.04. 2023, धारा 380 भा0द0वि० दर्ज कर चोरी की मोटरसाईकिल की बरामदगी हेतु निरंतर रेड / छापामारी की जा रही थी। इसी कम में दिनांक 06.08. 2023 को सिन्हा ओ०पी० अन्तर्गत सिन्हा बांध पर पु०अ०नि० राजीव कुमार, ओ०पी० अध्यक्ष सिन्हा ओ०पी० के नेतृत्व में थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी/बलों के साथ वाहन चेकिंग की कार्रवाई की जा रही थी। वाहन चेकिंग के क्रम में 01 मोटरसाईकिल पर सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। थाना के सशस्त्र बलों के द्वारा खदेड़कर उसे पकड़ा गया तथा पूछताछ की गई तो पूछताछ के क्रम में पकड़ाये गये व्यक्ति के द्वारा बताया गया कि यह मोटरसाईकिल चोरी का हैं। इस संबंध में सिन्हा ओ०पी० द्वारा कांड दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाही की गई।इन सभी कांडों की सूचना स्वयं भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव के द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से दी गई।●

बालू माफिया सत्येंद्र पांडेय सहित आठ अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस की बड़ी उपलब्धि.. 'एसएलआर' हथियार के साथ ''हथियारों के जखीरे' की बरामदगी तथा '07 लाख' के साथ '4 टॉप 10 सहित 08 कुख्यात' अपराधी और बालू तस्कर गिरफ्तार। दिनांक–01.08.2023 को करीब 03:00 बजे सुबह में अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना मिली कि कोईलवर थानान्तर्गत ग्राम – कमालुचक दियरा क्षेत्र में सत्येन्द्र पाण्डेय, पिता – स्व० रामेश्वर पाण्डेय, सा०- पचरूखीयाँ, थाना- कोईलवर, जिला–भोजपुर के गिरोह के अपराधकर्मी अवैध बालू खनन के वर्चस्व को लेकर कोई बड़ी घटना एवं लूट-पाट करने की योजना बना रहे हैं। उक्त सूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र की बरामदगी तथा टॉप-10 अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी के द्वारा सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनु०पु०पदा० सदर आरा के नेतृत्व में पु०अ०नि० अविनाश कुमार, थानाध्यक्ष कोईलवर थाना एवं थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी/सशस्त्र बलों तथा डी०आई०यू० शाखा के पुलिस पदाधिकारी/बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा कमालुचक दियरा क्षेत्र में घेराबंदी कर रेड/छापामारी की कार्रवाई की गई। रेड/छापामारी के क्रम में सत्येन्द्र पाण्डेय के गिरोह के अपराधकर्मी अपने को चारो तरफ से पुलिस से घिरता देखकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस के द्वारा भी फायरिंग की गई। गोलीबारी के बाद उक्त छापामारी में सत्येन्द्र पाण्डेय सहित उनके गिरोह के टॉप-10 के 04 अपराधकर्मी सहित कुल – 08 कुख्यात अपराधी तथा बालू तस्कर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अपराध कर्मी के पास से देशी कट्टा-02, देशी पिस्टल-01, रेगुलर रायफल-05, एस०एल०आर० रायफल-01, 7.65 एमएम का जिंदा कारतूस-02, एस0एल0आर0 (7.62 एमएम) का जिंदा कारतूस-10, 8 एमएम जिंदा कारतूस 74, 7.62 एमएम का खोखा-01, 8 एमएम का खोखा 07, एस०एल०आर० का मैगजीन-03, मोबाईल- 03, अपाची मोटरसाईकिल-01, नगद-07 लाख रूपया बरामद किया गया हैं।

इस संबंध में पुलिस के द्वारा कांड दर्ज कर आगे की अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है तथा गिरफ्तार अभियुक्त सत्येन्द्र पाण्डेय, पिता- स्व० रामेश्वर पाण्डेय, ग्राम-पचरूखियाँ कलाँ, थाना-कोईलवर, जिला-भोजपुर (टॉप-10 अपराध कर्मी) का अपराधिक इतिहास इस प्रकार है :-

☞ कोइलवर थाना कांड सं0-23/18, दि०-09. 01.18, धारा-384 भा०द०वि० ।

☞ कोइलवर थाना कांड सं0-201/15, दि०-08. 09.15, धारा-341/323/379/302/34 भा०द०वि०।

☞ कोइलवर थाना कांड सं0-247/13, दि०-24. 12.13, धारा-341 /342/323/504/379/ 427/34 भा०द०वि०।

☞ कोइलवर थाना कांड सं0-244/13, दि०-24. 12.13, धारा 147/148/149/341/323/380/338 /448/504/506 भा०द०वि०।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-217/22, दि०-08. 04.22, धारा 147/148/341/323/307/504/506 भा०द०वि०।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-58/21, दि०-18. 02.21, धारा-341/323/307/379/ 34 भा० द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-32/21, दि०-28. 01.21,धारा-341/323/385/504/506/307/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-58/ 13, दि०-28. 03.13, धारा-341/323/307/325/34 भा०द०वि०।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-217 / 22, दि०-08. 04.22, धारा-147/148/341/323/307 /504/506 भा०द०वि०।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-55 / 22, दि०-22. 01.22, धारा-147/148/149/302 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-57/22, दि०-22. 01.22, धारा 147/148/341/323/307/427 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-99/22, दि0 147/148/149/341/323/307/504/506 भा0द0वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-204 / 22, दि०-29. 03.22, धारा 147/148/149/341/323/ 447 /448/504/506 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-187/23, दि०-05. 04.23, धारा-399/402/414 भा0द0वि० 25 (1-बी) ए /26/35 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-199/32, दि0-11. 04.23, धारा 147/148/149/341/323/307 / 427 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

गिरफ्तार अभियुक्त नीरज पाण्डेय, पिता-सत्येन्द्र पाण्डेय, सा०-पचरूखियाँ कलाँ, थाना-कोईलवर, जिला-भोजपुर (टॉप-10 अपराध कर्मी) का अपराधिक इतिहास इस प्रकार हैं :-

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-57 / 22, दिनांक 29.01.22, धारा 147/148/149/307/427/506 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-204/22, दि०--25. 04.22 धारा-147/148/149/341/323/447/448/ 504/506 भा0द0वि०।

☞ कोइलवर थाना कांड सं0-55/22, दि०-22. 01.22 धारा-147/148/149/302 भा० द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-99/22, दि०-20. 04.22, धारा-147/148/149/341/323/307/504/ 506/120 भा०द०वि०।

☞ कोईलवर थाना कांड सं0-133 /21, दि०-31. 03.21.धारा-147/148/149/323/ 386/387/307/ 404 भा० द०वि०।

☞कोईलवर थाना कांड सं0-95 / 21, दि०-12. 03.21, धारा-25 (1-बी) ए / 26 शस्त्र अधिनियम।

✯ **बरामदगी :-** देशी कट्टा-02, देशी पिस्टल-01, रेगुलर रायफल-05, एस०एल०आर० रायफल-01, 7.65 डड का जिंदा कारतूस-02, एस0एल0आर0 (7.62 डड) का जिंदा कारतूस-10, 8 डडज्ञ्थ लिखा हुआ जिंदा कारतूस-74, 8 डडज्ञ्थ का खोखा-07(प०) 7.62 डड का खोखा-01, एस०एल०आर० का मैगजीन-03, मोबाईल - 03,
अपाची मोटरसाईकिल-01, नगद -07 लाख रूपया

✯ **गिरफ्तारी :-**

☞ **सत्येन्द्र पाण्डेय,** पे०- स्व० रामेश्वर पाण्डेय, सा०- पचरूखियाँ कलाँ, थाना- कोईलवर, जिला-भोजपुर (टॉप-10 अपराधकर्मी)।

☞ **नीरज पाण्डेय,** पे०- सत्येन्द्र पाण्डेय, सा०- पचरूखियाँ कलाँ, थाना-कोईलवर, जिला-भोजपुर (टॉप-10 अपराधकर्मी)।

☞ **पदमाकर पाण्डेय उर्फ छोटे पाण्डेय,** पे०- सत्येन्द्र पाण्डेय, सा०- पचरूखियाँ कलॉ, थाना - कोईलवर, जिला- भोजपुर (टॉप-10 अपराधकर्मी)।

☞ **अरूण कुमार,** पे०-राजु नट, सा०-बड़ीहा, थाना- नासरीगंज, जिला-रोहतास (टॉप-10 अपराध कर्मी)।

☞ **सुरज कान्त पाण्डेय,** पे० - श्री उमेश्वर पाण्डेय, सा०- पचरूखियाँ कलॉ, थाना- कोईलवर, जिला-भोजपुर।

☞ **संजय पाण्डेय,** पे०- स्व० रामेश्वर पाण्डेय, सा०-पचरूखियाँ कलॉ, थाना- कोईलवर, जिला-भोजपुर।

☞ **नितिश कुमार,** पे०- गोपाल बिन्द, सा०-लक्ष्मणपुर, थाना-आरा मुफस्सिल, जिला-भोजपुर।

☞ **रंजीत कुमार,** पेव-रामबाबु राय, सा०-पचरूखियाँ कलाँ, थाना- कोईलवर।

इसकी सूचना भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव के द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी गई।●

स्कूल से लौट रही नाबालिग छात्रा को मारी दिनदहाड़े गोली

● **गुड्डू कुमार सिंह**

नवादा थाना क्षेत्र के नवादा चौक स्थित बीडी पब्लिक स्कूल की छात्रा को मंगलवार को हथियारबंद बदमाशों ने स्कूल से घर जा रही एक छात्रा को गोली मार दी। घायल छात्रा 15 वर्षीया श्रेया कुमारी टाउन थाना क्षेत्र के महादेव मोहल्ला निवासी महेश गुप्ता की पुत्री है। वह नौवीं कक्षा की छात्रा है। घायल छात्रा को गोली कमर की बाई ओर के पिछले भाग की पंजरी में लगी है। पहले इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

☞ **एक दिन पहले एक लड़के से हुई थी कहासुनी :-** हालांकि, बाद में प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया, लेकिन स्वजन बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। इस दौरान सदर एएसपी चन्द्र प्रकाश ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन की। घायल छात्रा की सहेलियों से पूछताछ कर मनचलों को चिह्नित किया जा रहा है। इधर, भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि किसी लड़के ने पीछे से कमर के पास गोली मारी है। छात्रा का इलाज एक प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है, उसके साथ रही सहेलियों ने बताया है कि किसी लड़के से एक दिन पहले छात्रा के साथ नोंकझोक हुई थी।

☞ **सहायक पुलिस अधीक्षक सदर के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर दिया गया। जल्द ही आरोपित की गिरफ्तारी की जाएगी :-** दो दिन पहले मनचलों ने दी थी धमकी इधर, घायल छात्र की सहेली स्वीटी कुमारी ने बताया कि वह दोनों नवादा चौक स्थित बीडी पब्लिक स्कूल के नौंवी कक्षा में पढ़ती हैं। मनचले किस्म के कुछ लड़के अक्सर उन लोगों पर छुट्टी के समय कमेंट किया करते हैं। दो दिन पूर्व में भी उन मनचलों ने उन्हें धमकी दी थी। मंगलवार की दोपहर करीब ढाई बजे जब स्कूल की छुट्टी हुई और दोनों सहेलियां आपस में बातचीत करते हुए घर जा रही थी, तभी बीडी पब्लिक स्कूल के समीप ही तीन चार की संख्या में रहे हथियारबंद बदमाशों में से एक ने उसकी सहेली पर फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान उसकी सहेली श्रेया कुमारी को गोली लग गई। इसके बाद अन्य सहेलियों के सहयोग से इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया । हालांकि, स्वजन उसे पटना न ले जाकर इलाज आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में करा रहे हैं। वारदात के बाद घटनास्थल पर पहुंचे एएसपी इधर, वारदात की सूचना मिलते ही सदर एएसपी चंद्र प्रकाश पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस घायल छात्रा की सहेलियों से पूछताछ कर क्लू लेने के प्रयास में लगी है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। इस मामले की सूचना भोजपुर पुलिस अध ीक्षक प्रमोद कुमार यादव द्वारा दी गई।●

व्यवस्था बीमार, कौन करे ईलाज?

● गुड्डू कुमार सिंह

ईलाज के लिए तडपता घायल मरीज।..

सिविल संर्जन की उपस्थिति में ईलाज करते प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा० प्रियरंजन कुमार।...

11:50 में सिविल सर्जन पहुँचे पीरो अस्पताल।...

जख्मी का इलाज करता प्राइवेट कम्पाऊडर।..

अकरूआँ गाँव में बीती रात पीरो पुलिस द्वारा शराब के खिलाफ छापेमारी की गई थी। इसी को लेकर आज अहले सुबह शराब माफिआओं द्वारा जय प्रकाश सिंह के दरवाजे पर पहुँच सूचना देने का आरोप मंढ जय प्रकाश सिंह के परिजनो को जमकर लाठी ठडें व राईफल व दोनाली बंदूक से जमकर मारपीट की गई ,जिसमे अकरूआँ गाँव निवासी 65 वर्षीय जय प्रकाश सिंह 35 वर्षीय दिपक कुमार 28 वर्षीय विकास बुरी तरह जख्मी हो गये है। जिन्हे ईलाज के लिए ग्रामीणों के सहयोग सें परिजन सुबह 07 बजे सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र पीरो पहुंचे ।जहाँ ईलाज के लिए कोई डा० या कम्पाऊडर उपलब्ध नही थी। जिसकी सूचना परिजनो द्वारा अपने पंचायत के मुखिया प्रतिनिधी राजीव सिंह व लोक जन शक्ति पॉटी के जिला प्रधान गोल्डी सिंह को दी गई। मुखिया प्रतिनिधी राजीव सिंह व लोजपा नेता गोल्डी सिंह के अस्पताल पहुँचने के बाद वहाँ उपस्थित कर्मियो में अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया।जिसकी सूचना जरनेटर चालक इस्तेखार द्वारा अस्पताल प्रबधन को दि गई। वर्तमान प्रभारी डा० रवि कुमार ट्रैनिंग के लिए गया गए हुए है और डॉ० प्रियरंजन प्रभार में है। आज डॉ० उत्कर्ष की डियूटी थी, लेकिन डॉ० उत्कर्ष डियूटी नही पहुँचे थे। डॉ० की उपस्थिति नही होने के कारण जख्मी के परिजनों में अंसतोष बढ रहा था। करीब 10 बजे मुखिया प्रतिनिधी राजीव सिहं द्वारा पीरो अस्पताल के कुव्यवस्था के बारे जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा तुरन्त व्यवस्था कराने का अश्वासन दिया गया। जरनेटर ऑपरेटर की सूचना पर करीब 10:40 में डा० प्रियरंजन भागे भागे पीरो अस्पताल पहुंचे जहाँ उन्हे परिजनो से लेट आने के कारण पर कहा सुनी हुई और डा० प्रियरंजन वहां से यह कहकर चले गए की हमारी ड्यूटी नही । 11 बजे तक ईलाज के लिए तड़पते रहे जख्मी ,कौन करे ईलाज जहाँ खुद व्यवस्था हो बीमार। इसी दौरान सिविल सर्जन द्वारा इस मामलें में हस्तक्षेप कर डा० को अस्पताल पहुँचने को कहा गया और करीब 40 मीनट के अन्तराल में करीब 11:50 में पीरो अस्पताल पहुँचे ,जहाँ डा० और प्रतिनिधीयों से नोक झोक होती रही। काफी मान मनौवल के बाद डा० प्रियरंजन के सहयोग सें करीब 12 बजे सभी जख्मियों का प्राथमिक ईलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए आरा रेफर कर दिया गया। इस मामले में सिविल संर्जन सें जानकारी लेनी चाही कि आये दिन ऐसी स्थिति उत्पन्न होती रहती है तो उन्होने कहा की हम ङा० पैदा करे ,डा० हइये नही है तो कहां से लाए डाक्टर।●

शोभा की वस्तु बनी हर घर नल जल योजना

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला में कुल 136 पंचायत है जिसमें इटाढ़ी प्रखण्ड में 14 पंचायत है। उसी में एक है इन्दौर पंचायत, जो विकास कार्यो में धरातल की कम परन्तु कागज का उपयोग ज्यादा करता है। जिसकी जानकारी वार्ड नम्बर-13 व 06 की आम जनता ने केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी के साथ एक लिखित आवेदन दिये जिसमें 36 आम जनता का हस्ताक्षर है। आवेदन के अनुसार वार्ड सदस्य श्रीमति पुनम देवी नल का जल वार्ड में सप्लाई नहीं करती है बल्कि केवल अपनी व्यक्तिगत कार्य की करती आ रही है। जबकि वार्ड की

जनता लगभग एक साल लगातार पानी की मॉग करते आ रहे है। आवेदन में स्पष्ट लिखा हुआ है कि श्रीमति पुनम देवी नल का जल और टंकी का अतिकमण कर उसमें घास-भुसा रखे हुये हैं। पंचायत की जनता की माने तो इन्दौर पंचायत भ्रष्टाचारियो के लिये अनुकरणीय है। सरकार की कोई ऐसी योजना नहीं जो आम तक पहुँचने में जनप्रतिनिधि को सेवा शुल्क न देना पडे। चाहे वो प्रधानमंत्री आवास योजना हो या सोखा बनवाना हो सरकारी लाभ लेना है तो सेवा शुल्क देना है। इन्दौर पंचायत में दो-तीन वार्डो को छोडकर लगभग सभी वार्ड में नल का जल मृत प्राय है।
●

भ्रष्ट प्रधान लिपिक अशोक से बदनाम हो रहा डुमराँव का अवर निबंधन कार्यालय

● **बिन्ध्याचल सिंह**

आपलोग अवर निबंधन कार्यालय में जाइये, जहाँ निबंधन पदाधिकारी के ठीक सामने कार्यालय के प्रधान लिपिक श्री अशोक जी प्रत्येक काजगात पर 500रू की नोट लेते रहते हैं। ध्यान रहे उपयुक्त बात भले ही किसी भी आम जनता, पदाधिकारी, पुलिस, समाजसेवी से कह दिजीएगा तो कोई बात नहीं, अगर निबंधन कार्यालय में बोल दिजीएगा तो तीन तरह की समस्या आ जायेगी बशर्ते आपको क्रेता होना जरूरी है। पहला-नेट नही है, दुसरा-सर नहीं हैं, तीसरा-तुम तो सरकारी कार्य में बाधा डालते हो।

आइये विस्तार से जानते है। केवल सच के द्वारा जो जुलाई-19, 24, 26 और अगस्त 03 को अवलोकन में देखा गया है। 19 जुलाई को केवल सच प्रतिनिधि जैसे ही निबंधन कार्यालय, डुमराँव में दस्तक दिये कि प्रधान लिपिक 500 की नोट गिनती कर रहे है, गिनती के क्रम में लम्बी सांस लेते हुये प्रधान लिपिक जैसे ही पैतीस बोले की प्रतिनिधि अशोक जी के पास खडे हुये, परन्तु लिपिक का नजर पड़ते ही नोट छुपाते हुये गिनती किये। नोटो की संख्या कितनी थी इसकी कोई सही जानकारी नहीं परन्तु जानकारी के लिये के लिये अन्य काउन्टर पर देखा गया कि प्रत्येक दास्वेज से लगभग दो हजार रूप्या लिया जा रहा है। लेकिन बात यहाँ लिपिक की पास कितना रूपया था कि जानकारी का अनुमान लेना जरूरी था। अत अन्य काउन्टर पर करीब 10 मिनट तक जायजा लिया गया तो अनुमान हुआ कि लिपिक के पास लगभग बीस हजार रूपया था। अनुमान का आधार यह है कि जमीन निबंधन कार्य के प्रकिया में जिस काउन्टर पर क्रेता, विकेता व पहचानकर्ता का फोटो होता है वहाँ 43 नम्बर पर निबंधन क्रमांक था। इसे दाहिने और दो काउन्टर जमीन निबंधन सम्बन्धि कार्य होता है। अगला काउन्टर पर कौन सी प्रकिया जमीन निबंधन सम्बन्धि कार्य होता है कि जानकारी नहीं पर उस काउन्टर पर लिपिक प्रकाश कुमार सिन्हा नाम लिखा हुआ है। उपयुक्त दोनो लिपिक द्वारा ली जाने वाली राशि कैसी है कि जानकारी के लिये प्रतिनिधि 15-20 मिनट तक पदाधिकारी से मिलने के लिये खडे थे लेकिन पदाधिकारी के द्वारा अन्य लोगो से बात करने से समय ही नहीं मिलता। वैसे इसकी जानकारी के लिये प्रतिनिधि 21, 24 जुलाई और 03 अगस्त 2023 को निबंधन कार्यालय में दस्तक दे चुके है परन्तु पदाधिकारी महोदय ने समय नही दिये कि प्रधान लिपिक श्री अशोक जी प्रत्येक दास्तवेज पॉच सौ रूप्या और लिपिक प्रकाश कुमार सिन्हा 2000रू0 कौन सा टैक्स ले रहे है। आपको बताते चले कि निबंधन कार्यालय, डुमराँव डुमराँव विधायक आदरणीय श्री अजीत कुमार कुशवाहाँ के अथक प्रयास से वर्ष-2022 से सेवा में है। जानकारों के अनुसार निबंधन कार्यालय डुमराँव में 25 कातिब है। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

कर्तव्यनिष्ठ पंचायत रूद्रनगर एवं दोधड़ा

● बिन्ध्याचल सिंह

हम टुके टुक बेचा जाइब बाकि अपना इतिहास से समझौता ना करब"। उक्त वाक्य भोजपुर जिला के बिहिया प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत रूद्रनगर गउडाढ व दोधरा का कहना है। चाहे आम जनता, पदाधिकारी या समाजसेवी मुझे कुछ भी कहे, कोई फर्क नहीं पड़ता। इस बात की जानकारी केवल सच प्रतिनिधि को विगत वर्ष-जनवरी 2022 में हुई तो आम जनता व धरातल की सच्चाई के लिये विभिन्न योजनाओ की जानकारी लेनी शुरू किये। जिसमें सच्चाई निकल कर आई कि दोनो मुखिया जनप्रतिनिधि द्वारा कही जा रही बात सौ प्रतिशत धरातल की है। जो इस प्रकार है- रूद्रनगर गउडाढ पंचायत का इतिहास रहा है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएँ कोई भी ऐसी योजना नही है, जो धरातल पर न हो। जिसका श्रेय मुख्य रूप से मुखिया जनप्रतिनिधि श्री संजय रजक की होती है जो अपने चुनावी वादो को यथासम्भव पुरा करने की वादा कर चुके हैं। यही वजह है कि सहजौली गाँव का जल-जमाव की समस्या से ग्रामीण सहित शाहपुर आने-जाने वाले राहगिरो को जल जमाव से मुक्ति मिली। हांलाकि वार्ड सदस्य व ग्रामीण की भूमिका भी सराहनीय है। आपको बताते चले कि मध्यवर्तीय चुनाव के बाद रूद्रनगर पंचायत अपनी राह भटक चुका था। जिसका मुख्य कारण कनीय अभियंता के द्वारा कमीशन के लिये मानसिक प्रताडना का शिकार होना शामिल है। परन्तु जबसे गरीबों के शुभचिंतक, असहायो के सहाय श्री संजय रजक ने जनप्रतिनिधि के रूप में कमान संभाले हैं, पंचायत में विकास की गंगा ही बहा चुके हैं। कबीर अंत्योष्टि की राशि भले ही श्री रजक को प्राप्त हो या न हो परन्तु प्रत्येक जरूरतमंद को अपने पॉकेट से सहयोग करने का इतिहास रहा है। जबकि दोधरा पंचायत का इतिहास रहा है कि सरकार की योजनाएँ धरातल पर कम परन्तु कागज पर ज्यादा दिखाई देती है, जिसकी जानकारी केवल सच वर्ष 2017-2018 में ही शीर्षक 'दोधरा पंचायत बनी कामधेनु गाय' में जानकारी दे चुके हैं। जो "हर घर नल का जल" योजना से सम्बन्धित था। परन्तु वर्तमान मुखिया दोधरा का कर्तव्यनिष्ठता पूर्व जनप्रतिनिधियों की तरह ही कार्य कर रही है। जिसमें लोहिया स्वच्छता मिशन-2 जीता-जागता प्रमाण हैं। दोधरा पंचायत वार्ड नंम्बर-04 के एक समाजसेवी ने केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी उपलब्ध कराई की सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी से लोहिया स्वच्छता मिशन-02 की माँग की गई तो जबाव आया की उक्त योजना अधिनियम की तहत नही आती हैं। जबकि योजना की राशि 3500000रू0 का है। जो पूर्णत: कागज पर है। जबकि तेधरा गाँव के जनता ने केवल सच प्रतिनिधि को 26 जुलाई को सवारी रेलगाडी-03203 में जानकारी दी की महज एक माह पहले सात निश्चय योजना के तहत कराये गये कार्य अपनी अस्तिस्व खो रही है। 26जुलाई को दोधरा गाँव की एक जनता ने हनुमान एजेंसी बिहिया के पास प्रतिनिधि को जानकारी दी की हमारे मुखिया पति सह प्रतिनिधि ने भोजपुरी कहावत-"रूखी के धन भइल उखी बिखि ले ले"। उन्होने कहा कि कुछेक सवर्णो के जनप्रतिनिधि देख-रेख में लाखो का घोटाला करने वाला जनप्रतिनिधि संवर्णो के सामने ही ऐसा व्यवहार करता है जो अशोभनीय है। दोधरा पंचायत की माने तो पंचायत अन्तर्गत सरकार की ऐसी कोई भी योजना नहीं है जो कागज और सेवा शुल्क से वंचित हो। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना का सेवा शुल्क केवल 30000 रू0 ही है। प्रिय पाठकगण आपको अवगत कराना चाहता हूं कि उपरोक्त बाते पंचायत की आम व खास जनता के साथ पंचायत की समाजसेवी व बुद्धिजीवी के द्वारा जानकारी के आलोक में है।●

महंथ की नौकरी पक्की : अजय उपाध्याय

● बिन्ध्याचल सिंह

महर्षि विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा घाट,बक्सर धार्मिक आस्थाओ का केन्द्र है जहाँ हजारो लोग पुजा-अर्चना के लिये बक्सर आते-जाते है। वैसे बक्सर को मिनी काशी के नाम से भी जानते है जिसके कई महत्वपुर्ण कारण है, जिसमें गंगा नदी का प्रवाह अहम बिन्दु है जिसकी जानकारी अगले अंक में दी जायेगी। बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर के पुजारी महंत श्री चन्द्रमा दास विगत 40 वर्षो से बडी मठिया का देख-रेख करते आ रहे है परन्तु बडी मठिया के रख-रखाव में कई तरह की खामियाँ होने की वजह से कुछेक समाजिक कार्यकर्ताओ ने बडी मठिया की गतिविधियों पर ध्यान आकृष्ट किये। जिसमें कई तरह की अनिमितता सामने आयी। जिसके कारण मामला न्यायलाय में चला गया। जानकारों के अनुसार महर्षि विश्वामित्र आश्रम बड़ी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर की लगभग सम्पति का सही ऑकडा तो समाजसेवीयो के पास नही परन्तु संक्षेप में केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी उपलब्ध कराई गयी कि बडी मठिया में लगभग 75 बीघा जमीन जो बक्सर,डुमरॉव, भरखरा, लोधी पुर मौजा, नई बाजार मठिया में जमीन है जबकि असम में दो एकड जमीन के साथ दो प्राइवेट विद्यालय मठिया के द्वारा संचालित होता हैं । जबकि चुडी बाजार बक्सर में-352 और डुमरॉव में-22 भ्ड है। चुडी बाजर बक्सर के दुकान का किराया-600 रू0 लिया जाता है। जबकि डुमरॉव के दुकान से 1200 रू0 प्रत्येक महीना किराया लिया जाता है। जबकि चुडी बाजार के दुकानों के लिये लगभग एक दुकानदार से 5-7 लाख रूपया अग्रिम राशि भी जमा कराई गयी है। जिसका मंहथ के पास कोई लेखा-जोखा नही है। जानकारों के अनुसार बडी मठिया,बक्सर में फर्जी तरीका से अपने को प्रबंधक कहने वाले केदार यादव इस लुट में सबसे बडी भूमिका निभाता आ रहा है। जिसके पास करोडो की सम्पति है। जो जाँच का विषय है। प्रिय पाठकगण आपलोगो को जानकारी के लिये बता दे कि महर्षि विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर से मामला न्यायलय में-सी0डब्लूएजे0सी0 नम्बर-7303/2022 है। 18 जुलाई 2023 के एक आदेश के अनुसार मंहथ श्री चन्द्रमा दास अब केवल मंदिर में पुजा-अर्चना करते रहेगे जिसके एवज में उन्हे 20000 रू0 प्रत्येक महीना दिया जायेगा। जबकि महर्षि विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर के अध्यक्ष-जिलाधिकारी, बक्सर उपाध्यक्ष, उप विकास आयुक्त बक्सर, जबकि सचिव-अनुमण्डलाधिकारी, बक्सर हैं।●

कटाव से गंगा में समा रहा गौरवशाली अतीत

● बिन्ध्याचल सिंह

बारहवीं शताब्दी के आरंभ में देश हुकूमत और रजवाड़ों के शानो-शौकत व ताकत का मूक गवाह बक्सर का ऐतिहासिक किला तिल-तिल कर गंगा में समाहित हो रहा है। गंगा की धारा लगातार किला के किनारे को काट-काटकर अपने आगोश में लेती जा रही है। वही, इस किला के साथ-साथ ऐतिहासिक अवशेष को भी अपने में समेटे जा रही है। जानकारों का कहना है कि वह दिन दूर नहीं जब अपनी तमाम ऐतिहासिक गरिमा को समेटे बक्सर का यह ऐतिहासिक किला गंगा नदी की गोद में समा जाये। वहीं आजादी के बाद से ही इस किले को बचाने के लिये योजनाएँ बनी। इनमें से अधिकांश फाइलों में दफन हो गयी। जो योजनाएँ धरातल पर उतरी भी वह गंगा की धारा के आगे रेत का महल साबित हुई। गौरतलब हो कि लगभग 1111 संवत में राजा भोजदेव ने इस किले को बनवाया था। इस ऐतिहासिक किले पर कभी हिन्दू तो कभी मुस्लिम शासकों का आधिपत्य रहा। कभी फौज की छावनी तो कभी अन्न का भंडार संग्रहित किया जाता था। हांलाकि किले के लगातार हो रहे कटाव से इसके अस्त्वि पर खतरा के काले बादल मंडराने लगे है। सन् 1906 व 1922 के बीच बने सर्वेक्षण विभाग के अंशों के तुलनात्मक अध्ययन से यह बात जगजाहिर है कि इस अवधि मे कटाव काफी हुआ और बक्सर के इस ऐतिहासिक किले का बहुत बडा भूभाग कटकर गंगा में समाहित हो गया। हालांकि इस बात से मुँह नही मोडा जा सकता कि लगभग तीस दशक से किले के हो रहे कटाव में कम से कम लगभग तीस से पैंतीस गज किले का भू-भाग आज अस्तित्व में नहीं है। विदेशी यात्री बुकानन ने भी अपनी पुस्तक "बुकानन शाहाबाद" में जिक किया है कि गंगा नदी के कटाव से दिख रहे ये अवशेष संग्मवत उसी प्राचीन नगर के हैं, जहाँ मर्यादा पुरूषोतम राम ने अपने गुरू महर्षि विश्वामित्र से शिक्षा ली थी और यक्षणि ताड़का का वध करके अपने गुरू के यज्ञ की पुर्णाहुति करायी थी। इस बाबत बुद्धिजीवी विचार मंच के अध्यक्ष व वरीय अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने बताया कि सन् 1964-67 में बिहार सरकार ने उस विशाल किले की कुछ आंशिक खुदाई करायी थी, जिसमें लगभग आठ फिट चौडी एक दीवार भी मिली थी। बाद में कथित धनाभाव के कारण खुदाई का वह काम रोक दिया गया। खुदाई कराये गये वे सभी स्थान भी असुरक्षित छोड दिये गये, जो बाद में क्रमशः गंगा नदी के गर्भ में समा गया। हालांकि जांच पड़ताल में यह भी कहा गया कि यह अवशेष सिंधु घाटी सभ्यता के समकालीन है। श्री वर्मा के

अनुसार पुरातत्व एवं प्राचीन स्मारक अधिनियम 1956 के अंतर्गत सुरक्षित स्मारक घोषित है और इस सुरक्षित स्मारक की रक्षा करना राज्य एवं केन्द्र सरकार का उतरदायित्व है। पिछले साल जाली में ईट बांध कर गंगा के थपेडो से इसे बचाने का प्रयास हुआ। परन्तु किले के ये रक्षक गंगा मइया से खुद को भी बचाने में विफल रहे। कई जगह ये अस्थायी बांध भरभरा कर गिर चुके हैं। ●

डुमरॉव थाना एक नजर में

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर पुर्व में अनुमण्डल डुमरॉव स्थित है। डुमरॉव अनुमण्डल सह प्रखण्ड अन्तर्गत थाना डुमरॉव अपनी कर्तव्यनिष्ठता के साथ किसी भी घटना पर त्वारित कार्यवाही करने के कारण जिला में चर्चाएँ होती रहती है। इसी क्रम में प्रिय पाठकगण जानकारी देना चाहता हूँ कि 19 जुलाई 2023 को आपसी जमीनी विवाद के कारण कुछ लोगो ने सगे दो भाइयो को अंधाधून लाठी से पीटने लगे। यात्री कुछ समझ पाते कि हमलावर भागने में सफल रहे। हमलावर की सख्या लगभग सात थी। संक्षेप में जानकारी देना चाहता हूँ कि 19 जुलाई 2023 को 12392 डाउन श्रमजीवी सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसे ही प्लेटफार्म पर रूकी की हमलावर दो सगे भाइयो पर हमला करने लगे। हमलावरों की खुफिया तंत्र इतना मजबुत था कि दोनो भाईयो की कोच नम्बर व सीट नम्बर की पूरी जानकारी थी। जानकारी के अनुसार मामला वासुदेव ओपी के आथर पंचायत की आथर गाँव से जुड़ा हुआ है। हमला के दौरान दोनों का सिर फट गया। इसके बाद दोनो भाइयो ने प्राथमिक उपचार के बाद डुमरॉव थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी। प्राथमिकी दर्ज होते की डुमरॉव थाना, वासुदेव ओपी से समन्वय स्थापित करते हुयें तुरन्त हमलावरों को गिरफ्तारी के लिये सक्रियता दिखाई। आपलोगो को जानकारी देना चाहता हूँ कि आथर वासुदेवा ओपी के क्षेत्र में आता है। हालाकि कारवाई के दौरान ही अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, डुमरॉव

थाना परिसर में पहुँच चुके थे। आपको बताते चले कि वर्ष-2021 से थानाध्यक्ष श्री बिन्देश्वरी राम हैं जो 1994 बैच के तेज-तर्रार पदाधिकारी है। डुमरॉव थाना के पोषक क्षेत्र की आम जनता डुमरॉव पुलिस की गुणगान करतें नहीं थकती है। अगर वर्तमान में डुमरॉव शहर की बात की जाय तो शहर में जाम नाम का चीज नही है यानि श्री राम के कार्याकाल में शहर को जाम से मुक्ति दिला चुके हैं। वरना चौगाई, नवानगर, मलियाबाग से आने वाले डुमराँव की जाम की चिन्ता लगी रहती थी। यात्री सोचते रहते थे कि न जाने जाम के कारण कितने देर बाद अपने गंतब्य स्थान पर पहुँचेगे। शराबबंदी की बात की जाये तो थाना क्षेत्र में शराब ना के बराबर उपलब्ध है, ऐसा सुनने को मिलता है। शराब की बात की जाये तो बक्सर जिला अन्तर्गत राम दास के डेरा ओपी को छोड़कर लगभग शराब बिहार में कुल उपलब्ध का दो-चार प्रतिशत भी नही हैं। हाँ। कृष्णब्रहम्म थाना अन्तर्गत टुडीगंज में हेरोईन पीने वालो की संख्या है, क्योकि हेरोईन थाना क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है। उक्त बात की जानकारी स्थानीय लोगो ने केवल सच प्रतिनिधि का दी जिसका प्रमाण प्रतिनिधि के पास नही है, परन्तु जाँच का विषय है। जानकारी के आनुसार डुमरॉव थानाध्यक्ष श्री बिन्देश्वरी राम का सुरक्षा-व्यवस्था, जाम से निजात, वादों का निष्पादन, गिरफ्तारी, थाना की गश्ती, 112 की सेवा इत्यादि पर गम्भीरता से सोचेगे तो शांति व्यवस्था के लिये स्वर्ण काल ही कहेगें।●

सफलता के सत्रह साल

● बिन्ध्याचल सिंह

साबित खिदमत फाउन्डेसन, बक्सर अपने अथक प्रयास और कर्तव्यनिष्ठता के प्रति बहुत ही सचेत रहते आ रहे है, जो कि मानवता का अहम मिसाल है। यही फलवस्वरूप फिल्म अभिनेता आदरणीय सोनू सूद ने डॉक्टर दिलशाद अहमद को सम्मानित किये है। जिसकी खास वजह है कि कोरोना काल से पहले के सालो से लगातार सामाजिक कार्य करने की मिशाल पेश करते हुये डॉक्टर दिलशाद अहमद ने बक्सर जिला सहित पूरे बिहार को गौरव का एहसास कराया है। अपने असहज कठिन और बडे सामाजिक कार्यो की बदौलत आज पुरे भारत सम्मान दे रहा है। मुंबई जुहू, स्थित नोवोटोल में श्री सोनु सुद ने डॉक्टर दिलशाद को गले लगाते हुये ऐसे ही मिशाल पेश करने की बात कही और भविष्य में ऐसे ही आगे बढ़ने की कामना की। मौके पर डी आई डी चौंप के सलमान और कई फिल्मी हस्तियाँ मौजुद थी। आपको बताते चले कि 36 बसंत का आनन्द ले चुके डॉक्टर दिलशाद अहमद बक्सर के मशहुर चिकित्सक हैं। जिनके यहाँ बहुत दुर-दराज से मरीज आते है जिसकी जानकारी केवल सच, बक्सर विगत वर्षो से लगातार देते आ रहे है। सफल इलाज व कुशल चिकित्सा के लिये आरा शाहाबाद में चर्चित साबित खिदमत फाउन्डेंशन,बक्सर के निर्देशक डॉक्टर दिलशाद अहमद को भारत की जानी मानी फिल्म्मी हस्तियाँ के द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ। पूर्व में जानकारी दी जा चुकी है कि डॉक्टर दिलशाद अहमद की परमार्थी सोच की उपज साबित खिदमत फाउन्डेशन है जो 2006 से गरीब असहायो की सहयोग सेवा करते है लेकिन साबित खिदमत फाउंडेशन बक्सर के निर्देशक डॉ० दिलशाद आलम गरीब असहायो भूखो की जरुरत को पूरा करते हुये बिहार सरकार को भी अपनी फाउंडेशन परिवार और फाउंडेशन निधि से सहयोग करते है उपरोक्त जानकारी प्रिय पाठकगण आपलोगों को आश्चर्यजनक लगती होगी परन्तु सच्चाई यह है की मार्च 2020 से पूरा भारत में करोना काल [श्रनसम था जिसमे पूरे भारत लगभग 24 महीना कमरे में बंद था उस समय बिहार सरकार पूरी तरह असफल थी यहाँ तक की बिहार सरकार अपने स्वास्थ्यकर्मी को भी मास्क तक उपलब्ध न करा सकी थी परन्तु विपति काल में साबित खिदमत अस्पताल एवं फाउंडेशन बक्सर स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ आवश्यकता की पूर्ति करता रहा यहाँ तक कि जिला प्रशासन के कर्मचारियों को भी विपत्ति काल में सहयोग करते थे, जिसकी सत्यता की जाँच स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व कर्मचारियों से कर सकते हैं। इतना ही नहीं लगभग 30 माह तक प्रत्येक महीने के 11 तारीख को अन्न दान किया जाता है। वैसे डॉ० दिलशाद खेल व खिलाडी के साथ पर्यावरण से विशेष रूचि रखते है खिलाडियों को समय समय पर प्रोत्साहित करना प्रमाण है आपको बताते चले की साबित खिदमत फाउंडेशन के द्वारा वर्ष 2022 में 1000 पेड़ लगाने की मुहिम चल रही थी। अत: हम दावे के साथ कह सकते है कि साबित खिदमत फाउंडेशन बक्सर वर्ष 2006 से वर्तमान तक दिन दुगनी रात चौगुनी, अपनी कदम आगे बढ़ाये जा रहा है पिछले अंक में जानकारी दी जा चुकी है कि साबित खिदमत अस्पताल स्वास्थ्य विभाग बिहार

सरकार के सभी मापदंडो को पुरा करते हुये अस्पताल और रोगियों की सुरक्षा अपनी तीसरी नेत्र सी०सी०टी०वी० से करता है जहाँ इंसान को कौन कहे परिंदे भी पैर नहीं हिला सकते है आपको जानकारी देना चाहता हु कि साबित खिदमत फाउंडेशन के निर्देशक डॉ० दिलशाद आलम जबकि सचिव साबित रोहतस्वी जी है, आपको बताते चले कि साबित खिदमत फाउन्डेशन वर्ष-2006 से परमार्थी सोच के साथ आम व खास जनता की सेवा करते आ रहा है।●

पूरे भारत में लागू हो शराबबंदी : प्रेम कुमार

● त्रिलोकी नाथ प्रसाद

प्रेमयूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने युवा संसद को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे भारत में शराबबंदी लागू होनी चाहिए। उन्होंने कहा- दारू है दारुण दुःख देता। पहले सेहत फिर दौलत छीन लेता।। मदिरापान राक्षसों की पसंद रहा है। त्रेता काल में राक्षस मदिरापान का सेवन करते थे। द्वापर युग में भी कौरवों द्वारा मदिरापान किए जाने की कई जगह चर्चा है। शराब का सेवन कमोबेश पूरी दुनिया में होती है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आजादी के बाद महात्मा गांधी जी ने पूरे देश शराबबंदी लागू करने का सुझाव दिया था लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इसे अनसुना कर दिया था। हरियाणा में वंशीलाल की सरकार ने शराबबंदी लागू की थी लेकिन एक साल के अंदर ही उनकी सरकार गिर गई और वंशीलाल राजनीति से आउट हो गये। गुजरात में भी शराबबंदी लागू है लेकिन कुछ शर्तों पर वहां शराब के सेवन की छूट भी दी गई है। नब्बे के दशक में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने प्रखंड स्तर पर शराब के ठेके खुलवाये। पहले जहां लोग लुक छिप कर शराब का सेवन करते थे उसमें इजाफा हुआ और शराब के ठेकों पर भीड़ लगने लगी। तत्कालीन मद्यनिषेध मंत्री शिवानन्द तिवारी से प्रेमयूथ फाउंडेशन का एक प्रतिनिधिमंडल मिला था तब तिवारी जी ने जो कहा वह शब्द आज भी याद है। उन्होंने साफगोई से स्वीकार किया था कि दारू के राजस्व से सरकार के पांच मंत्रालय का खर्चा चलता है इसे कदापि बंद नहीं किया जा सकता। इस मुद्दे पर प्रतिनिधि मंडल से काफी नोक झोंक भी हुई थी। फाउंडेशन के सचिव विश्वम्भर मिश्रा ने उन्हें काफी समझाने का प्रयास किया कि शराब के टैक्स से कई गुणा अधिक शराब जनित रोगों पर पैसा खर्च होता है साथ ही सड़क दुर्घटनाओं एवं घरेलू हिंसा का भी यह मुख्य कारण है लेकिन अफसोस तिवारी जी पर इन बातों का कोई असर नहीं हुआ। शराब के ठेके से साइकिल वाला फार्च्यूनर की सवारी करने लगा और शराब का धंधा अरबपति बनने का आसान तरीका बन गया। ठेके की आड़ में नकली शराब का धंधा जोरों से फलने-फूलने लगा और इसमें मंत्री, संतरी और पत्रकारों का गठजोड़ बन गया। सूर्य अस्त और लोग मस्त होने लगे। महिलाएं और शरीफ लोग शाम होते ही घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। सरकार बदल गई और लालू के छोटे भाई इंजीनियर नीतीश कुमार ने बिहार की कमान संभाली। खजाना खाली था इसलिए पैसा बनाने का दारू से अच्छा उपाय कुछ नहीं था। इन्होंने नई आबकारी नीति बनाई और पंचायत स्तर पर शराब के ठेके और दुकान खुलवा दिए। इससे

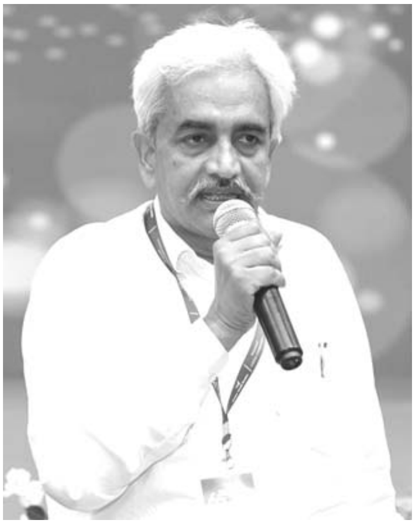

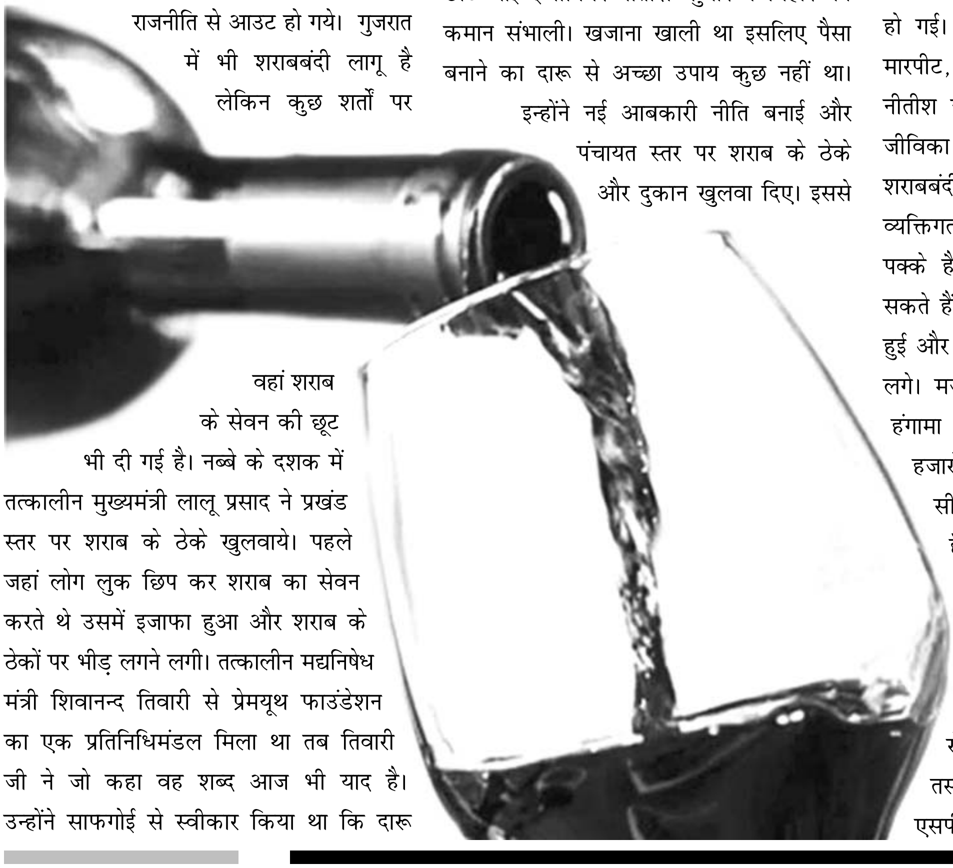

सरकार को चार से पांच हजार करोड़ का राजस्व प्राप्त होने लगा। चाणक्य ने कहा है कि लम्बा समय तक राज करना है तो जनता को मूर्ख और पथभ्रष्ट बना दो। नीतीश जी ने इसका अनुसरण किया और गांव-गांव में शराबियों की फौज तैयार हो गई। इस दौरान आर्थिक तंगी, घरेलू हिंसा, मारपीट, जघन्य अपराधों में काफी बढ़ोत्तरी हुई। नीतीश जी ने अंतरात्मा की आवाज सुनी और जीविका दीदियों के आग्रह पर बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दिया। नीतीश जी को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं जिद्दी और उसूल के पक्के हैं, अपनी जिद के लिए कुछ भी कर सकते हैं। प्रदेश में पूरी सख्ती से शराबबंदी लागू हुई और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आने लगे। मजाल नहीं कि शराब पीकर कहीं कोई हंगामा कर दे। लाखों लोग जेलों में बंद हैं, हजारों वाहन जब्त किये गये, कई भवनों को सील कर नीलामी की प्रक्रिया की जा रही है। युवाओं और किशोरों के बीच शराब के सेवन के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाने का काम किया जा रहा है लेकिन अफसोस इसका एक स्याह पहलू यह भी है कि जिसे शराब रोकने की जिम्मेदारी दी गई वही इसकी तस्करी और बिक्री में शामिल हो गया। एसपी से लेकर थानेदारों तक की संलिप्तता

समय-समय पर उजागर होती रही है। थानों में चूहा शराब पीने लगा। हालात ये हैं कि शराब के खेल में सफेदपोश शामिल हो गये। दूसरे प्रदेशों से ट्रक से शराब आने लगी और शराब तस्करों की पैठ इतनी मजबूत हो गई कि मंत्री से लेकर संतरी तक दुम हिलाते नजर आने लगे। लोगों का भरोसा पुलिस से कम होने लगा और लोग सूचना लीक होने के भय से पुलिस को शराब से सम्बंधित खुफिया जानकारी देना बंद कर दिया। इसी बीच डूबते को तिनका का सहारा मिला और बिहार पुलिस की कमान गुप्तेश्वर पांडेय ने सम्भाली। वे देश के पहले और अंतिम डीजीपी हुए जिन्होंने जनता से सीधा संवाद स्थापित किया, पूरे बिहार में शराबबंदी को लेकर अलख जगाया, नशा मुक्त बिहार को लेकर हजारों सभाएं कीं। बिना किसी सरकारी खर्चे के सभी सभाओं में उमड़ती भीड़ सूबे के मुखिया को रास नहीं आई। इनकी बढ़ती लोकप्रियता और शराब तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई से सरकार की चूलें हिल गईं। इसके बाद डीजीपी के मनोबल को गिराने का खेल शुरू हुआ और इन्हें छल से समय से पूर्व ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी गई। आज शराब की उपलब्धता भूत की तरह ही दिखती है। कहीं नहीं, पर मिलती हर जगह है। शराब तस्कर किशोरों को अपना कैरियर बना रहा है। उनके हाथों में किताब की जगह शराब पहुंचा दी गई। हर जगह होम डिलीवरी हो रही है। अभी हाल ही में रेलवे का गार्ड, सेना का जवान, एक एसएसपी की गाड़ी से शराब बरामद हुई है। पुलिस डाल-डाल तो शराब तस्कर पात-पात। एम्बुलेंस में शराब, पार्सल वैन में शराब, गैस सिलेंडर में शराब, ट्रक के ट्यूब में शराब। निवर्तमान फतुहा थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने टमाटर में छिपाई हुई शराब बरामद की है। मनोज बताते है कि प्रति दिन शराब की भट्ठियों को ध्वस्त किया जाता है लेकिन शराब तस्करों का हौसला इतना बुलन्द है कि वे पुलिस पर भी गोली चलाने से नहीं चूकते। मनोज कुमार सिंह फतुहा थाना क्षेत्र के नामी गिरामी उद्योगपति, सफेदपोश, रसूखदार, पत्रकार को जेल की हवा खिला चुके हैं। ऐसे ही ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ थानाध्यक्ष के बलबूते शराबबंदी का असर दिखता है। शराबबंदी को सफल बनाने के लिए कुछ

कदम उठाना अनिवार्य है, जैसे-

☞ शराबबंदी एक साथ पूरे देश मे लागू हो।

☞ जनप्रतिनिधियों पर जवाबदेही तय हो।

☞ शराब के दुष्प्रभावों के बारे में जन चेतना पैदा की जाए।

☞ शराबबंदी के लिए अलग से पुलिसकर्मियों की बहाली एवं संसाधन मुहैया हो।

☞ शराब तस्करों की संपत्ति जब्त हो तथा स्पीडी ट्रायल से सजा हो।

☞ शराबियों पर भारी जुर्माना का प्रावधान हो।

☞ जिस वार्ड या पंचायत में शराब की बिक्री। या निर्माण हो उसके वार्ड सदस्य, पंच, मुखिया और सरपंच की सदस्यता रद्द हो।

☞ विदेशी नागरिकों को एयरपोर्ट पर ही शराबबंदी की जानकारी देना अनिवार्य हो।

☞ गांव स्तर पर निगरानी समिति का गठन हो।

☞ हर थाना पर शराब की सूचना बॉक्स हो, जिसकी चाबी एसपी के पास हो।

☞ नशा मुक्ति अभियान में लगे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

शराब व्यक्ति की बुद्धि नष्ट कर देती है और सेहत दौलत छीन लेती है। जो भी राजनीतिक दल शराबबंदी का विरोध करता हैं वह आवाम का शत्रु है। इसे पूरे देश में लागू कराने को लेकर प्रेमयूथ फाउंडेशन तथा विधिविमर्श जन आंदोलन चलायेगा। शराबबंदी का असर अगले दस वर्षो के बाद दिखेगा। किसी भी अभियान का असर उसकी अगली पीढ़ी पर ही दिखता है। नीतीश जी शराबबंदी के मुद्दे पर पूरा बिहार आपके साथ है। कुछ सत्तालोलुप नेताओं के बयान से विचलित होने की कोई जरूरत नहीं है। शराबबंदी को और कठोरता से लागू करें। सूबे में जहरीली शराब से मौत का सिलसिला लगातार जारी है इसे रोकना सरकार के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। शराबबंदी को सफल बनाने में जनभागीदारी अति महत्वपूर्ण है। अवैध शराब के निर्माण को रोकने को लेकर पुलिस अब ड्रोन का भी सहारा ले रही है। बिहार में पंद्रह सौ व्यक्ति पर एक पुलिस है इसलिए सिर्फ पुलिस के भरोसे शराबबंदी सफल नही हो सकती। उसमें भी आधे से अधिक बूढ़े और बीमारी की हालत में हैं। हमें पुलिस और सरकार को कोसने से बेहतर होगा कि अपने स्तर से इसे रोकने और शराबबंदी को सफल बनाने में योगदान दें। लोगों में चेतना पैदा करें, शराब के दुष्परिणामों से अवगत कराएं। महात्मा गांधी, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, पैगम्बर साहब ने भी शराब को हराम कहा है। देश के नौजवानों नशा को ना कहो और नशा के सौदागरों को खदेड़ डालो।●

खबर का हुआ असर

एसडीएम जमानियां डॉ. हर्षिता तिवारी ने लगाया राहत चौपाल

● के.के. सिंह

केवल सच हिन्दी मासिक पत्रिका के जुन 2023 अंक में गाजीपुर जिले के पटखौलिया गांव में व्याप्त कई समस्याओं संबंधित एक खबर जिसका शीर्षक 'गाजीपुर जिले का एक ऐसा गांव जहां जाने से डरता है विकास' लगाई थी। इस खबर में हमने यह दिखाया था की किस प्रकार इस गांव की गरीब जनता परेशान है और शासन की महत्वपूर्ण योजनाएं इस गांव तक नहीं पहुंच पा रही हैं। हमने पटखौलिया गांव में पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय सड़क नाली गली, बिजली के पोल लगी खराब लाइटें , पीने का पानी ,स्कूल की बाउंड्री, गांव में अस्पताल , पुलिस चौकी, डाकघर, बैंक, गांव से रेलवे हाल्ट तक जाने का रास्ता, गांव के सरकारी गढ़ही पर अवैध कब्जा, गांव की सरकारी जमीनों का अवैध पट्टा , सड़कों पर अतिक्रमण स्कूल कैंपस में झोपड़ी लगाकर अतिक्रमण, शासन द्वारा चल रहे विभिन्न योजनाओं का पैसा गांव वालों को नहीं मिल पाना तथा आवास और शौचालय बनवाने के नाम पर ग्राम प्रधान गमगम बिन्द द्वारा गरीब गांव से पैसे मांगने इत्यादि कई गंभीर समस्याओं संबंधित खबर लगाया था जिसको संज्ञान में लेते हुए गाजीपुर जिले की जमानियां तहसील की 2019 बैच की उप जिलाधिकारी डॉक्टर हर्षिता तिवारी ने विकासखंड रेवतीपुर के पटखौलीया गांव के आधे अधूरे बने पंचायत भवन में चौपाल लगाया। इस दौरान एसडीएम जमानियां डॉ हर्षिता तिवारी ने गांव की तमाम समस्याओं को समझा उस दौरान ग्राम सचिव रजनीकांत पांडे व ग्राम प्रधान गमगम बिंद भी मौजूद रहे। गांव के कई लोग अपनी अपनी समस्याओं को लेकर सीधे उप जिलाधिकारी से मिले और उप जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं के निवारण के आदेश दिए। यहां

डॉ. हर्षिता तिवारी
एसडीएम, जमानियां

रजनीकान्त पांडे
ग्राम सचिव

आर्यका अखौरी
जिलाधिकारी, गाजीपुर

गमगम बिंद उर्फ हेमराज बिंद
ग्राम प्रधान

आवेदनकर्ता का विवरण

नाम	[illegible]	[illegible]	[illegible]
आवासीय पता	ग्राम - पटखौलिया धाना - सुहवल ब्लॉक - रेवतीपुर तहसील - जमानियां जिला - गाजीपुर , उत्तर प्रदेश		

भ्रष्टाचार/अनियमितता में लिप्त अधिकारी का विवरण जिसके विरुद्ध शिकायत की जा रही है.

अधिकारी का नाम	खंड विकास अधिकारी रेवतीपुर और हेमराज बिंद प्रधान पटखौलीया	पद	जनपद : गाज़ीपुर ब्लाक : रेवतीपुर()

आवेदन का विवरण

संदर्भ दिनांक	26-06-2023	ऑडियो/वीडियो का लिंक	https://youtu.be/Isrwh1p5uQE
आवेदन का विवरण	सेवा में श्रीमान माननीय लोकप्रिय मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश विषय खंड विकास पदाधिकारी को देने के नाम पर ग्राम प्रधान गांव वालों से लेता है अवैध रुपया महोदय ग्राम पट खौलिया ,थाना सुहवल , ब्लॉक रेवतीपुर तहसील जमानियां जिला गाजीपुर , उत्तर प्रदेश के ग्राम प्रधान गमगम बिंद उर्फ हेमराज आवास और शौचालय बनाने के लिए खंड विकास अधिकारी रेवतीपुर को देने के नाम पर गांव वालों से अवैध रुपया लेता है। गांव वाले डर के मारे किसी के पास शिकायत नहीं कर पा रहे हैं। आवास बनाने के नाम पर जितनी बार भी सरकार के द्वारा किश्ती आती है उतनी बार ग्राम प्रधान हेमराज के द्वारा गांव वालों से घुसकर रुपया लिया जाता है। इसके अलावा पटखौलीया गांव में जो पंचायत भवन बन रहा है उसमें भी बड़े पैमाने पर धांधली और भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी जांच अति आवश्यक है। माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह है कि पूरे उत्तर प्रदेश में विकास की बहार है बहुत अच्छा काम सरकार के द्वारा किया जा रहा है परंतु गाजीपुर के विकासखंड रेवतीपुर के जो अधिकारी हैं वह लगातार ग्राम प्रधानों के साथ मिलीभगत करके सचिव के साथ मिलीभगत करके गांव वालों को लूटने का काम कर रहे हैं गांव वालों से अवैध धन उगाही कर रहे हैं कृपया हमें इन सभी चीजों से छुटकारा दिला दें और भ्रष्ट अधिकारी और भ्रष्ट ग्राम प्रधान के खिलाफ ठोस कार्रवाई करके उन्हें जेल भेजा जाए। httpsyoutu.beBTV9kQZPfBU httpsyoutu.bey_tFNXurvrg सागर कुमार ग्राम पटखौलिया धाना सुहवल ब्लॉक रेवतीपुर तहसील जमानियां जिला गाजीपुर उत्तर प्रदेश		

पर ध्यान देने वाली बात यह है कि जिले की तेज तर्रार और डॉक्टर हर्षित तिवारी ने गांव के सभी छोटे बड़े मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन तो दिया परंतु केवल सच के द्वारा किए गए स्टिंग ऑपरेशन में गांव वालों ने स्पष्ट रूप से प्रधान के खिलाफ शिकायत की थी कि प्रत्येक सरकारी आवास बनवाने के लिए ग्राम प्रधान पैसे मांगते हैं, इस बारे में एसडीएम जमानियां डॉक्टर हर्षित तिवारी ने कोई भी कार्रवाई नहीं की। और ना ही इस संबंध में किसी प्रकार के जांच के आदेश ही दिए। केवल सच के द्वारा लगातार उनसे संपर्क करने की कोशिश की जा रही है लेकिन एसडीएम जमानियां ना तो हमारा फोन रिसीव कर रही हैं और ना ही हमें कोई जानकारी दे रही हैं फिलहाल केवल सच ने इस मामले को जिले की जिलाधिकारी आर्यका अखौरी महोदया को सूचित कर दिया है।

बताते चलें कि इस संबंध में हमने उत्तर प्रदेश के जनसुनवाई समाधान पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई थी और उस हेतु विकासखंड रेवतीपुर के एडीओ पंचायत गांव में जांच करने के लिए गए थे परंतु मामले में पूरी तरह से लीपापोती कर के प्रधान के पक्ष में जांच को मोड़ दिया गया। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर कब तक इस तरह के भ्रष्ट ग्राम प्रधान जनता के पैसे को लूटते रहेंगे और शासन की योजनाओं को ग्रामीण जनता तक पहुंचाने का दावा और वादा करने वाले अधिकारी ही इन भ्रष्ट और अपना जमीर बेच चुके ग्राम प्रधानों को बचाते रहेंगे? क्या उत्तर प्रदेश सरकार ऐसे ही करेगी विकास? क्या ग्रामीण जनता होती रहेगी इन ग्राम प्रधानों और अधिकारियों के दोहन का शिकार? ●

प्रधानमंत्री के सपनों को साकार कर रहे सांसद संजय सेठ

● गुड्डी साव

रांची के सांसद संजय सेठ द्वारा 14 लाख की लागत से चंद्रवंशी समाज के भवन का निर्माण किया गया। संजय सांसद सेठ ने कहा कि समाज के लिए चंद्रवंशी समाज बहुत ही अच्छे कार्य कर रही है सामाजिक कार्य के साथ गरीब बच्चों की शादी से लेकर कई कार्य समाज का अपना भवन होने से किए जाएंगे साथ ही चुटिया स्थित हजारीबाग फर्नीचर के समीप 500 फीट पीसीसी सड़क निर्माण का भी उद्घाटन किया गया। सांसद संजय सेठ द्वारा उनके पहले कार्यकाल में लोकसभा क्षेत्र के एक सौ श्मशान घाट का निर्माण एवं सौंदर्य करण का लक्ष्य निधारित किया जा चुका है जिसे तेजी के साथ सफल किया जा रहा है सांसद संजय सेठ ने कहा कि इस मौके पर उन्होंने रांची लोकसभा क्षेत्र में केंद्र सरकार के सहयोग से लगभग 1000 करोड़ रुपए से अधिक राशि के विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

रांची के रातू रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर का काम सांसद संजय सेठ के निर्देश पर शुरू हो चुका है लोगों को झारखंड की कला सांस्कृतिक को देखने का अवसर मिले इस कार्य को पूरा करने के लिए नागपुर के एजेंसी से संपर्क की गई है इस साज-सज्जा में लगभग 2.5 करोड़ रुपए का खर्च आने तक की आशा है इस कॉरिडोर को 5 जोन में बांटा गया है सांसद संजय सेठ ने बताया कि मार्च 2024 तक यह कॉरिडोर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा जिससे कि यहां पूरी झारखंड की झलक देखने को मिलेगी।

आयुष्मान भारत के इलाज में सदर अस्पताल पूरे देश में तीसरे नंबर पर आया है इस बड़ी उपलब्धि के बाद सांसद सेठ ने रांची के सदर अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सहित सभी चिकित्सकों और आयुष्मान भारत की पूरी टीम को सम्मानित किया साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना ऐसे ही परिवारों के लिए लाई है जहां 500000 रू० तक का इलाज निशुल्क किया जाता है कई अस्पतालों में यह उपचार शुरू हुआ है परंतु सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने इसे जमीन पर उतारने का काम किया है आयुष्मान भारत योजना ने देश के लाखों परिवार को जीवनदान दिया है पैसों के अभाव के कारण कई व्यक्ति इलाज नहीं करा पाते प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इन सभी बातों को सोचते हुए आयुष्मान भारत योजना निकाला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सांसद संजय सेठ ने लोकसभा सत्र के पहले दिन नई दिल्ली में मुलाकात की इस मुलाकात के दौरान सांसद सेठ ने उन्हें रांची में संपन्न हुए लोकसभा स्तरीय सांसद सांस्कृतिक महोत्सव की कॉफी टेबल बुक अवलोकन हेतु भेंट की सांसद सेठ ने कहा की प्रधानमंत्री जी ने अपने आशीर्वाद में कहा है कि ऐसे आयोजन से हम समाज के हर वर्ग से जुड़ते हैं और रांची लोकसभा क्षेत्र को अपना प्यार आशीर्वाद दिया है साथ ही शुभकामनाएं भी दी है।

नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की सांसद संजय सेठ ने रांची लोकसभा क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार नई ट्रेनों के परिचालन और कई ट्रेनों के फेरे बढ़ाने का आग्रह किया साथ ही सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री को रांची पटना वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए धन्यवाद भी कहा साथ ही रांची हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पर चर्चा भी की इस चर्चा के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री ने सांसद को बताया कि इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन बहुत जल्द ही आरंभ कर दिया जाएगा रांची और बनारस के बीच भी वंदे भारत ट्रेन का परिचालन करने का आग्रह किया संजय सेठ ने साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि बनारस देश की सांस्कृतिक राजधानी है और बड़ा व्यवसायिक केंद्र भी है झारखंड से प्रतिदिन लोग बनारस हजारों की संख्या में जाते हैं मगर ट्रेनों की सुविधा नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानी होती है इसके अलावा सांसद सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री से 10 वर्षों से चलने वाली साप्ताहिक और विभिन्न ट्रेनों के फेरों को बढ़ाए जाने का आग्रह भी किया। ●

बहरा राजा, बहरी प्रजा, बहरा पूरा देश है
तुम फूलन बन जाओ बेटियों बस यही रास्ता शेष है

● गुड्डी साव

वीरांगना फूलन देवी के बाद मणिपुर की घटना देश-दुनिया को शर्मसार कर गया। इस विषय पर क्या लिखूँ। यह कैसा विचित्र पुरुष समाज है, जिस कोख से जन्म लेता है उसे ही नोच डालता है। यह कैसी हैवानियत है, अमानवीय कृत्य है। मणिपुर से आई महिला उत्पीड़न व हिंसा की तस्वीरें हृदय को विचलित करने वाली है। यह घटना इंसानियत को शर्मसार करने वाली है, जो बेहद निंदनीय है। महिलाओं को नग्न घुमा कर उसके साथ मारपीट, बलात्कार, योनियों में हाथ डालना, इससे गंदा घटिया शर्मनाक बात हमारे देश के लिए और कुछ नहीं हो सकती है। मौत से कहीं ज्यादा बद्तर और भयानक है। मर्दो की भीड़ में औरतों के शरीर को नोचते हुए उनकी परेड करवाना और कितने नीचे गिरेंगे लोग। सरकार की तो भारत देश में नारा है कि' बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'। सरकार बताए कि बेटियां बच कहां रही है, जो बेटियां पढ़ेगी। इस जनरेशन से पहले की जनरेशन बेहतर थी, जब बेटियां कुछ हद तक महफूज रहती थी। आज की सरकार जितना भी सोचती है कि भारत को तरक्की की ओर लेकर जाए बेटियां चाहे नाबालिक हो चाहे 50 वर्ष की महिलाएं। वह तो पीछे ही रह गई है। कलयुग के महाभारत के द्रोपदी के साथ चीर हरण हुआ, वह इतिहास रचा गया। अब जो हो रहा है मणिपुर जैसी घटना, जो कि शर्मसार कर देने वाली है। उससे क्या रचा जाएगा? हमेशा जो भी कुछ गलत हो रहा है। देश की बेटियों महिलाओं के साथ ही क्यों? उसकी आखिरकार वजह क्या है? क्या इसी दिन को देखने का सौभाग्य भारत को मिला, जिसके कारण देश के कई नेताओं ने अपनी कुर्बानी देकर भारत देश को आजाद करवाया था। चाहे वह केंद्र हो या राज्य, हर जगह बहू-बेटियां कहीं 35 टुकड़ों में तो कहीं 40 टुकड़ों में तो कहीं गैंगरेप तो कहीं जिंदा जलाई जा रही है और कहीं निर्वस्त्र कर परेड करवाया जा रहा है। आखिरकार बहू-बेटियां ही क्यों सूली पर चढ़ रही है? क्या सरकार चाहती है कि बहू-बेटियों का नाम इस देश से मिट जाए। अगर नहीं तो जिस राज्य में इस तरह की घटना बहू बेटियों के साथ हो रही है, वह दिनों दिन बढ़ क्यों रही है? आज बेटियां घर से बाहर जब निकलती है तो उस बेटी के माता-पिता के दिनभर की परेशानी वह बेटी बनी हुई रहती है कि मेरी बेटी सही सलामत घर वापस आ भी पाएगी या नहीं, कहीं शाम को कुछ मनहूस खबर ना सुनने को मिले।

बात करते हैं मणिपुर में हुई अजीब दर्दनाक घिनौनी और नफरत से भरी वारदात के बारे में, जहां दरिंदों के एक ग्रुप ने एक गैंग ने 2 महिलाओं के साथ ऐसी ज्यादती की। जिसे सुनकर किसी भी इंसान का सर शर्म से झुक जाएगा। 2 महिलाओं को बिल्कुल निर्वस्त्र कर के उन दरिंदों ने कई किलोमीटर तक परेड करने के लिए अपने साथ चलने के लिए मजबूर किया। उनके साथ यौन उत्पीड़न करते रहे, गैंग रेप करते रहे और उनकी आंखों के सामने उनके पिता और भाई की हत्या कर दी गई।

शुरुआत हुई यूं कि मई महीने के शुरुआत में मणिपुर के हाईकोर्ट ने मैतई प्रजाति को एसटी कास्ट में शामिल किया था। कहा जाए तो एसटी का दर्जा दिया गया और इसी के अगेंस्ट एक और प्रजाति है, जिसका नाम है कुकी प्रजाति। यह जो प्रजाति है अनुसूचित जनजाति के अंदर ही आते हैं, मगर कुकी के जो प्रजाति है इनको इस बात से बुरा लगा। उन्होंने इस बात को अपने स्वाभिमान में ले लिया। मणिपुर में जो 3 महीने से लड़ाई चल रही है, मणिपुर पूरे आग में जल रही है, यह लड़ाई मैतई और कुकी दो प्रजातियों के बीच में है। 4 मई को जो 2 महिलाओं के साथ निंदनीय वारदात हुई वह मैतई प्रजाति वालों ने कूकी प्रजाति के साथ किया। वह भी पुलिस वालों के सामने की घटना है। आखिर कर पुलिस के सामने इतनी घिनौनी वारदाते हुई और वह पीठ दिखाकर चुप रहे। क्या यही है पुलिस की ड्यूटी? इसी जगह अगर उनकी अपने मां-बहने होती तो वह चुपचाप तमाशा देख रहे होते क्या? अब तो सरकार और पुलिस पर से पूरे देश के लोगों का विश्वास उठ चुका है। ऐसा ना हो कि लोग न्यायालय से न्याय ना मांगकर खुद ही न्याय करने लगे। बदले की भावना में पुलिस प्रशासन के मौजूदगी में भी 800 से 1000 लोगों ने इन लड़कियों महिलाओं के वस्त्र हटाकर इनको नग्न करके कई किलोमीटर तक परेड करवाया। अब सोचिए, हम किस देश में रह रहे हैं? किस समाज में रह रहे हैं? क्या मतलब है ऐसी पढ़ाने का? बच्चों को ऐसी शिक्षा का? जो शिक्षित तो हो जा रहे हैं, मगर जो बेसिक शिक्षा एक इंसान को होनी चाहिए वह हो नहीं रही है। आठ सौ से एक हजार लोगों में एक का भी जमीर ने गवाह नहीं दिया कि कितनी गंदी हरकत को हम अंजाम दे रहे हैं। इस घटना की जो एफआईआर है वह एक से डेढ़ महीने के बाद हुई। जब-जब ऐसी हिंसा हुई है औरतों को ही घसीटा जाता है। औरतों के साथ ही ऐसा गंदा दुर्व्यवहार क्यों? इतिहास उठाकर देखें तो जब-जब हिंसा हुई है, तब-तब औरतों के साथ ही इतना गंदा दुर्व्यवहार किया गया है। ऐसी घटना को अंजाम देने वालों के लिए एक ऐसा न्याय की प्रावधान किया जाना चाहिए कि अगली बार से ऐसी हरकत करने से पहले हजार बार यह लोग सोचे कि ऐसा कर लिया तो हमारा क्या अंजाम होगा? मैं एक महिला होने के नाते सरकार से यही चाहूंगी कि ऐसे लोगों के लिए ऐसा न्याय लाना चाहिए कि सीधा ऑन द स्पॉट तुरंत गोली मारे या एनकाउंटर किया जाए। कोई केस मुकदमा नहीं, तभी जो है महिलाओं पर कुछ हद तक अत्याचार कम हो सकता है। ●

हंगामे के बीच विधानसभा का पांचवाँ मानसून सत्र संपन्न

● **भारती मिश्रा**

झारखंड विधानसभा का पंचम मानसून सत्र सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के एक दूसरे के प्रति आरोप प्रत्यारोप एवं हंगामे के बीच संपन्न। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से प्रारंभ होकर 4 अगस्त को संपन्न हुआ। यह सत्र काफी छोटा रहा लेकिन काफी हंगामेदार रहा जहां सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के विधायक एक दूसरे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन एवं नारेबाजी करते नजर आए। एक ओर जहां विपक्ष झारखंड सरकार की लचर विधि व्यवस्था पर एवं अन्य मुद्दे पर घिरती नजर आई तो वही सत्ता पक्ष मणिपुर के मामले में भाजपा एवं केंद्र सरकार पर निशाना साधा। झारखंड विधानसभा की गेट नंबर 4 की सीढ़ियां मानसून सत्र के कार्यकाल में सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए धरना प्रदर्शन स्थल बना रहा जहां वे एक दूसरे के खिलाफ धरना प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी करते नजर आए। एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर पूरे सत्र के कार्य दिवस में सदन में जाने के पूर्व चलता रहा। सत्ता पक्ष जहां मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए शर्मनाक घटना का विरोध करते नजर आए और इसके लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करते हुए राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। केन्द्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मणिपुर जल रहा है एवं केंद्र सरकार मौन है। वहां मानवता तार-तार हो रही है पर प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं, तो इधर विपक्ष पार्टी भी जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोप लगाते नजर आए कि मणिपुर के मामले में उसे संभालने के लिए वहां के मुख्यमंत्री हैं प्रशासन है। झारखंड सरकार अपनी राज्य की चिंता करें जहां विधि व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। महिला अपराध की घटना बढ़ गई है। अपराधी बेखौफ हो गए हैं दिनदहाड़े गोली मार हत्या की जा रही है प्रशासन इसे रोकने में नाकाम है। सरकार नियोजन नीति अब तक लागू नहीं कर पाई है। युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। सरकार के ढुलमुल नीति के कारण विकास का कार्य बाधित है। सत्ता पक्ष के द्वारा सदन में मणिपुर के मामले में चर्चा की मांग को लेकर भाजपा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सत्ता पक्ष मणिपुर के मामले में राजनीति कर रही है। जब गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि केंद्र सरकार में मणिपुर के मामले में चर्चा करने को तैयार है ,तो फिर झारखंड में चर्चा की मांग का क्या औचित्य है। झारखंड में चर्चा करानी है तो राज्य की विधि व्यवस्था की चर्चा हो, अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, हत्या को अंजाम देने में सफल हो जा रहे हैं, रंगदारी वसूल रहे हैं, और भ्रष्ट अधिकारी उनकी सेवा में लगे और उनके पैसे की वसूली कर ऊपर तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने गिरेबान में झांककर देखें तो पूरे संथाल परगना में आदिवासी की दुर्गति हो रही है। उन्हे इसकी चिंता करनी चाहिए और मुख्यमंत्री झारखंड जन मुद्दे पर बात करने की बजाय मणिपुर के मामले में राजनीति कर रही है। मणिपुर में जो घटना हुई है उसे कोई भी समाज सही करार नहीं दे सकता पर उस पर राजनीति करना भी उचित नहीं है।

पूरे सत्र में कुल 6 बैठकें हुई जिसमें विनियोग विधेयक समेत कुल 8 विधेयक सदन द्वारा पारित किए गए। 131 अल्प सूचित प्रश्न एवं 223 तारांकित प्रश्न स्वीकृत हुए। इसमें से 9 अल्प सूचित प्रश्न के सदन में उत्तर दिए गए विभागों से 125 अल्प सूचित प्रश्न के उत्तर प्राप्त हुए। 218 तारा अंकित प्रश्नों एवं 6 अल्प सूचित प्रश्नों के तथा पांच तारा की प्रश्नों के उत्तर विभागों के पास लंबित है। 113 शून्य कार्य स्वीकृत हुए 25 ध्यानाकर्षण सूचनाओं में से 5 ध्यानाकर्षण प्रश्न के जवाब दिए गए शेष लंबित ध्यानाकर्षण सूचना एवं प्रश्नों को ध्यानाकर्षण समिति को दे दिया जाएगा।

झारखंड विधानसभा के पहले दिन विभिन्न राजनेताओं सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न घटनाओं में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बजट सत्र से मानसून सत्र के बीच जिन लोगों की मृत्यु हुई उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। सदन में झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो सहित अन्य विभूतियों को श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा प्रस्ताव के दौरान 20 अप्रैल को जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले में बलिदान हुए 5 जवानों, बालासोर रेल हादसे में मारे गए लोगों और मणिपुर में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई गई। सभी औपचारिकताओं के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को सोमवार पूर्वाहन 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

मानसून सत्र के 6 दिन के कार्यकाल में पक्ष और विपक्ष के हंगामों के बीच कई बार सदन के कार्य को स्पीकर रवींद्रनाथ महतो को स्थगित करना पड़ा। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष कई मामलों को लेकर स्पीकर के आसन के समीप नारेबाजी करते नजर आए यहां तक की एक दूसरे को ललकारते हुए करने के लिए भी दौड़े। मामला जामताड़ा के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी का है जिनके द्वारा अनुपूरक बजट पेश करते समय एक टिप्पणी की गई थी। यह टिप्पणी बाबूलाल मरांडी के संदर्भ में थी इरफान अंसारी के द्वारा कहा गया की आदिवासी कब से इतना तेज हो, गए उनके इस टिप्पणी को लेकर भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया और कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी से कान पकड़कर माफी मांगने तक की बात कही। यहां तक की भाजपा विधायक शशि भूषण मेहता इरफान अंसारी की तरफ ललकारते हुए मारने के लिए दौड़े, अन्य विधायकों के द्वारा बीच-बचाव कर उन्हें रोका गया इससे स्पीकर रविंद्र नाथ महतो काफी नाराज हो गए एवं उनके इस बर्ताव को सदन के मर्यादा के खिलाफ बताया। उनके इस बर्ताव के लिए मार्शल से उन्हें बाहर करने को कहा। इरफान अंसारी के इस बयान को लेकर भाजपा विधायकों ने कहा उनके इस तरह की टिप्पणी से आदिवासी की भावनाओं को ठेस पहुंची है। संसदीय कार्य मंत्री को इरफान अंसारी के इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने इरफान अंसारी के इस टिप्पणी के संदर्भ में कहा कि इरफान अंसारी का इरादा किसी के भावनाओं को आहत करना नहीं था, फिर भी अगर किसी को उनके इस पर टिप्पणी से ठेस पहुंची है तो मैं उसके लिए माफी मांगता हूँ, लेकिन विपक्ष के विधायक को भी सदन में अपने इस तरह आचरण के लिए माफी मांगनी चाहिए। सदन के दूसरे दिन भी सत्ता पक्ष के विधायक सुदिव्या कुमार और भाजपा विधायक अमर बावरी एक-दूसरे से उलझ गए। सुदिव्य कुमार जहां मणिपुर के मामले को उठाया वही अमर बावरी ने धनबाद का एक मामला उठाया और कहा कि धनबाद एसपी को अपराधी खुली चुनौती देती है और झारखंड सरकार इस मामले में कुछ नहीं करती है। स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने दोनों को रोकते हुए सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाई।

सदन में हो हंगामा के साथ के साथ सदन की कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने 11988 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। जिसे विधानसभा से पारित किया गया। मानसून बजट सत्र 2023 में कुल 8 विधेयक सदन द्वारा पारित किए गए। सीवी रमन ग्लोबल विश्वविद्यालय विधेयक, कारखाना झारखंड संशोधन विधेयक, आरोग्य इंटरनेशनल विश्वविद्यालय विधेयक, झारखंड अधिवक्ता कल्याण समिति संशोधन विधेयक, झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, मॉल सेवा कर संशोधन विधेयक एवं प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक 2023 सदन द्वारा पारित किया गया। जिसमें कुछ विधेयक विवादास्पद रहे जिनको लेकर सदन में विपक्षी पार्टी के द्वारा हंगामा किया गया प्रवर समिति में भेजने की मांग की गई।

झारखंड कारखाना संशोधन विधेयक के पारित होने से अब महिलाएं भी रात के समय कारखाना में काम कर पाएंगी। उसके लिए प्रबंधन को उनके सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम करना होगा। तो वही अब स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के कुलपति मुख्यमंत्री होंगे। इस बिल के बारे में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि झारखंड के अलावा बिहार में भी विश्वविद्यालय के कुलपति वहां के मुख्यमंत्री होते हैं। विपक्षी पार्टी के द्वारा इस बिल को प्रवर समिति में भेजने की मांग की गई। झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक को सदन द्वारा ध्वनि मत से पारित किया गया।

झारखंड प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक 2023 (झारखंड प्रतियोगिता परीक्षा भर्ती अनुचित साधनों की रोकथाम एवं निवारण) सबसे विवादित विधेयक रहा। इस विधेयक मे परीक्षार्थी के अलावा परीक्षा की प्रक्रिया में शामिल होने वाली एजेंसियां, सरकारी कर्मचारियों द्वारा प्रश्न पत्र लिक करने या कराने, परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाली जानकारियों को सार्वजनिक करने, परीक्षा ड्यूटी में शामिल कर्मचारियों या, उनके पारिवारिक सदस्यों या, रिश्तेदार को धमकी देना, परीक्षा के सिलसिले में गलत सूचना प्रसारित करने एवं अफवाह फैलाना, परीक्षार्थी को नकल करते और कराते हुए पकड़ा जाना, दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है इस विधेयक के अनुसार अगर कोई भी छात्र, छात्र के रिश्तेदार परीक्षा एजेंसी, प्रिंटिंग प्रेस परीक्षा संचालन के लिए अनुबंधित किया प्रबंधन तंत्र, परीक्षा के बाद प्रश्न पत्र लूटने चोरी करने या ओएमआर शीट नष्ट करने, परीक्षा प्राधिकरण के साथ षड्यंत्र, परीक्षा कदाचार से संबंधित कोई भी गतिविधि करते पाये जाने या शक के आधार पर गैरजमानती प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। साथ ही पहली बार नकल करते पकड़े जाने पर 1 साल सजा एवं 5

लाख जुर्माना तथा दूसरी बार नकल करते पकड़े जाने पर 3 साल की सजा एवं 10 लाख का जुर्माना का प्रावधान है, तथा परीक्षा एजेंसियों के लिए आजीवन कारावास से लेकर 10 करोड़ तक का जुर्माना का प्रावधान है। इस विधेयक को लेकर सदन में जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी पार्टी इस विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग कर रही थी। उनके अनुसार यह विधेयक परीक्षार्थियों के लिए काला कानून के बराबर है। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा ने राज्य में 20 साल तक नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह विधेयक छात्रों के हित में है। जिसे अन्य राज्यों ने भी अपनाया है। इसे हड़बड़ी में नहीं बनाया गया है। चिंतन और मंथन कर बनाया गया है। सरकार नौजवानों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प ले रही है। हमें मजबूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए और पारदर्शिता से प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन करना चाहिए, ताकि राज्य के नौजवानों का भविष्य बेहतर हो सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एक छात्र नकल करता है। तो लाखों नौजवान प्रभावित होते हैं जहां भी जिस स्तर पर कदाचार होगा कार्रवाई होगी। प्रतियोगिता परीक्षा मे कदाचार अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा के विधायकों ने इस विधेयक का सदन में विरोध किया एवं उसे फाड दिया। वह इस विधेयक के लिए राज्यपाल से भी जाकर मिले और अपनी बात रखी । इस विधेयक के बारे में बात करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा इस विधेयक का सड़क से सदन तक विरोध करेगी, क्योंकि इस विधेयक के प्रावधान देशद्रोह, पॉक्सो, एसटी - एससी अत्याचार निवारण जैसे कानून से भी ज्यादा ताकतवर है। जिसमें सवाल खड़े करने वाले अभ्यर्थी पर 10 साल का जुर्माना एवम् बिना प्रारंभिक जांच के एफआईआर दर्ज करने, बिना जांच गिरफ्तार करने और किसी भी भवन में घुसकर तलाशी लेने का सख्त प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यह छात्रों को जेल भेजने के लिए लाया गया काला कानून है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार की इस विधेयक के प्रति नियत साफ नहीं है। यह सरकार लगातार प्रतियोगिता परीक्षा में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड में सिविल सेवा की परीक्षा में एक ही परीक्षा केंद्र से एक ही क्रम वाले रोल नंबर के अभ्यर्थी के उत्तीर्ण होने का मामला उजागर हो चुका है। इसी तरह जूनियर इंजीनियर की बहाली में पेपर आउट करने का आरोप संस्थान पर लगा है। इस भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की भरपूर कोशिश की गई है, लेकिन प्रबल विरोध के बाद सरकार ने गलती स्वीकारी दबाव में कुछ नाम भी हटाए गए, लेकिन आज तक उसे परीक्षा की ओएमआर शीट जारी नहीं की गई । विधायक अनंत ओझा ने भी इस विधेयक को काला कानून बताया। विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि 40% छात्र गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं। धान बेचकर फॉर्म भरते हैं गरीब अब छात्राएं जाने अनजाने में अगर पदाधिकारियों के संयंत्र का शिकार हो जाते हैं तो उनका कैरियर खत्म हो जाएगा। विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि हड़बड़ी में लाया हुआ विधेयक है। इस विधेयक को लेकर छात्र-छात्राएं सड़क पर उतरेंगे। वही विधायक अमित मंडल ने इस विधेयक की तुलना ईस्ट इंडिया की रोलेट एक्ट से किया और प्रवर समिति भेजने की मांग की।

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन समापन अभिभाषण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि, हम हजारों पदों पर नियुक्ति कर चुके हैं वही 40 से 50 हजार पदों पर और नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ा चुके हैं। मैं इस बात की गारंटी देता हूं कि सिर्फ और सिर्फ झारखंडियों को ही रोजगार एवं स्वरोजगार दूंगा। यह भी कहा कि नियुक्ति मैं जो 15-20 फीसदी बाहर के लोग आ रहे हैं उसे भी रोकेंगे। मुख्यमंत्री ने मणिपुर के मामले में कहा कि वहां की आदिवासी समाज उत्पीड़न का शिकार हो रही है, और सरकार चुपचाप तमाशा देख रही है। वन संरक्षण नियमावली में पिछले वर्ष ग्राम सभा के अधिकार को छीन लिया गया, और फिर लोकसभा के चल रहे मानसून सत्र में वन संरक्षण कानून में केंद्र सरकार ने ऐसे संशोधन कर दिए कि भविष्य में आदिवासियों से उनका जंगल ही छीन लिया जाएगा। लेकिन मैं ना तो पिछले साल के संशोधित नियमावली को झारखंड राज्य में लागू होने दिया और ना ही अभी तक कानून में बदलाव किया। आदिवासियों को उनके जंगल से बेदखल करने की केंद्र सरकार के मंसूबे को सफल नहीं होने दूंगा।

मानसून सत्र के समापन अभिभाषण में स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने कहा कि लोकतंत्र में पक्ष विपक्ष दोनों ही महत्वपूर्ण होते हैं। वैचारिक मतभेद के बावजूद पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य के लिए राज्य की जनता के कल्याण का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि आम लोग ही अंतिम संप्रभुता निवासी होते है। और इस सदन में हम सभी की उपस्थिति उनके प्रतिनिधि के रूप में प्रतिबिंबित होती है। आशा है कि सभी सदस्य इस सत्र का ज्यादा से ज्यादा उपयोग अपनी-अपने क्षेत्र की जनता के कल्याण में करेंगे। स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने कहां कि माननीय सदस्य यह सत्र छोटा था और इस छोटे सत्र में आप लोगों के सहयोग से कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा सके झारखंड विधानसभा के समेकित प्रयास से राज्य सरकार द्वारा अपने कर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को मूर्त रूप प्रदान करने का कार्य किया गया है यह विधानसभा समिति की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। परंतु इस सत्र में आपसी समझ और पारस्परिक सौहार्द की कमी रही है इसे और अधिक बढ़ाई जा सकती थी। मुझे आशा नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आगामी सत्रों में आप सभी माननीय सदस्य गण का सकारात्मक एवं सक्रिय सहयोग मुझे प्राप्त होता रहेगा। आने वाला माह त्योहारों का है मैं राज्य की समस्त जनता को विश्व आदिवासी दिवस स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबधन जन्माष्टमी, गांधी जयंती, मिलाद-उल-नबी, दशहरा, दिवाली, एवं छठ की मंगल कामनाओं के साथ सभा की कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करता हूं। ●

माकपा नेता सुभाष मुंडा हत्याकाण्ड का पुलिस ने किया खुलासा

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में 26 जुलाई को नगड़ी थाना क्षेत्र में माकपा नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दलादली मौजा स्थित 119 डिसमिल जमीन को लेकर छोटू खलखो ने 15 लाख रुपये की सुपारी देकर कराई थी हत्या। मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार। इनमें लालगुटवा का रहने वाला छोटू खलखो, अभिजीत कुमार और रातू का रहने वाला विनोद कुमार शामिल हैं। अन्य शूटर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। रिंग रोड स्थित दलादली में माकपा नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड की गुत्थी रांची पुलिस ने सुलझा लिया है। रांची पुलिस ने मास्टरमाइंड छोटू खलखो उर्फ छोटू उरांव समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर गठित टीम ने मामले का उद्भेदन किया है। गिरफ्तार आरोपियों में छोटू खलखो, विनोद कुमार उर्फ कन्हैया और अभिजीत कुमार पाड़ी शामिल है। उक्त जानकारी प्रेसवार्ता में एसएसपी किशोर कौशल ने दी। उन्होंने कहा कि शूटरों को 16 डिसमिल जमीन का प्रलोभन देकर हत्या की साजिश रची गई थी। पूर्व में 6 डिसमिल जमीन भी दिया गया। बाकी घटना के बाद 10 डिसमिल जमीन देने की बात हुई थी। इतना ही नहीं शूटरों को विनोद कुमार उर्फ कन्हैया द्वारा 3 लाख और छोटू द्वारा 1 लाख रुपये व 7.65 एमएम का देशी पिस्टल भी दिया गया था। हत्या को अंजाम देने के लिए 15 लाख रुपये की सुपारी तय की गई थी।

☞ **बबलू पासवान ने शूटरों को बुलाया था हत्या के लिए :-** एसएसपी ने बताया कि माकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या के लिए छोटू खलखो ने बबलू पासवान से बात की, इसके बाद दोनों शूटरों को बबलू ने हत्या के लिए बुलाया था। सुभाष मुंडा की हत्या की साजिश सभी आरोपियों के द्वारा मिलकर, विनोद महतो की शादी के समय से हो रही थी। लेकिन, आरोपियों को सही मौका नहीं मिल पा रहा था। इसी दौरान जब नया कार्यालय बना और सीसीटीवी कैमरा लगने से पूर्व हत्या की घटना को अंजाम दिया गया।

☞ **सुभाष मुंडा को अपराधियों द्वारा सात गोली मारी गई थी :-** पार्टी कार्यालय में 26 जुलाई की शाम घुसकर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर माकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या कर दी थी। अपराधियों ने सुभाष मुंडा को 7 गोली मारी, जिसके बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर उत्पात मचाया था। रातभर हंगामा करने के बाद दूसरे दिन रांची को बंद कराया गया था।

☞ **क्या है पूरा मामला :-** माकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या 119 डिसमिल जमीन विवाद में की गई है। नगड़ी इलाके के गुटुवा का रहने वाले जमीन कारोबारी छोटु खलखो ने साजिश रच कर किराये के हत्यारों से सुभाष मुंडा की हत्या करवा दी। इसपर राँची पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य युवक को भी हिरासत रखा गया। उससे भी पूछताछ जारी है। पूछताछ में हिरासत में लिए गए आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है, साथ ही शूटरों के सम्बंध में पुलिस को कई अहम जानकारी भी दी है।

☞ **119 डिसमिल जमीन के लिए दोस्तों ने ही रच डाली हत्या की साजिश :-** दरअसल रिंगरोड़ स्थित कंचन पेट्रोल पंप के पास 119 डिसमिल जमीन पर छोटु खलखो की नजर थी। उस जमीन को छोटु ने फर्जी कागजात के माध्यम से जमीन अपने करीबी के नाम करा लिया था। जमीन खरीदार मुंहमांगा कीमत देने की लिए तैयार था। लेकिन सुभाष मुंडा उस जमीन को नहीं बेचने दे रहा था। सुभाष उस जमीन में अड़चन डाले हुए था। सुभाष का कहना था गलत तरीके से जमीन नहीं बेचने देंगे। इससे तंग आकर छोटु ने खतरनाक साजिश रच डाली और उसके लिए सुभाष मुंडा के सबसे करीबी एक व्यक्ति को अपने साथ मिलाया। फिर सुभाष मुंडा को रास्ते से हटाने के लिए तीन महीने पहले से प्लान बनाने लगा। बताया जाता है की सुभाष मुंडा के जिस करीबी को छोटु ने अपने साथ मिलाया, उसके द्वारा ही सुभाष की गतिविधियों की जानकारी छोटु को दी जाने लगी। सुभाष मुंडा की हत्या की साजिश में छोटु ने विनोद महतो उर्फ कन्हैया,अभिषेक कुमार और अन्य लोगों को शामिल किया। उनसे कहा गया कि जमीन बिक्री के बाद जो पैसा मिलेगा सबको दिया जाएगा। वहीं छोटु ने साजिश में शामिल लोगों को बताया कि सुभाष मुंडा की हत्या के बाद और कई जमीन पर कब्जा कर वो लोग काम करेंगे और आगे खरीद बिक्री भी करेंगे, जिससे काफी कमाई होगी। ये सब प्रलोभन के बाद साजिश में शामिल लोग छोटु के साथ काम करने के लिए तैयार हो गए। वहीं छोटु ने साजिश के तहत जमीन को किसी दूसरे के नाम एग्रीमेंट भी कर दिया था, ताकि जब हत्या के बाद पुलिस जांच हो तो वो कहे कि जमीन तो हमने दूसरे को कबका दे दिया हैं।लेकिन पुलिस की जाल में फंसते ही छोटु ने पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया।

☞ **बीमारी का बहाना बनाने लगा,अस्पताल में भी भर्ती कराया गया :-** घटना के तीसरे दिन छोटु खलखो पुलिस के रडार में आ गया। उसे थाना बुलाकर पूछताछ करना शुरू किया तो उसने पहले घटना में शामिल होने से इनकार कर दिया। तीन- चार दिन तक रोज थाना बुलाकर पूछताछ किया, लेकिन वो इनकार करता गया। उसके बाद उसके दो साथी विनोद और अभिषेक को भी पुलिस ने उठाया। पूछताछ करने पर विनोद ने भी इनकार किया। लेकिन जब अभिषेक से कड़ाई से पूछताछ की गई तो हत्याकांड का राज खुलने लगा। उसके बाद छोटु खलखो से भी जब पुलिस ने अपने अंदाज में पूछताछ किया तो सुभाष मुंडा हत्या कांड का पर्दाफाश होने लगा। इसी बीच छोटु ने तबियत खराब होने का नाटक किया। फिर पुलिस ने उसे एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती भी कराया।

☞ **कांट्रैक्ट किलर से सम्पर्क कर दी गई सुभाष की हत्या की सुपारी :-** जब सुभाष की

हत्या के लिए शूटर की तालाश की जा रही थी, तो कई स्थानीय शूटरों से सम्पर्क करने की बात सामने आई, लेकिन सुभाष की हत्या करना आसान नहीं था। कोई तैयार नहीं हो रहा था। तभी साजिश में शामिल एक ने कुख्यात कांट्रेक्ट किलर बबलू पासवान उर्फ नागेश्वर के बारे में जानकारी दी। उसके बाद छोटु ने बबलू पासवान से सम्पर्क किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जब छोटु ने कुख्यात कांट्रेक्ट किलर बबलू पासवान उर्फ नागेश्वर से सम्पर्क किया, तो बबलू ने सुभाष की हत्या करने से मना कर दिया था। लेकिन जब छोटु ने मोटी रकम देने की बात की तो बबलू तैयार हो गया। उसके बाद बबलू ने बिहार के गया जिले के दो शूटर को राँची बुलाया था। छोटु ने बबलू को सुभाष की हत्या के लिए 15 लाख रुपये पर राजी किया था। वहीं चार लाख बबलू को एडवांस भी दिया था।

☞ **बिहार से आये दो पेशेवर शूटरों ने घटना को दिया अंजाम :-** पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गया जिले से आए दो शूटरों ने पहले बबलू पासवान के साथ मिलकर रेकी की, फिर घटना को अंजाम दिया और फिर बबलू ने दोनों शूटरों को राँची से भगा दिया था।

☞ **हंगामा में शामिल था साजिशकर्ता :-** बताया जाता है जिस दिन सुभाष मुंडा की हत्या हुई उस समय प्लान के तहत छोटु मेनरोड में घूम रहा था। जैसे ही उसे सूचना मिली कि सुभाष की हत्या हो गई है, और दलादिली चौक के पास रात में आगजनी, तोड़फोड़ और नारेबाजी होना शुरू हो गया है, उसी समय वह तुरंत छोटु उरांव एवं अपने अन्य सहयोगी के साथ हंगामा मैं शामिल हो गया। यही नहीं छोटू अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ था ताकि पुलिस को उस पर शक ना हो।

☞ **पुलिस की सफलता या विफलता से भाग गया अपराधी बबलू पासवान :-** बताया जाता है कि जब हत्या की घटना हुई उसके दूसरे दिन ही पुलिस ने बबलू पासवान को बुलाया था। लेकिन शातिर बबलू ने पुलिस को ऐसा झांसे में लिया कि पुलिस को यकीन नहीं हुआ कि बबलू इस हत्या कांड में शामिल हो सकता है। बबलू को जब भी पुलिस बुलाए वह तुरन्त जी हुजूर, सर कहकर थाना पहुँच जाए। पुलिस को लगा हो सकता है ये शामिल नहीं होगा। लेकिन जब छोटु और विनोद सहित अन्य को हिरासत में लेने की भनक बबलू को लगा तब बबलू राँची से भाग निकला। अब शूटरों की गिरफ्तारी में राँची पुलिस सिमडेगा राउरकेला और बिहार के गया में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। तीनों अपराधियों के पकड़ाने के बाद ही सुभाष मुंडा हत्या कांड की असली कहानी का पता चलेगा।

☞ **कौन है कुख्यात कांट्रेक्ट किलर बबलू पासवान उर्फ नागेश्वर :-** झारखण्ड और ओड़िशा के कुख्यात कांट्रैक्ट किलर है बबलू पासवान। बबलू पासवान उर्फ नागेश्वर झारखण्ड के खूंखार अपराधियों में गिना जाता है। बताया जाता है कि वो उग्रवादी संगठन टीपीसी का हेड भी है। वह राजधानी राँची के साथ-साथ गुमला, सिमडेगा और पड़ोसी राज्य ओड़िशा के सुंदरगढ़ एवं राउरकेला जिलों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। झारखण्ड के सिमडेगा जेल से छूटने के बाद उसने ओड़िशा को अपना ठिकाना बना लिया था। जमीन कारोबारियों से रंगदारी सहित अन्य घटना को अंजाम देने के लिए वह राँची में रह रहा था।

☞ **रातु के हुरहुरी का रहने वाला है बबलू पासवान :-** राँची के पास स्थित रातु के हुरहुरी का रहने वाला है मोस्ट वांटेड बबलू पासवान। इसके उसपर करीब तीन दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज है। बताया जाता है कि एक बार पुलिस ने मुठभेड़ में उसके साथी और पीएलएफआई के उग्रवादी जितेंद्र नायक के साथ बबलू पासवान को ओड़िशा में गिरफ्तार किया था। गंजाम और ब्रह्मपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करके ब्रह्मपुर कोर्ट परिसर में संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले बबलू पासवान को तीन गोलियां लगीं थी। दो गोलियां उसके दोनों पैरों में लगी थी। बता दें नगड़ी थाना क्षेत्र के दलादली चौक स्थित पार्टी कार्यालय में 26 जुलाई की शाम घुसकर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर माकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या कर दी थी। सुभाष मुंडा को अपराधियों द्वारा सात गोली मारी गई थी। इस वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर उत्पात मचाया था। दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़ की थी। वहीं कई झुग्गी-झोपड़ी को आग के हवाले कर दिया था। जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने नगड़ी थानेदार को निलंबित कर दिया था। ●

अपार्टमेंट के गार्ड की गर्दन काटकर कर दी बेरहमी से हत्या

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र के बसारगढ़ रोड नम्बर 3 में एक अपार्टमेंट के गार्ड विद्यानंद शर्मा (55 वर्ष) की बेरहमी से गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। चापर से प्रहार कर उसे मार डाला गया। मारा गया विद्यानंद मूल रूप से जहानाबाद का रहनेवाला था। वर्तमान में तुपुदाना में भगवान होटल के नजदीक अपने भाई के साथ रहता था। वह बसारगढ़ के ओम डेलपर्रास अपार्टमेंट में गार्ड की नौकरी करता था। हटिया DSP राजा कुमार मित्रा को जैसे ही इस घटना के बारे में पता चला, वो तुपुदाना के थानेदार मीरा सिंह के साथ मौके पर पहुंच गये। घटनास्थल के आसपास लगे CCTV को खंगाला गया। CCTV में पूरा घटनाक्रम कैद हो गया था। हत्यारे का चेहरा भी कैद हो गया था। हत्यारे की पहचान टेम्पो चालक संजय कुमार मिश्रा (45 वर्ष) के तौर पर की गई। वह मूल रूप से

खगड़िया के जमालपुर गोगरी थाना क्षेत्र के सिरनीया गांव का रहनेवाला है। वर्तमान में तुपुदाना ओपी क्षेत्र के बसारगढ़ रोड नंबर 2 में रहता है। DSP राजा कुमार मित्रा ने त्वरित कार्रवाई करते हुये उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार संजय ने अपना जुर्म कबूल करते हुए पुलिस को बताया कि वह और विद्यानंद अपार्टमेंट के बेसमेंट में बैठकर गांजा पी रहा था। इसी दौरान कुछ पुरानी बातें उठी। उसके बाद दोनों में तू- तू मैं- मैं होने लगी। इसी दौरान दोनों गांजा भी पी रहे था और बहस भी कर रहे थे। तभी गार्ड को सबक सिखाने का पहले से मन बना रखा संजय ने, गार्ड को पीछे से, धारदार हथियार से, गर्दन पर मारकर हत्या कर दि। आरोपी संजय ने बताया कि अपार्टमेंट के बेसमेंट में टेम्पो पार्किंग करने को लेकर भी दोनों में बकझक और झगड़ा होते रहता था। वहीं उसने एक दफा उसका दूध भी गिरा दिया था। इस वजह से पुरानी बातें याद होने से गुस्से में संजय ने गार्ड को मार डाला। आरोपी ने ये भी बताया की हर दिन दोनों साथ मे रात में गाँजा पीते थे। इस पूरे मामले का खुलासा सिटी एसपी सुभांशु जैन ने मीडिया के सामने प्रेस वार्ता में किया।●

जमीन विवाद में भाई ने भाई की कर दी हत्या

पहले शराब पिलाई, उसके बाद कर दी हत्या और शव को जंगल में दफना दिया

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जरेया मरीडीह में विगत दिनांक 13/12 /2022 को मरीडीह गांव के सोमा मुंडा की गुमशुदगी का नामकुम थाना में सनहा दर्ज किया गया था। जिसका खुलासा पुलिस ने कर लिया। सोमा मुंडा को जान से मार कर जरेया जंगल में दफाना दिया गया था। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को खोद कर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। सोमा को मारने वाले तीन लोग थे, जिसमें एक महिला भी शामिल थी। सम्पति देवी, शिम्बू मुंडा और जीत सिंह पाहन। पुलिस ने तीनो को गिरफ्तार कर लिया है।

☞ **मृतक के भाई ने थाने में कराया सनहा दर्ज, जताई हत्या की आशंका :-** इस मामले को लेकर मृतक के भाई ने नामकुम थाने में 13 दिसंबर को सनहा दर्ज कराया और बताया कि मेरा चचेरा भाई, जिसका नाम सोमा मुंडा है। वह पिछले कई दिनों से लापता है। वह अपने घर से पूरब की ओर निकला था और वह आज तक वापस नहीं आया। वह काला जैकेट, काला पजामा एवं सफेद रंग का जूता पहना हुआ था। मृतक मूल रूप से नामकुम थाना क्षेत्र का रहने वाला था। सूचना मिलने के बाद नामकुम थाना प्रभारी सह परिक्षयमान सहायक पुलिस अधीक्षक ऋत्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई एवं मामले का खुलासा करते हुए, दो आरोपी शिम्बू मुंडा और जीत सिंह पाहन को गिरफ्तार किया । इनकी निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को खोद कर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

☞ **गिरफ्तारी के बाद कबूला अपना जुर्म, बताया जमीन विवाद को लेकर हुई थी हत्या :-** गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त ने अपना जुर्म कबूला और बयान में बताया कि जमीन विवाद को लेकर इस हत्याकांड की घटना को अंजाम दिया गया था। अभियुक्त का नाम शिम्बू मुंडा, उम्र करीब 29 वर्ष है। बताया कि मैंने गरीबी के कारण पढाई-लिखाई नहीं कर पाया। मैं दो भाई हूँ। मेरे छोटा भाई का नाम दाशकम मुंडा है। हमारा परिवार अपने खानदानी जमीन पर खेती बारी कर अपना जीवकोपार्जन करते है। सोमा मुंडा हमारा बड़ा बाप का बड़ा बेटा है, जो हमारे पुस्तैनी जमीन पर आते रहता है और वह हजारीबाग में रहता था। अभी तक हमलोगो का पुस्तैनी जमीन का बटवारा नहीं हुआ है। सोमा मुंडा जमीन दलाल से मिलकर जरेया के पुस्तैनी जमीन को बेचने के लिए हजारीबाग से गावं आया था और वह हमलोग को हजारीबाग वाला जमीन में किसी प्रकार का कोई हिस्सा नहीं देना चाहता था।

☞ **आरोपी ने कबूला अपना जुर्म, बनाया था खतरनाक प्लान :-** पुलिस के समक्ष शिम्बू ने बयान दिया कि जमीन नहीं देने के बाद विवाद बढ़ते चला गया और विवाद इतना बड़ा की हत्या कर दी गई। बढ़ते विवाद से परेशान होकर मैंने सोमा मुंडा को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। प्लान इस प्रकार था की एक गाव की ही विधवा महिला सम्पति देवी है, जो महुआ व हडिया बेचती है। उसको मैंने बोला की तुम दारु पिलाने के बहाने सोमा मुंडा को जरेया जंगल लेकर चलना और उसके बाद हमे इसकी सुचना देना। ये प्लान मैंने अपने गावं के ही मित्र एवं ममेरा बड़ा भाई जीत सिंह पाहन को सारी बात बताई और उससे बोला की तुम सोमा मुंडा को रास्ते से हटाने में हमारी मदद करोगे तो तुम्हारा भी पुस्तैनी जमीन विवाद को सुलझाने में, मैं तुम्हारा मदद करूँगा। जिसके बाद इस प्लान में हमारा मित्र एवं ममेरा बड़ा भाई जीत सिंह पाहन हमारी मदद करने के लिए तैयार हो गया। सम्पति देवी एक विधवा महिला है जो महुआ व हडिया बेचती है। उस से मेरा अवैध सम्बन्ध है। इस कारण वो भी हमारी मदद करने के लिए तैयार हो गयी। प्लान के मुताबिक घटनातिथि को संध्या में समय करीब 07:00 बजे विधवा महिला सम्पति देवी जो महुआ व हडिया बेचती है, सोमा मुंडा को दारू पिलाकर नशे की हालत में कर दी। उसके बाद वो हमे इसकी सुचना मोबाइल के माध्यम से हमारे फोन नंबर पर दी, की सोमा मुंडा को जरेया जंगल में दारू पिलाकर लेटा दिए है, जल्दी आओ। तब मैं अपने प्लान के मुताबिक अपने मित्र एवं ममेरा बड़ा भाई जीत सिंह पाहन को जरेया जंगल आने के लिए अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से उसके मोबाइल नंबर पर कॉल करके सूचना दिया और मैं खुद वहां चला गया। उसके बाद मैने भी सोमा मुंडा को दारु पिलाया। तब तक मेरा मित्र एवं मेरा बड़ा भाई जीत सिंह पाहन जरेया जंगल में आ गया। फिर हम तीनो जरेया जंगल में इकठा हो कर एक साथ हो गए। प्लान के मुताबिक दारू के नशे में जरेया जंगल में लेटे सोमा मुंडा को मैंने एक लात तेजी से उसके छाती पर मारा, जिससे वो पूरी तरह बेहोश हो गया। तब मैंने विधवा महिला सम्पति देवी को बोला की तुम सोमा मुंडा का दोनों हाथ पकड़ो एवं मेरा मित्र एवं ममेरा बड़ा भाई जीत सिंह पाहन को बोला की तुम सोमा मुंडा का दोनों पैर पकड़ो। जब उन दोनों ने सोमा मुंडा का हाथ एवं पैर कस कर पकड़ लिया, तब मैंने अपने दोनों हाथो से कस कर सोमा मुंडा का गला दवाकर उसको जान से मार दिया। उसके बाद हम तीनों ने मिल कर उसको रात्रि के अँधेरे में समय करीब 10:00 बजे जरेया के जंगल में ले गए एवं जंगल के खाई के पास गड्ढा खोदकर उसी गड्ढे में उसके मृत्य शरीर को दफना दिया। सोमा मुंडा उस दिन काला रंग का फुलपैंट , काला जैकेट एवं सफेद रंग का जूता

ऋत्विक श्रीवास्तव
नामकुम थाना प्रभारी

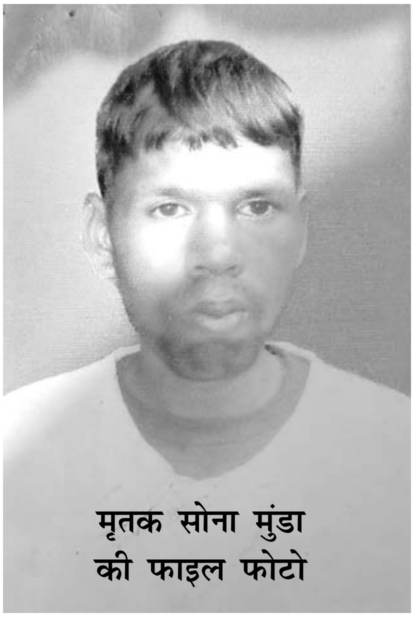

मृतक सोना मुंडा
की फाइल फोटो

एसआई रवि केसरी
केस के आईओ

पहने हुए था। हमलोग उसके पहने हुए कपड़ो एवं जूता के साथ ही उसको दफना दिए एवं दफनाये हुए जगह जरेया पहाड़ की खाई है और वहां पर एक लम्बा वृक्ष है। आप हमारे साथ चलिए मैं आप को उसके दफनायें हुए शव को दिखा दूंगा। यही मेरा बयान है। जिसे पढ़वाकर, सुन व समझकर, सही लिखकर अपने अंगूठे का निशान बना दिया। वही केस के आईओ रहे एसआई रवि कुमार केसरी ने बताया की मामले का पूरी तरह से खुलासा हो गया है एवं तीनो की गिरफ्तारी हो चुकी है। हत्या के सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।●

चरस के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, हथियार बरामद

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के सुखदेवनगर थाना पुलिस ने 200 ग्राम चरस के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल के निर्देश में पुलिस अधीक्षक (नगर) शुभांशु जैन रॉची के नियंत्रण में पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली प्रकाश सोय राँची के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद टीम के द्वारा मादक पदार्थ (चरस) तस्कर की सूचना पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान के पास होना पता चला। टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान से तीन मादक पदार्थ (चरस) तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर में मदन कुमार उर्फ सोनु (रातू रोड इंद्रपुरी रोड नंबर 1 का रहने वाला) सिंटू जायसवाल (आर्यपुरी का रहने वाला) और सरताज शाह(हरमू रोड के गाड़ीखाना का रहने वाला) शामिल है। गिरफ्तार हुए अपराधी के पास से चरस के अलावा दो पिस्टल एवं एक जिंदा गोली भी बरामद हुआ है। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली से दो अपराधी ट्रेन के माध्यम से चरस लेकर आ रहे हैं। जिसके बाद कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम को सूचना मिली की तस्कर पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान में है। जिसके बाद छापामारी दल के द्वारा पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान के पास दो संदिग्ध व्यक्ति को

पकड़ा गया। इसके बाद दोनों की तलाशी लेने पर दोनों के पास प्लास्टिक में बांधा हुआ चरस मिला।

☞ **तस्करी के लिए जाते समय प्लेन, और आते समय ट्रेन का इस्तेमाल करते थे तस्कर :-** पूछताछ करने पर दोनों तस्कर के द्वारा बताया गया कि ये दोनों दिल्ली फ्लाइट से चरस लाने के लिए जाते है, और आते समय राजधानी ट्रेन से आते है। इसके बाद रांची के विभिन्न क्षेत्रों में बिक्री किया करते है। इनके द्वारा पूछताछ करने पर बताया गया कि ये दोनों तीन माह पूर्व ही पार्षद ओम प्रकाश के ऊपर मारपीट और फायरिंग मामले में शामिल थे। उसके बाद से ये दोनों कोर्ट में आत्मर्मपण करने के बाद जेल चले गये थे और वर्तमान में जमानत पर जून माह में निकले है। लेकिन इस घटना में प्रयुक्त पिस्टल अभी भी इन दोनों के पास है। जिसके बाद पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर मदन कुमार उर्फ सोनू के द्वारा एक पिस्टल अपने घर से बरामद कराया और सिंटू जायसवाल के द्वारा अपने घर में एक जिन्दा गोली बरामद कराया। इसके बाद दोनों के द्वारा बताया गया कि इस घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल सरताज के पास है। फिर इन दोनों की निशानदेही पर पुलिस की टीम ने सरताज के घर में छापमारी किया तो सरताज के घर से एक पिस्टल बरामद हुआ और सरताज को भी उसके घर से हिरासत में लिया गया। उसके बाद तीनों से पूछताछ करने पर इन लोगों ने बताया कि पार्षद ओम प्रकाश के घर पर फायरिंग के बाद ये लोग हथियार को अपने पास छिपा कर रखे हुए थे, ताकि सही वक्त पड़ने पर इसका इस्तेमाल कर सकें।●

विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को दी शुभकामनाएँ

● ओम प्रकाश

सभी आदिवासी समुदाय की संस्कृति एक जैसी है। आदिवासियों से मेरा आग्रह है कि वे अपने बच्चे-बच्चियों को शिक्षित जरूर करें। जब बच्चे शिक्षित होंगे तभी आदिवासी समुदाय उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद श्री शिबू सोरेन आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे । उन्होंने कहा कि 'आदिवासी महोत्सव' पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह महोत्सव आदिवासी समुदाय की एकजुटता और आपसी भाईचारा को दर्शाता है। आने वाली पीढ़ी भी इसी तरह अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी रहे, इसके लिए उन्हें प्रेरित करने की आवश्यकता है।

☞ **आदिवासी जीवन दर्शन और लोक संस्कृति को अलग पहचान देने का प्रयास :-** इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस है। इस अवसर पर दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2023 के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का मौका मिला है । इस महोत्सव के अपने मायने हैं। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए आदिवासी समूह अपना नृत्य एवं गायन तो प्रस्तुत करेंगे ही, साथ ही आदिवासी समाज की समस्या एवं अन्य समसामयिक विषयों पर विमर्श का भी कार्यक्रम रखा गया है। इस महोत्सव से आदिवासी जीवन दर्शन और लोक संस्कृति को एक अलग और विशिष्ट पहचान मिलेगी।

☞ **नृत्य, संगीत के साथ-साथ संघर्ष आदिवासी समाज की है पहचान :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि नृत्य, संगीत के साथ-साथ सदैव संघर्ष आदिवासी समाज की मुख्य पहचान है। आज जब मैं आदिवासी महोत्सव के मंच से बोल रहा हूँ तो बिना झिझक कहना चाहूंगा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे आदिवासी भाई-बहन प्रताड़ना झेलने को विवश हैं, अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। क्या मध्य प्रदेश ? क्या मणिपुर ? क्या राजस्थान ? क्या छत्तीसगढ़ ? क्या गुजरात ? क्या तमिलनाडु ? मणिपुर में हजारों घर जल कर तबाह हो गये हैं, सैकड़ों लोगों को मारा गया है, महिलाओं की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया गया है । दरअसल यह सदियों से चले आ रहे संघर्ष का ही विस्तार है। संघर्ष है वर्चस्ववादी ताकतों और समानता तथा भाईचारे की ताकतों के बीच। संघर्ष है धार्मिक कट्टरपंथियों और 'जियो और जीने दो' की उदार ताकतों के बीच । संघर्ष है भविष्यवादी, भाग्यवादी चिंतकों और वर्तमान को समृद्ध करने वाली शक्तियों के बीच । संघर्ष है प्रकृति पर कब्जा करने वाली विनाशकारी शक्तियों एवं प्रकृति का सहयोगी - सहभोगी बन कर रहने वाली श्रमजीवी एवं साहसी शक्तियों के बीच ।

☞ **एकजुट होकर लड़ें और आगे बढ़े :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मैं देश के 13 करोड़ से ज्यादा आदिवासियों भाइयों-बहनों से एक होकर लड़ने एवं बढ़ने का अपील करता हूँ। गोंड, मुंडा, भील, कुकी, मीणा, संथाल, असुर, उराँव, चेरो आदि सभी को एकजुट होकर सोचना होगा। आज देश का आदिवासी समाज बिखरा हुआ है। हम जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर बंटे हुए हैं। जबकि सबकी संस्कृति एक है। खून एक है, तो समाज भी एक होना चाहिए। हमारा लक्ष्य भी एक होना चाहिए। हमारी समस्या का बनावट लगभग एक जैसा है, तो हमारी लड़ाई भी एक होनी चाहिए।

☞ **विस्थापन का दर्द जेल रहा है आदिवासी समुदाय :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग सभी हिस्सों में आदिवासी समाज को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा है एवं केंद्र तथा राज्य में सरकार चाहे किन्हीं की हो आदिवासी समाज के दर्द को कम करने के लिए कभी समुचित प्रयास नहीं किये गये । हमारी व्यवस्था कितनी निर्दयी है ? कभी यह पता लगाने का काम भी नहीं किया कि कहाँ गए खदानों, डैमों, कारखानों के द्वारा विस्थापित किये गए लोग ? खदानों / उद्योगों / डैमों से विस्थापित हुए, बेघर हुए लोगों में से 80 प्रतिशत आदिवासी हैं। काट दिया गया लाखों लोगों को अपनी भाषा से, अपनी संस्कृति से, अपनी जड़ों से। कल का किसान आज वहाँ साइकिल पर कोयला बेचने को मजबूर है। बड़े-बड़े शहरों में जाकर बर्तन धोने, बच्चे पालने या ईंट भट्ठों में बंधुआ मजदूरी करने के लिए विवश किया गया है। बिना पुनर्वास किये एक्ट बनाकर लाखों एकड़ जमीन कोयला कम्पनियों को दिया गया। हमारा झरिया शहर बरसों से आग की भट्ठी पर तप रहा है लेकिन कोयला कम्पनियां एवं केंद्र कान में तेल डालकर सोयी हुई है।

☞ **आखिर इस विकास को आदिवासी समाज कैसे अपनाएं? :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि आखिर इस विकास को आदिवासी समाज कैसे अपना मान सकता है ? आखिर विकास की चपेट में किनकी जमीन गयी है ? किनकी रोजी-रोटी छीनी गई है ? किनकी भाषा खत्म हो रही है ? किनकी संस्कृति खतरे में है ? क्या इसका जायजा सत्ता को नहीं लेना चाहिए था ? जो विकसित हुए हैं वे कौन हैं ? तथाकथित मुख्यधारा के इतिहासकारों ने भी आदिवासियों के साथ बेईमानी की है। उन्होंने उनका इतिहास ही दर्ज नहीं किया और न ही देश के विकास में आदिवासियों के योगदान को चिन्हित किया गया। चाहे अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध हो या महाजनों के जुल्म के खिलाफ संघर्ष या फांसी पर लटकने की हिम्मत हो या

अंतिम आदमी के रूप में लड़ते हुए मर जाने का साहस, इनमें अगुआई के बावजूद इतिहासकारों ने हमारे पूर्वजों को जगह नहीं दी।

☞ **विलुप्त होती जा रही है आदिवासी भाषाएं :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासियों की अनेक भाषाएँ गायब हो चुकी हैं या गायब होने के कगार पर है। आज हमारे जीवन को आस्था के केन्द्रों से बाँधने का प्रयास किया जा रहा है। लोग तो हमसे हमारा नाम तक छीनने में लगे हुए हैं। हम आदिवासी / मूल निवासी हैं पर विचित्र बात है ! जिस समाज की कोई जाति नहीं उसे कोई 'जनजाति' कह रहा है तो कोई वनवासी कहकर एक ढंग से चिढ़ा रहा है। आज जब आदिवासी अपनी पहचान के लिए इतिहास में की गयी उपेक्षा के विरुद्ध बोलने का प्रयास कर रहा है तो उसे चुप कराने का प्रयास हो रहा है। भले ही आदिवासियों में अनेक क्रांतिकारी वीर, विद्वान्, चिन्तक हुए हैं, लेकिन समाज के मुख्य धारा के द्वारा हमेशा प्रयास किया गया है कि हमारी कोई औकात नहीं बन सके एवं नीति-निर्धारण में हमारी कोई भूमिका नहीं रह सके।

☞ **हमें टुकड़ों में बांटकर देखने का प्रयास किया गया :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम आदिवासी संस्कृति, आदिवासी समाज के इतिहास को जानने का प्रयास करते हैं, तो 1800 ई. के पूर्व का ज्यादा जिक्र नहीं मिलता है। जब हमारे बारे में लिखना प्रारंभ किया गया तब भी हमें केवल क्रान्ति की श्रृंखला का नेतृत्वकर्ता मान लिया। हमें टुकड़ों में बाँट कर देखने का प्रयास हुआ। जबकि इतिहास के हर दौर में आदिवासी समाज अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज करवाते रहा है। हमारे पूर्वजों ने गणतंत्र की स्थापना की, राज्य निर्माण किया, लोक कल्याणकारी शासक वंशों की स्थापना की। इन परिस्थितियों में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस देश की सभ्यता-संस्कृति को गढ़ने में आदिवासी समाज के योगदान की पुनः व्याख्या की जाए। हमें आदिवासी समाज को आदिवासी विचारक, लेखक, विद्वान् की नजरों से देखने की जरूरत है। यह सच है कि आज भी देश का सबसे गरीब, अशिक्षित, प्रताड़ित, विस्थापित एवं शोषित वर्ग, आदिवासी वर्ग है । परन्तु, यह भी सच है कि हम एक महान सभ्यता के वारिस हैं, हमारे पास विश्व एवं मानव समाज को देने के लिए बहुत कुछ है। जरूरत है कि नीति निर्माताओं के पास दृष्टि हो ।

☞ **आदिवासियों के लिए अपनी जमीन-अपनी संस्कृति- अपनी भाषा बहुत महत्वपूर्ण है :-** मुख्यमंत्री ने कहा, कि क्या यह दुर्भाग्य नहीं है कि जिस अलग भाषा-संस्कृति-धर्म के कारण हमें आदिवासी माना गया ,उसी विविधता

को आज के नीति निर्माता मानने के लिए तैयार नहीं हैं ? हम आदिवासियों के लिए अपनी जमीन- अपनी संस्कृति- अपनी भाषा बहुत महत्वपूर्ण है । आदिवासी समुदाय एक स्वाभिमानी समुदाय है, मेहनत करके खाने वाली समुदाय है, ये किसी से भीख नहीं मांगती है। हम भगवान बिरसा, एकलव्य, राणा पूंजा की समुदाय के हैं। हम इस देश के मूल वासी हैं । हमारे पूर्वजों ने ही जंगल बचाया, नदियां बचाई, पहाड़ बचाया है।

☞ **आदिवासी संस्कृति को आदर की दृष्टि से देखने की जरूरत :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महान आदिवासी संस्कृति को आदर की दृष्टि से देखने की जरूरत है। हमें सिर्फ जंगल में रहने वाले गरीब के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जंगल एवं मानव विकास की पूरी कहानी हमारे पूर्वजों के पास है । आज जरुरत है कि एक आम देशवासी के अन्दर आदिवासी समाज के प्रति संवेदना जगाई जाए। जरुरत है आम जन के अन्दर आदिवासी समाज के प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना पैदा करने की।

☞ **विभिन्न आदिवासी समूहों के बीच परस्पर संवाद शुरू हो :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी चाहत है कि विभिन्न आदिवासी समूहों के बीच परस्पर संवाद शुरू हो । आज जो हम विभाजित हैं, असंगठित हैं, यही कारण है कि मणिपुर के आदिवासी उत्पीड़न का विषय झारखण्ड के मुंडा लोगों का विषय नहीं बन पा रहा है। राजस्थान के मीणा भाई के दर्द को मध्य प्रदेश के भील अपना मान कर आगे नहीं आ रहे। किसी ने इसी स्थिति पर ठीक ही लिखा है-''जब लड़ाई अस्तित्व की हो, वजूद की हो तो सामने आना ही पड़ता है। मिटकर भी अगर कुछ बचाया जा सकने की उम्मीद हो, तो कदम स्वयं आगे बढ़ाना पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि हमें यह सबों को बताना होगा कि जिस आदिवासी का बोलना ,गाना है एवं चलना नृत्य है , वह जब गुस्साता है तो उसकी जुबान नहीं, उसके तीर और धनुष लिए हाथ चलते हैं।

☞ **देश के आदिवासी समाज का मुझे प्यार मिलता रहा है :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने हमारे ऊपर विश्वास जताया है। आदिवासी मुख्यमंत्री होने के अपने मायने हैं। झारखण्ड ही नहीं देश के दूसरे हिस्से के आदिवासियों का भी जो प्यार मुझे मिलता है, जो उम्मीद मुझसे है उससे मैं भली-भांति परिचित हूँ । आइये हम अपनी एकजुटता को आगे बढ़ने का संकल्प लें।

☞ **आदिवासी समुदाय पर आधारित 35 पुस्तकों और डाक टिकट का विमोचन :-** इस अवसर पर टीआरआई की ओर से आदिवासी समुदाय पर आधारित 35 पुस्तकों का विमोचन किया गया। वहीं, डाक विभाग द्वारा विश्व आदिवासी महोत्सव पर आयोजित हो रहे झारखंड आदिवासी महोत्सव के 'लोगो' पर आधारित डाक टिकट का भी माननीय अतिथिगणों ने विमोचन किया। इस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद श्री शिबू सोरेन, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री श्री चम्पाई सोरेन, विधायक श्री विनोद सिंह, विधायक श्री जय मंगल सिंह , विधायक श्री राजेश कच्छप, मुख्य सचिव श्री सुखदेव सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव श्री राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीमती वंदना दादेल और मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार चौबे समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।●

केश करने वाला बेटा ही निकला हत्यारा

● ओम प्रकाश

झारखण्ड के साहिबगंज जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बलुआ दियारा में 28 जुलाई की रात राजेंद्र यादव नामक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने केसकर्ता रामकुमार यादव को अपने पिता की साजिश रचकर हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय में एसपी नौशाद आलम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि 28 जुलाई को घटना हुई थी। जिसमें गोली लगने से राजेंद्र यादव (65 वर्ष) की मौत हो गयी थी। उसके पुत्र रामकुमार यादव के फर्द बयान के आधार पर 29 जुलाई को मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 77/23 के तहत बलुआ दियारा निवासी सोनू मंडल, उमेश मंडल व बोरियो थाना के लालमाटी निवासी गौरव तिवारी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। फर्द बयान में रामकुमार यादव ने बताया था कि 28 जुलाई की रात 10 बजे के करीब अपने पिता राजेंद्र यादव के साथ बाइक से बलुआ दियारा स्थित बथान जा रहा था इसी बीच महादेवगंज और बलुआ दियारा के बीच छोटी पुलिया के पास अपराधियों ने पीछे से पीठ में गोली मार दी। एसपी नौशाद आलम ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि जांच के लिए सदर एसडीपीओ राजेंद्र दुबे के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने पेशेवर व तकनीकी तरीके से किये गए अनुसंधान में पाया कि केसकर्ता रामकुमार ने ही साजिश के तहत अपने पिता की हत्या करवाई थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बाइक व गोली का खोखा बरामद किया है। साहिबगंज एसपी नौशाद

आलम ने बताया कि कांड का वादी रामकुमार कर्ज में डूबा हुआ था। उसने अपने हिस्से की जमीन पूर्व में बेच दी थी। कर्ज चुकाने के लिए पिता को जमीन बेचने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन उसके पिता तैयार नहीं थे। वादी के अनुसार उसके पिता को गोली पीठ की तरफ से मारी गई थी जबकि पंचनामा में गोली सामने छाती की तरफ से मारे जाने की बात समाने आयी। इसके अलावा रामकुमार के द्वारा थाना में दिये गये नाम में किसी का भी टावर लोकेशन वारदात की रात से मैच नहीं किया। वारदात से पूर्व रामकुमार ने अपने एक मित्र से 3-4 गोली की व्यवस्था करने को बात कही थी। साथ ही वो अपने मित्रों से गौरव तिवारी के पिता का नाम पूछ रहा था। उसने वारदात के दिन ऐसे रास्ते का इस्तेमाल किया जो बिल्कुल सुनसान था और वहां सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। एसपी ने बताया कि रामकुमार यादव ने गौरव तिवारी से 27 हजार, उमेश व सोनू मंडल की भाभी से 2 लाख 30 हजार रुपया व गहना कर्ज के तौर पर लेने की बात बताई। उन्होंने बताया कि वारदात की रात अपने पिता को घर से महादेवगंज स्थित क्रशर जहां वे नाईट गार्ड थे, वहां ले जाने की बजाए बलुआ दियारा ले जा रहा था। रामकुमार यादव का अपने पिता से अच्छा संबंध नहीं था, लेकिन वारदात के दो दिन पूर्व उसने पिता के साथ मधुर संबंध बना लिये थे। छापामारी अभियान में मुफस्सिल थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश, एसआई वाजिद अली, प्रणीत पटेल, सतीश कुमार सोनी व सशस्त्र बल मौजूद रहे।●

दिन में रेकी, रात में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में सक्रिय चोर गिरोह का खुलासा करते हुए रांची पुलिस की टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह रामगढ़ जिले का है। ये सभी लोग रात में चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद वापस अपने घर रामगढ़ लौट जाते थे। सदर थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर इन सभी लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना निवासी मास्टर माइंड बच्चू पासी, बबलू गोस्वामी उर्फ बबलू गुलगुलिया, बंधी सिंह, बढ़न साव और हजारीबाग के गिद्दी थाना निवासी कुमेश महतो उर्फ उमेश महतो शामिल है। पुलिस ने इनके पास से एक सोने का हार, कंगन, छह पायल, 43 पीस चांदी का सिक्का, चांदी के कंगन, चांदी का हाथ का छल्ला, कमरधनी, लॉकेट, सिंदूर दानी, मछली, कटोरी, झुमका, बिछिया, कांसा का कटोरी, चांदी की कटोरी, एक ऑटो रिक्शा, एक बाइक, ताला तोड़ने में प्रयुक्त पेचकस, लोहा काटने वाला पलास और पांच मोबाइल बरामद किया है। यह जानकारी रांची के सिटी एसपी शुभांशु जैन ने प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी के सोने एवं चांदी के जेवरात समेत कई अन्य सामान मिले है। सभी चोरी के सामान को रामगढ़ जिला अंतर्गत आरोपियों के घर से बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि इनकी गिरफ्तारी के बाद सदर , खेलगांव ओपी, मेसरा ओपी, टाटीसिलवे, पिठोरिया एवं रातू थाना क्षेत्र में घटित 15 से ज्यादा मामलों का खुलासा किया गया है। गिरफ्तार हुए बढ़न साव को छोड़कर बाकी चारों चोरों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। पूछताछ में गिरफ्तार हुए चोरों ने स्वीकार किया कि इन लोगों ने रांची के मेसरा ओपी, सदर, खेलगांव, टाटीसिलवे, रातू और कांके थाना क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया है। ये सभी लोग दिन में बाइक एवं ऑटो से घर की रेकी किया करते थे और रात के अंधेरे में शहर और ग्रामीण क्षेत्र के खाली घरों को निशाना बनाया करते थे।●

गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के गुर्गे ने डीएसपी और दारोगा को मारी गोली

● **ओम प्रकाश**

रामगढ़ के पतरातू थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरमांझी द्वार खेलारी रोड में डाड़ीडीह सरना उच्च विद्यालय के समीप एटीएस की टीम और अमन साव गिरोह के शूटर के साथ मुठभेड़ हुई। इस घटना में एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार को पेट मे गोली लगी है। जबकि, पतरातू थाना के दारोगा सोनू यादव को जांघ में गोली लगी है। डीएसपी नीरज कुमार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। आनन फानन में डीएसपी नीरज को इलाज के लिए मेडिका लाया गया है।

☞ **शूटर को पकड़ने पहुंची थी एटीएस की टीम :**- बताया जाता है कि एटीएस को सूचना मिली थी कि अमन साव गिरोह के शूटर पतरातू इलाके में बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटे है। जिस पर टीम कार्रवाई करते हुए पतरातू थाना की टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देख शूटरों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। इस दौरान डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा सोनू यादव को गोली लग गयी।

☞ **जानिए पूरा मामला :**- जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहू गैंग के अपराधियों ने 17 जुलाई की रात 9:00 बजे एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) व रामगढ़ पुलिस की टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। घटना पतरातू थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरमांझी द्वार खेलारी रोड में डाड़ीडीह सरना उच्च विद्यालय के समीप हुई। इसमें एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार को पेट में व रजरप्पा थाना के दारोगा सोनू कुमार साव को दाहिनी जांघ में गोली लगी। वही एक अन्य जवान गिर कर

डीएसपी नीरज कुमार

घायल हो गया। घटनास्थल से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर डीएसपी नीरज को मेडिका अस्पताल रांची लाया गया। बाद में दारोगा को भी यहीं भर्ती कराया गया।

☞ **बॉबी खान को पकड़ने गयी थी टीम :**- एटीएस की टीम द्वारा सोमवार की दोपहर अमन साहु गैंग के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया था। इसमें गैंग के बॉबी खान के बारे में उन्हें जानकारी मिली। जिसके बाद एटीएस व रामगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम बॉबी खान को गिरफ्तार करने निकल पड़ी। टीम रात करीब 9:00 बजे सरना उच्च विद्यालय के समीप पहुंची। उसी वक्त बॉबी खान एक अन्य युवक के साथ बाइक से जाता दिखा। टीम ने जैसे ही बॉबी खान को पकड़ने की कोशिश की, बाइक में पीछे बैठे अपराधी ने ताबड़-तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान डीएसपी और दारोगा को गोली लगी।

☞ **देर रात तक डीएसपी का होता रहा ऑपरेशन :**- मेडिका में देर रात तक डीएसपी नीरज कुमार को लगी गोली निकालने के लिए सर्जन डॉ गौतम चंद्रा के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम जुटी हुई थी। 45 वर्षीय श्री नीरज कुमार को गोली पसली में दाहिने ओर लगी है, जो पीठ से होते हुए बाहर निकल गयी है। गोली के जख्म व शरीर के अंदरूनी अंगों के नुकसान को देखते हुए ऑपरेशन थियेटर में उनकी सर्जरी की जा रही थी। वहीं दारोगा के पैर में लगी गोली निकालने में भी डॉक्टर जुटे हुए थे। जानकारी के लिए बता दें कि एटीएस में आने से पहले वह रांची में हेड क्वार्टर-2 डीएसपी थे। नीरज कुमार पांचवी बैच के झारखंड पुलिस सेवा से चुने गये डीएसपी है।

☞ **मुख्यालय से मिला था कार्रवाई का आदेश :**- दो-तीन माह से रामगढ़ जिले के पतरातू थाना इलाके में विभिन्न आपराधिक गिरोह की सक्रियता बढ़ गयी थी। लेकिन, रामगढ़ पुलिस अपराधियों के गैंग के खिलाफ कार्रवाई सही ढंग से नहीं कर पा रही थी। मामले में सीआइडी व पुलिस मुख्यालय के आला अधिकारियों ने जिले के एसपी को अपराधी गैंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। लेकिन, कुछ गैंग के लोगों के खिलाफ सिर्फ छापामारी कर कार्य को विराम दे दिया गया था। वही सोमवार रात की घटना के बाद रामगढ़ जिले की सीमावर्ती इलाके को सील कर दिया गया है। रामगढ के अलावा हजारीबाग एवं रांची पुलिस की टीम भी सघन जांच अभियान में जुट गयी है।●

अपराधिक घटनाओं वाले स्थानों का चिन्हितीकरण जरूरी : आदिकांत महतो

● **ओम प्रकाश**

13 अगस्त दिन रविवार को आदिकांत महतो लालपुर के नए थाना प्रभारी बनाए गए हैं। पूर्व थाना प्रभारी ममता कुमारी ने उन्हें पदभार सौंपा। बता दें कि बरियातू थाना क्षेत्र के चिरौंजी रोड स्थित आनंद नगर में जूस सेंटर में काम करने वाले मुकेश और रोहन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक ने लालपुर थाना प्रभारी और मोराबादी टीओपी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया था । इसके बाद आदिकांत महतो लालपुर के नए थाना प्रभारी नियुक्त किए गए। बता दें कि आदिकांत महतो गिरिडीह के साइबर में पदस्थापित थे। हालांकि वे गिरीडीह के सदर थाना में भी रह चुके हैं । इसके अलावा वे पलामू जिला अंतर्गत विभिन्न थानों के कमान संभाल चुके हैं। 1994 बैच के आदिकांत महतो से लालपुर क्षेत्रों के लोगों को काफी उम्मीदें है, कि उनके थाना क्षेत्र में अपराध पर कंट्रोल होगा, नशाखोरी पर विराम लगेगा , चेन छीनताई, लूट, हत्या, छेड़खानी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा। वहीं थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने कहा है कि अपराधी कोई भी हो बच नहीं सकेगा और खास कर ऐसे लोग जो सफेद पोश में

होते हैं, ऐसे लोगों की शिकायत आने पर उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। आगे उन्होंने बताया कि लालपुर थाना क्षेत्र के वैसे क्षेत्रों को भी चिन्हित किया जाएगा जहां पर अपराधिक घटनाएं अधिक होती है। जिस चौक-चौराहे, गली-नुक्कड़ में किस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। इन सब को भी चिन्हित किया जाएगा। किन-किन जगहों पर सीसीटीवी कैमरे की आवश्यकता है उन तमाम क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए जाएंगे।●

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, 1.26 लाख रूपये बरामद

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के चुटिया थाना की पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार साइबर अपराधियों में नालंदा कतरी सराय निवासी प्रेम राज और नवादा बिहार का रहने वाला अनुप राज शामिल है। पुलिस ने इनके पास से 1.26 लाख रुपए, विभिन्न बैंकों के तीन एटीएम, तीन अलग-अलग कंपनी के मोबाइल, आठ अलग-अलग कंपनी के सिम और हिसाब किताब रखने वाला तीन नोट बुक बरामद किया है। चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी प्रज्ञा केंद्र में ठगी के पैसे मंगवाते थे। इनके विरुद्ध प्रज्ञा केंद्र के संचालक विष्णु कुमार पंडित ने चुटिया थाना में 11 अगस्त मंगलवार को फर्जीवाड़े की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इन दोनों साइबर अपराधियों ने विष्णु कुमार पंडित के खाते में ठगी के पैसे मंगवाए थे। जिसके बाद केरल पुलिस ने उनके खाते को फ्रीज कर दिया था। जब विष्णु कुमार पंडित ने मामले की छानबीन की तो पता चला कि दोनों साइबर अपराधी हैं। इन अपराधियों ने 17 जुलाई को उनके खाते में साइबर फ्राड के 60 हजार रुपए मंगवाए थे। 10 अगस्त को फिर इन दोनों ने 65 हजार रुपए खाते में मंगवाया और 11 अगस्त को पैसे लेने के लिए प्रज्ञा केंद्र पहुंचे थे। जब विष्णु पंडित ने दोनों को पकड़ उनसे पूछताछ की तो इन लोगो ने स्वीकार किया कि यह लोग साइबर फ्रॉड हैं और पैसे ठगी के है। इसके बाद प्रज्ञा केंद्र के संचालक विष्णु कुमार पंडित ने दोनों को आवेदन के साथ चुटिया थाने के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने जब मामले का अनुसंधान शुरू किया तो इनके किराए के घर से ठगी के 1.26 लाख रुपए नगद मिले। पूछताछ में इन दोनों ने बताया कि ये लोग अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड करते है। गिरफ्तार साइबर अपराधियों ने बताया कि लोन दिलाने के नाम पर ये सभी फर्जीवाड़ा करते है। ठगी के पैसे ये जान पहचान के साइबर कैफे या प्रज्ञा केंद्र के खातों में डलवाकर वहां से नगदी प्राप्त कर लेते है। ये देश के कई राज्य में ठगी का धंधा चलाते है। इनके गिरोह के कुछ लोग बिहार के नवादा और नालंदा में है, जिनके विरुद्ध पुलिस कार्रवाई कर रही है। जल्दी इन सभी साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। छापामारी दल में शामिल, चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार, एसआई महेश कुमार साव, पीसीआर 20, अरविंद कुमार सिंह रोशन लाल महतो एवं आनंद कुमार मिश्रा। ●

गिरफ्तार साइबर अपराधी

चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार

लालपुर थाना प्रभारी एवं टीओपी प्रभारी सस्पेंड

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के बरियातू थाना क्षेत्र के चिरौंदी स्थित रविंद्र नगर में जूस सेंटर संचालक मुकेश साव और उसके स्टाफ रोहन मामले में लालपुर थाना प्रभारी ममता कुमारी और मोहराबादी टीओपी प्रभारी सन्नी कुमार को सस्पेंड किया गया है। 11 अगस्त शुक्रवार की देर रात इन दोनो की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद लालपुर थाना प्रभारी और मोरहाबादी टीओपी पुलिस की लापरवाही सामने आई थी। इस मामले में सिटी डीएसपी दीपक कुमार की जांच रिपोर्ट के बाद एसएसपी किशोर कौशल की अनुशंसा पर डीआईजी अनूप बिरथरे ने लालपुर थाना प्रभारी ममता कुमारी को सस्पेंड कर दिया। वहीं एसएसपी किशोर कौशल ने मोरहाबादी टीओपी सन्नी कुमार को भी तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

☞ **लालपुर थाना पुलिस ने की थी लापरवाही** :- गोलीकांड में मारे गए मुकेश साव के छोटे भाई दिनेश ने लालपुर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दिनेश के अनुसार, रांची जूस सेंटर के मालिक अशोक गुप्ता और उनका एक सहयोगी मोटरसाइकिल पर सवार होकर लगातार रेकी कर रहा था। कई दिन तो आठ से नौ बार वे लोग उसके जूस काउंटर के पास आकर उसके आने जाने की गतिविधियों पर नजर रखते थे। इस वजह से घबराकर उसने पहले मोरहाबादी मैदान स्थित लालपुर टीओपी को पूरे मामले की जानकारी दी। लालपुर टीओपी से उसे थाने में लिखित शिकायत देने की बात कही गई। जिसके बाद एक जुलाई को रांची के लालपुर थाने में उसने लिखित शिकायत की थी। शिकायत में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि अशोक गुप्ता के द्वारा मेरा पीछा किया जा रहा है। लेकिन लालपुर पुलिस ने इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया। नतीजा ये हुआ कि एक महीना बाद ही उसके भाई और एक स्टाफ की हत्या कर दी गई। दिनेश कुमार के अनुसार, रांची जूस सेंटर के संचालक की वजह से उसके पूरे परिवार पर खतरा था। अगर पुलिस उससे केवल पूछताछ भी कर लेती तो शायद आज उसका भाई जिंदा होता। गौरतलब है कि रांची के चिरौंदी इलाके में चतरा के रहने वाले मुकेश साव अपने स्टाफ रोहन साव के साथ शुक्रवार की देर रात बरियातू थाना क्षेत्र के साइंस सिटी स्थित घर लौट रहे थे। इसी दौरान बुलेट बाइक पर सवार दो अपराधियों ने मुकेश और रोहन दोनों को निशाना बनाते हुए गोली मार दी। मुकेश और रोहन दोनों के सिर में गोली मारी गई। मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रोहन को अस्पताल ले गई,। लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। ●

अवैध वसूली करते हुए दो गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कर्बला चौक से बहु बाजार के बीच सड़क किनारे फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों से रंगदारी वसूलने के मामले में पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए आरोपियों में लोअर बाजार के विक्रांत चौक निवासी फैयाज अली और हिंदपीढ़ी साउथ स्ट्रीट निवासी जावेद अली उर्फ बंटी शामिल है। पुलिस ने आरोपी के पास से दुकानदारों से वसूले गए पांच हजार छह सौ नब्बे रुपये व एक पुर्जा जिसमें कोड वर्ड में वसूली का हिसाब-किताब लिखा हुआ था, बरामद किया है। बताया जाता है कि बहुबाजार से लेकर कर्बला चौक से पहले तक सड़क किनारे हर दिन सब्जी बेचने वाले और कई ठेला वाले ठेला लगाते हैं। इन्ही लोगों से ये दोनों अवैध तरीके से हर दिन वसूली कर रहे थे।वहीं साप्ताहिक बाजार लगने पर बुधवार और शनिवार को बाजार में दुकानदारों से मनमाना तरीके से वसूली करते थे। जब इसकी शिकायत वरीय पुलिस अधिकारियों से की गई, तब उनके निर्देश में लोअर बाजार थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर दयानंद कुमार ने इसकी जांच करा कर कार्रवाई करते हुए दोनों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध लोअर बाजार थाना में 19 जुलाई को अवैध वसूली की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनो आरोपी को जेल भेज दिया है।●

जलेबी रस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने खूब किये मजे

● ओम प्रकाश

कांटा टोली कुरैशी मोहल्ला के जमीयतुल कुरैश पंचायत अंतर्गत संचालित अल कुरैश तालिमी मिशन में पहली बार 15 अगस्त 2023 के पूर्व 12 अगस्त को खेलकूद एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था । इस प्रतियोगिता में स्कूल के 50 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिसमें मुख्य रूप से गायन , जलेबी रस, चित्रांकन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित किया गया था। छात्र छात्राओं ने कक्षा प्री नर्सरी से लेकर 5 वीं तक के छात्र-छात्राओं में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। छात्रों ने अपने हुनर के बल पर प्रतियोगिता में सफलता हासिल की। सभी सफल छात्राओं को प्रथम, द्वितीय ,तृतीय पुरस्कार सहित मेडल देकर स्वतंत्रता दिवस के दिन सम्मानित किया जायेगा। इस मौके पर जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष गुलाम गौस कुरैशी पप्पू, महासचिव परवेज कुरैशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं निर्णायक मंडली में मुख्य रूप से स्क्यूटीव इंजीनियर मोहम्मद सरताज कुरेशी, टिंकू राम , संतोष कुमार उपस्थित थे। पूरे प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का चयन निर्णायक मंडली के द्वारा ही किया गया है। मौके पर अल कुरैश तालिमी मिशन स्कूल की प्रधानाध्यापिका अमीना कच्छी, जएस्टीना कुल्लू,शबिहा खातून, उजमा परवीन, सायदा परवीन, मुस्कान परवीन, अनम निशा, तनू परवीन उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य रूप से जलाल कुरैशी, गुलाम सरवर कुरैशी,दानिश कुरैशी सहित शमशाद कुरैशी,कमरान कुरैशी, अफजल कुरैशी ने योगदान दिया। इस अवसर पर ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद, तजमुल कुरैशी, मोइनुद्दीन सहित कई लोग उपस्थित हुए।●

सफल छात्र-छात्राओं की सूची :-

गायन प्रतियोगिता :- माहिरा नाज, (प्री नर्सरी) अल्तमश (5), दरक्षा (5)।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता :- मोहम्मद शाहिद (4), तसब इमाम (5), मोहम्मद सुफियान

जलेबी रस प्रतियोगिता :- अयान कुरैशी (2) आरिफ (3),कैफ कुरैशी (2)

चित्रकला प्रतियोगिता :- अयान अंसारी (2), मोहम्मद अली (1), मोहम्मद शाहिद (4)।

सावधान! भोजन की थाली में घुस रहा जानलेवा कैंसर

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविन्द पुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अनिल कुमार शर्मा तथा मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल भाजपा मीडिया प्रभारी, भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि देश में दूध के जरिए तय उत्पादन से कहीं ज्यादा दूध की खपत हो रही है। बताया जाता है कि यह सब खतरनाक मिलावट का नतीजा है । रसोई में इस्तेमाल किए जाने वाला है शायद ही ऐसा कोई पदार्थ हो जिससे गुणवत्ता संदिग्ध न हो। सुवे में कैंसर मरीजों की संख्या छह लाख से अधिक हो चुकी है, सीधे तौर पर रसायन युक्त खानपान को कैंसर की वजह बेशक ना माना जा सके लेकिन यह एक सच्चाई है कि रसायन युक्त भोजन कैंसर के विस्तार के लिए जिम्मेदार जरूर है चिकित्सकों की राय है कि हमारे खाद पदार्थों में बढ़ रहे केमिकल की मात्रा हमें कैंसर का शिकार बना रही है। फिलहाल रसोई में खतरनाक रसोई का प्रवेश खतरनाक साबित हो रहा है खाद्य पदार्थों में कम लागत में अधिक मुनाफा बनाने की कोशिश में खतरनाक केमिकलों कि मिलावट की जा रही है।

☞ **जानिए मसालों की नकली खुशबू का सच :-**

तीखे और सुगंधित मसाले स्वास्थ के लिए धीमे जहर का काम कर रहे हैं। बाजार में ऐसे रेजिन अर्थ अर्क एसेंस आ गए हैं जो मसालों को नकली खुशबू से महका देते हैं, उसे चटकदार बना देते हैं यह खुशबू मसालों से उठने वाली नेचुरल खुशबू से मिलती जुलती है।

☞ **यह है नकली बनाने वाला लिक्विड :-** लिक्विड फॉर्म में आने वाले एसेंस या रेजिन मिर्च-हल्दी धनिया, लौंग, दालचीनी के पत्ता सहित सभी मसालों के आते हैं। कीमत है लगभग 1200 सौ रुपए किलो एक किलो रीजन में 50 किलो घटिया मसाला शुद्ध मसाले की तरह खुशबू और तीखापन देता है। रेजिन दो तरह के आते हैं आयल वेस्ट और वॉटर वेस्ट,आयल वेस्ट ज्यादा देर तक टिके रहता हैं जबकि वाटर वेस्ट का सही समय अवधि के लिए होता है।

☞ **फल और सब्जियां भी अछूती नहीं है :-** बाजार में फल और सब्जियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग किया जा रहा है। सब्जी के आकार को जल्दी बड़ा करने के लिए दवा का प्रयोग होता है। बांसी सब्जियों को मेलाथियॉन के घोल में 10 मिनट डाला जाता है ताकि सब्जी 24 घंटे तक ताजा दिखे, इसका प्रयोग भिंडी, गोभी, मिर्च, लौकी, पत्तागोभी में होता है। परवल, तुरई, आदि को ताजा बनाए रखने के लिए उन्हें रसायन युक्त पानी से धोते हैं इससे अधिक और हरी-भरी दिखाई देती है कुछ लोग तो रासायनिक रंग इस्तेमाल करते हैं।

☞ **कृत्रिम दूध से पूरी की जा रही है मांग :-** बताया जाता है कि जिले में लगभग 40 लाख मैट्रिक टन दूध का उत्पादन किया जाता है जबकि मांग का करीब 50 फीसदी है। बात साफ है कि मिलावट बकरी दूध के जरिए मांग की आपूर्ति की जा रही है राजधानी में दूर हुआ संबंधित वस्तुओं का उत्पादन गाय भैंस के अलावा कानपुर सहारनपुर अन्य जगहों से आए पाउडर के पैकेट से किया जाता है पैकेट में मेला नाम का खतरनाक केमिकल पाया जाता है जानकारी के अनुसार जाता है, उसके लिए खतरे की घंटी है।

आम नागरिकों द्वारा समझ बूझ कर खरीदें ऐसे पहेली से नकली पदार्थ को रोका नहीं जा सकता है। बल्कि इसे रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर टीपू सिंह, अंकुश कुमार, आशीष कुमार, अमीषा कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, रेखा शर्मा, बब्लू शाह, सत्येंद्र पासवान, अनामिका पटेल, अनामिका पाण्डेय, शोभा पटेल, ममता पटेल, अनामिका पटेल, पुनम पटेल आदि मौजूद थे।●

होम्योपैथी में है कैंसर प्रतिरोधक दवा

माँ तारा उत्सव पैलेस गोविन्द पुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी ने किया तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा गया आज चाहे मानव जाति परमाणु निर्माण में सफलता हासिल कर ली हो या चिकित्सीय अनुसंधान में गगनचुंबी ऊंचाइयां प्राप्त कर ली हो मगर फिर भी कैंसर का उपचार जहां उसके सम्मुख एक चुनौती बनकर खड़ा है। कैंसर के उपचार में एक बड़ी भारी समस्या यह आती है कि कैंसर ग्रस्त कोष अपने मूल ट्यूमर से निकलकर सारे अंग प्रत्यंग में फैल जाती है। हम प्राय: संपूर्ण विश्व में चलाए जा रहे हैं कैंसर के अंतिम उपचार की खोज के अभियान में नई सफलताओं की खबर सुनते रहते हैं फिर आधुनिकतम पारंपरिक उपचार केवल शल्य क्रिया, रसायन चिकित्सा और विकिरण में निहित है। होम्योपैथी में विभिन्न प्रकार के कैंसरों और उनकी स्थिति के अनुसार विभिन्न औषधियों होने के कारण होम्योपैथिक चिकित्सक को दवाओं के चयन के विषय में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। होम्योपैथिक रिपर्टरियो में एक ही रोग के लिए अनेक दवाओं ,अनेक रोगों के लिए एक ही दवा का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि कैंसर की होम्योपैथी कैंसर प्रतिरोधक दवा उपलब्ध है दवा का नाम है कार्सिनोसिन होम्योपैथिक का कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। होमियोपैथी में काफी अनुसंधान की आवश्यकता है। इस अवसर पर अनिल कुमार शर्मा, अनामिका पाण्डेय, पुजा कुमारी, रेखा शर्मा,अंकुश कुमार,आशीष कुमार, सत्येंद्र पासवान बबलू शाह, जितेंद्र मिस्त्री, अमीषा कुमारी ,सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, रेखा शर्मा आदि।

रहें सावधान! डेंगू मच्छर लेकर आ रहे हड्डी तोड़ बुखार

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुरा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता भाजपा के फतुहा नगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनील कुमार शर्मा तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बारिश के मौसम में मच्छर जनित बीमारियों में डेंगू मलेरिया और चिकनगुनिया का खतरा बढ़ जाता है। बदलते परिवेश और भागदौड़ की जिंदगी में व्यक्तिगत अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाने के कारण कई बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है इन्हीं बीमारियों में से है यह डेंगू फीवर। डेंगू फीवर फैलने का मुख्य कारण है आपके घर के आसपास गंदा पानी से एडीज नाम का मच्छर फैलता है। डेंगू एक संक्रामक रोग है जो मच्छर के काटने से होता है। वक्त रहते अगर इस बीमारी का इलाज न किया गया तो, यह रोगी के लिए घातक साबित हो सकता है। डेंगू फीवर होने पर रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या में कमी आ जाती है। प्लेटलेट्स कम होने से नाक, मुंह कान ,यूरिन तथा पैखाने के

जरिए शरीर से बाहर रक्त निकलने लगता है। **डेंगू बुखार का उपचार** :- प्लेटलेट्स की संख्या 2000 से कम हो जाती है तब स्थिति गंभीर हो सकती है। प्लेटलेट्स की संख्या संख्या कम होने पर प्लेटलेट्स बढ़ाने की जरूरत पड़ सकती है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में लक्षणों के आधार पर चिकित्सा की जाती है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में डेंगू फीवर से बचाव के लिए प्रतिरोधक दवा की आवश्यकता पड़ती है। डेंगू प्रतिरोधक इपेटोरियम परफोलियम 200 दवा उपयुक्त है। एक बार दवा के प्रयोग से एक मौसम तक डेंगू फीवर से बचा जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने के लिए इपेटोरियम परफोलियम 6 दो-दो घंटा पर दी जा सकती है। डेंगू फीवर के उपचार के लिए आर्सेनिक एल्बम, यूपेटोरियम पर्फ, रस टॉक्स, बेलाडोना, गेल्सीमियम, हमामेलिस ,चाइना की दवाइयां दी जा सकती है। यह दवा से डेंगू बुखार से पूरी तरह निजात दिलाने में सफल हो सकते हैं इस दवा का किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं है। यह दवा अनुभवी चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर अंकुश कुमार, आशीष कुमार, अमीषा कुमारी, सीमा कुमारी, पूजा कुमारी, रेखा शर्मा, जितेन्द्र मिस्त्री, शोभा पटेल, ममता पटेल, अनामिका पटेल अनामिका पाण्डेय, अर्चना पटेल आदि मौजूद थे। ●

चुनाव के बाद सेवक नहीं, चेहरा बदलकर शासक बन जाता है!

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

क्या यही राजनीति है कि चुनाव में सेवक बनकर आना चेहरा बदलकर शासक बन जाना है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि न्याय और न्यायालय है पैसों वालों के लिए है? चुनाव आता है ,सेवक बनकर सरकारें बदलती हैं। उत्साह में नारा लगता है। मिठाइयां बंटती है, परंतु सिस्टम नहीं बदलता। पहले की तरह ही तेज रफ्तार से अपराध , भ्रष्टाचार, घूसखोरी, कमीशन खोरी जारी रहता है। जनता को अपराध की नगरी, भ्रष्टाचार के सम्राज्य के बीच जीवन जीना पड़ता है। लाशों की कतारें सजती जा रही है, चित्कार मच रहा है परंतु विधायक, संसद, मंत्रियों और नेताओं के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती ,कभी चर्चा तक नहीं होती बढ़ते अपराध को कैसे रोका जाय, भ्रष्टाचार पर लगाम कैसे लगाया जाए। अपराध भले ही अवैध हथियारों से होती है परंतु कारतूस तो सरकार ही देती है। सरकार कारतूस पब्लिक को देना बंद कर दे 90%95 अपराध में कमी आ जाएगी, सिर्फ झगड़ा में लाठी-डंडे का इस्तेमाल होगा। विकास के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जाता है विकास में कमीशन और ठेकेदारी सहोदर भाई है? जब तक ठेकेदारी रहेगा, भ्रष्टाचार को रोका नहीं जा सकता। ठेकेदारी और इमानदारी साथ साथ नहीं चल सकता है। ब्रिटेन में ठेकेदारी नहीं होती है अंग्रेज सरकार द्वारा निर्माण किया गया गंडक पुल ,हावड़ा पुल कोईलवर पुल आज भी ज्यों का त्यों खड़ा है। दूसरी ओर ठेकेदारी द्वारा निर्मित कुछ पुल ,भवन आदि निर्माण काल में ही ध्वस्त हो जाता है। देश में न्याय है, न्यायालय भी है परंतु न्यायालय तक पहुंच गरीबों की संभव नहीं है उसे न्याय कैसे मिलेगा। आज लाखों निर्दोष जेलों में तड़प रहे हैं उसे न्याय कौन देगा। इस संदर्भ में संत्री,मंत्री और नेता चर्चा तक नहीं करना चाहता। न्याय अगर सही तरीके से मिलने लगे तो अपराध में भारी कमी आ सकती है भारत में न्याय इतना महंगा है कि गरीब न्यायालय तक पहुंच नहीं सकता है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहां की आज न्याय सबको मिले कैसे मिले उस पर चर्चा और चिंतन की जरूरत है। ●

मंगलवार को मनायी जायेगा राष्ट्रीय पर्व : पं. तरूण झा

● निलेन्दु झा

हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है,यह दिन भारत के ब्रिटिश शासन से मुक्ति और स्वतंत्र भारत की स्थापना का प्रतीक है,15 अगस्त 1947 को भारत को करीब 200 सालों की अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी, सालों-साल चले स्वतंत्रता संघर्ष, तमाम सपूतों की कुर्बानी के बाद आखिरकार अंग्रेज भारत छोड़ने को विवश हुए, स्वतंत्रता दिवस की सालगिरह के मौके पर देशभर में जश्न का माहौल होता है,मुख्य कार्यक्रम राजधानी दिल्ली के लाल किले में होता है, जहां तत्कालीन प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते हैं और देश को संबोधित भी करते हैं।

☞ **भारतीय स्वतंत्रता दिवस का इतिहास :-** अंग्रेज व्यापार करने के इरादे से भारत आए थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने यहां कब्जा जमा लिया, अंग्रेजों ने साल 1619 में उत्तरपश्चिमी तट पर सूरत में अपनी पहली चौकी स्थापित की,उस शताब्दी के अंत तक, ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास, बॉम्बे और कलकत्ता में तीन और स्थायी व्यापारिक स्टेशन खोल लिये,इसके बाद वे धीरे-धीरे पूरे भारत में पैर पसारने लगे, उन्नीसवीं सदी के मध्य तक, ब्रिटिशों ने इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार जारी रखा और भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के वर्तमान समय के अधिकांश हिस्सों पर उनका नियंत्रण हो गया। नियंत्रण के साथ ही उनका दमनकारी रवैया भी बढ़ने लगा, इससे आहत भारतीयों के मन में अंग्रेजी दासता के खिलाफ एक चिंगारी जन्म लेने लगी। 1857 में अंग्रेजों के लिए लड़ने वाले भारतीय सैनिकों ने उन्हीं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और विद्रोह कर दिया। क्रांतिकारी मंगल पांडे को इस विद्रोह का अगुवा माना जाता है,1857 के इस विद्रोह को 'गदर' नाम दिया गया और इसे पहला स्वतंत्रता संघर्ष कहा जाता है।

☞ **भारतीय स्वतंत्रता दिवस का महत्व :-** अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिलना इतना आसान काम नहीं था,तमाम स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की चिंता न करते हुए अंग्रेजों से लोहा लिया, शहीद भी हुए,उन्हीं की बदौलत हमें आजादी मिली,15 अगस्त, 1947 को आजादी मिलने के बाद प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने देश को संबोधित किया था और स्वतंत्रता संघर्ष की दास्तां बयां की और इस बात का जिक्र किया कि भविष्य का भारत कैसा हो, स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ हमें उन शहीदों की याद तो दिलाती ही है, साथ इस बात पर मंथन करने का मौका भी देती है कि हमारे सेनानियों ने जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए हम किस तरह अपना योगदान दे सकते हैं।●

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य

महादेव की पूजा से सभी मनोकामना होगी पूर्ण : ज्योतिषाचार्य

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान के संस्थापक एवं निर्देशक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा के अनुसार, इस बार मलमास 17 जुलाई से प्रारम्भ होकर 16 अगस्त को समाप्त होगा। 17 अगस्त से शुद्ध मास श्रावण मास मे पूजा होंगी 'शिवः अभिषेकप्रियः श्रावणे पूजयेत् शिवम'!!भगवान शिव को अभिषेक बहुत प्रिय है, इसलिए मंदिरों में भगवान महादेव के शिवलिंग पर दूध, गंगाजल आदि से अभिषेक करने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है, 'श्रावणे पूजयेत् शिवम' अर्थात सावन के महीने में भगवान शिव का पूजन करना चाहिए। शिव मानस पूजा में भगवान शिव की स्तुति करते हुए कहा गया है:-

आत्मा त्वं गिरिजा मतिः सहचराः प्राणाः शरीरं गृहं
पूजा ते विषयोपभोग रचना निद्रा समाधि स्थितिः ।
संचारः पदयोः प्रदक्षिण विधिः स्तोत्राणि सर्वा गिरा
यद्यत्कर्म करोमि तत्तदखिलं शम्भो तवाराध नाम ॥

अर्थात् हे भगवान् शंकर, मेरी आत्मा आप हैं, मेरी बुद्धि आपकी शक्ति पार्वती हैं,मेरे प्राण आपके गण हैं,मेरा यह पंच भौतिक शरीर आपका मंदिर है, संपूर्ण विषय भोग की रचना आपकी पूजा ही है, मैं जो सोता हूं, वह आपकी ध्यान समाधि है, मेरा चलना-फिरना आपकी परिक्रमा है,मेरी वाणी से निकला प्रत्येक उच्चारण आपके स्तोत्र व मंत्र हैं, इस प्रकार मैं आपका भक्त जिन-जिन कर्मों को करता हूं, वह आपकी आराधना ही है, यदि हम सुख की दृष्टि से देखें तो पाएंगे कि हमारे प्रत्येक देवी देवता के पूजन व अर्चन के लिए कुछ विशेष समय का उल्लेख हमारे शास्त्रों में पाया जाता है, चौत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र में शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा के नौ भिन्न भिन्न स्वरूपों का पूजन व अर्चन किया जाता है। रामनवमी पर भगवान राम का पूजन, विजयदशमी पर माँ दुर्गा का पूजन, मकर संक्रांति और छठ पूजा के दौरान भगवान सूर्य का पूजन, एकादशी पर भगवान विष्णु की आराधना, गणेश चतुर्थी पर भगवान गणपति का पूजन, महाशिवरात्रि, श्रावण मास और त्रयोदशी के दिन भगवान शिव की आराधना आदि,इसी प्रकार अन्य देवी देवताओं के लिए भी भिन्न भिन्न समय निर्धारित हैं। दरअसल वैदिक काल से ही देवी देवताओं की स्तुति की परंपरा को हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों और मनीषियों ने हमारे विचारों के साथ जोड़ दिया जो आज हजारों साल बाद भी भारतीय समाज में संस्कार के रूप में अक्षुण्ण दिखाई देती है!●

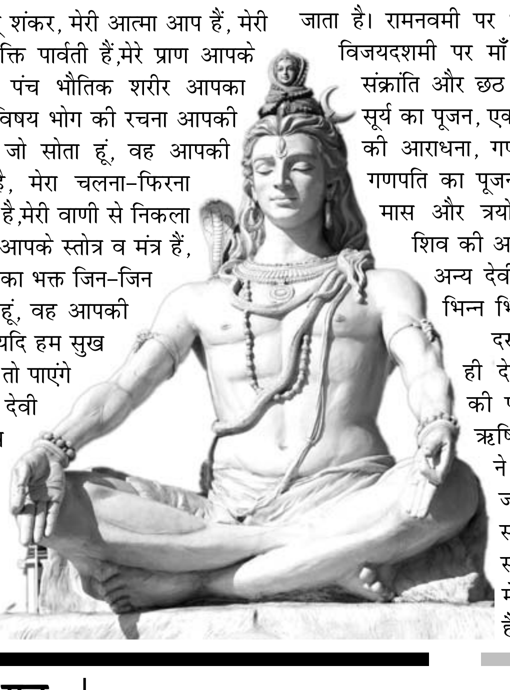

मेष राशि :- विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए तो यह समय और भी बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी, व्यापार मे ध्यान रहे की उधार नहीं देना है, नहीं तो घाटा लगना तय है।

वृषभ राशि :- आपके लिए जमीन जायदाद अथवा मकान वाहन का क्रय करने की दृष्टि से माह बेहतरीन रहेगा। परिवार में बड़े भाइयों से भी सहायता मिलेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। यात्रा सावधानीपूर्वक करें।

मिथुन राशि :- अपने साहस और पराक्रम के बल पर विषम परिस्थितियों को भी आसानी से नियंत्रित करने में कामयाब रहेंगे। धर्म और अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। नए दायित्व का निर्वहन भी बखूबी करेंगे। स्वास्थ्य विशेष करके नेत्र संबंधी विकार से बचें।

कर्क राशि :- माह का आरंभ कई तरह के अप्रत्याशित परिणामों का सामना करवाएगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। काफी दिनों का दिया गया धन भी वापस मिलने की उम्मीद। परिवार में एकता बरकरार रखने में भी दिक्कत आ सकती है लेकिन इसे ग्रह योग समझकर बढ़ने न दें।

सिंह राशि :- माह हर तरह से बेहतरीन सफलता दिलाएगा। कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना हो अथवा किसी ने अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो उस दृष्टि से पूर्ण सफलता मिलेगी। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में प्रतीक्षित कार्य संपन्न होंगे।

कन्या राशि :- संपूर्ण माह कई तरह के उतार-चढ़ाव का सामना करवा सकता है कई बार कार्य में विलंब होने के कारण आप में झुंझलाहट आ सकती है, इसे ग्रहयोग समझकर बढ़ने न दें। कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत। इस अवधि के मध्य किसी को भी अधिक धन उधार के रूप में न दें अन्यथा आर्थिक हानि का सामना करना ही पड़ेगा।

तुला राशि :- संपूर्ण माह काफी मिलाजुला परिणाम दायक रहेगा। कहीं न कहीं पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है किंतु कार्य व्यापार की दृष्टि से समय उत्तम रहेगा। साझा व्यापार करने से बचें। आयके साधन बढ़ेंगे। अपनी रणनीतियों को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्य व्यापार की दृष्टि से माह बेहतरीन सफलता दिलाने वाला सिद्ध होगा। नौकरी में परिवर्तन अथवा नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का चिंतन कर रहे हों तो यह समय सर्वथा अनुकूल रहेगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जहां भी जाएंगे आपके चाहने वालों की भीड़ लग जाएगी।

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा

ज्योतिषचार्य

(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान

प्रताप चौक, सहरसा-852201,

(बिहार)

मो० :- 9470480168

धनु राशि :- माह के आरंभ से ही सफलताओं का सिलसिला चलता रहेगा। विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए भी समय बेहद अनुकूल रहेगा। रोजगार के नए अवसर उपलब्ध रहेंगे। नौकरी में भी पदोन्नति तथा सम्मान वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा।

मकर राशि :- माह के आरंभ से ही आर्थिक पक्ष मजबूती की ओर इशारा कर रहा है किंतु किसी न किसी कारण से पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। जमीन-जायदाद संबंधी विवाद हल होंगे।

कुंभ राशि :- अपने साहस और पराक्रम के बलपर कठिन परिस्थितियों को भी नियंत्रित करने में कामयाब रहेंगे। परिवार में छोटे भाइयों से विवाद बढ़ने न दें। कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत। माह के तीसरे सप्ताह से ग्रह-गोचर में परिवर्तन नई चुनौती पेश करेगा।

मीन राशि :- माह का आरंभ काफी उतार-चढ़ाव और मिश्रित फल देने वाला रहेगा यद्यपि एकबार जो ठान लेंगे उसे पूरा करके ही छोड़ेंगे फिर भी कहीं न कहीं रिक्तता महसूस करेंगे। जमीन जायदाद अथवा मकान-वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। शादी-विवाह से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

✯ अपराधिक मामले में अभियुक्त, पीड़ित या सूचक की मौत हो जाने पर क्या केस की कार्यवाही बंद हो जाती है?

राज्य किसी भी अपराध की घोषणा करती है कि क्या काम अपराध है और किस काम को करना अपराध नहीं है, इसका निर्धारण स्टेट द्वारा किया जाता है जिस किसी भी कार्य या कार्य लोप को स्टेट द्वारा अपराध बना दिया जाता है उसके लिए निर्धारित किया गया दंड भी न्यायालय के आदेश से स्टेट द्वारा दिया जाता है।

एक अभियुक्त जिस पर कोई मुकदमा चलाया जा रहा है यदि वे कोई अपराध करता है तब उसका अपराध पीड़ित के खिलाफ नहीं होता है बल्कि राज्य के खिलाफ होता है जैसे कि भारत सरकार ने संसद द्वारा अधिनियमित किए गए कानून के माध्यम से उतावलेपन से मोटरयान चलाना एक अपराध बनाया गया है ऐसे उतावलापन के कारण अगर किसी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई नुकसान होती है तब वह व्यक्ति पीड़ित होगा लेकिन होने वाला अपराध राज्य के विरुद्ध किया गया माना जाता है। राज्य सरकार उस अपराध का अभियोजन चलाता है। अपराध साबित होने पर अभियुक्त को दोस्त सिद्ध कर दंडित किया जाता है।

एक आपराधिक मामले में अभियुक्त होते हैं और एक पीड़ित होते हैं। पीड़ित वह व्यक्ति होता है जिसे अपराध के जरिए नुकसान पहुंचाया गया है अगर किसी आपराधिक मामले में अभियुक्त या पीड़ित की मौत हो जाती है तब परिस्थितियां भिन्न हो जाती हैं।

☞ **पीड़ित की मौत होने पर केस की स्थिति :-** किसी आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर अभियोजन पर किसी भी प्रकार का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है जैसे कि किसी व्यक्ति को चाकू मारकर घायल किया गया है। चाकू से हमला करने वाले पर स्टेट अभियोजन चला रही है, कुछ समय बाद जिस व्यक्ति को चाकू से मारा गया था उसकी मौत हो जाती है तब मामला खत्म नहीं होता है, मुकदमे में अभियोजन तो चलता रहता है।

स्टेट मामले को अंत तक चलाती है क्योंकि स्टेट कभी भी समाप्त नहीं होती है। एक पीड़ित की मौत होने से केवल अभियोजन में एक गवाह कम हो जाता है, अगर पीड़ित ने गवाही दे दी है तब गवाह भी कम नहीं होता है। एक पीड़ित की मौत के बाद भी मुदालय को दंडित किया जा सकता। पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी की ओर से किसी भी आवेदन को लगाने की आवश्यकता नहीं होती है। वैसे चाहे तो सीआरपीसी की धारा 302 के तहत अभियोजन चलाने का परमीशन लिए जा सकते हैं। आवेदन लगाने की आवश्यकता सिविल मामले में होती है। आपराधिक मामलों में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है।

परिवाद पर दर्ज किए गए आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी आवेदन के माध्यम से स्वयं को उपस्थित कर सकते हैं जैसे कि कोई चेक बाउंस होने पर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के अधीन आयोजन चलाने पर पीड़ित की मौत हो जाने पर उसके वैध उत्तराधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर आगे मामले का संचालन कर सकते हैं तथा मरने के बाद व्यक्ति की ओर से उत्तराधिकार के रूप में प्रतिकर भी प्राप्त कर सकते हैं।

☞ **मुदालय की मौत होने पर मुकदमों की स्थिति :-** किसी आपराधिक मामले में मुदालय की भी मृत्यु हो सकती हैद्य भारत में न्यायालय में चलने वाले मुकदमे वर्षों वर्ष तक चलते हैं ऐसी स्थिति में मुदालय भी मर सकते हैं। एक मुदालय के मर जाने से अभियोजन समाप्त नहीं होता है अपितु उसके दोष सिद्धि या दोष मुक्ति अंत तक निर्धारित नहीं होती है। जिस दिन न्यायालय द्वारा मामले में निर्णय लिया जाता है उस दिन ही यह माना जाता है कि वह व्यक्ति दोषी था या नहीं। हालांकि अभियोजन की ओर से किसी भी मुदालय की मृत्यु हो जाने पर एक आवेदन प्रस्तुत कर दिए जाने पर न्यायालय मामले को आगे नहीं चलाती है परंतु अभियुक्त के परिवार जन किसी विशेष मामले में मुदालय को बरी करवाना चाहते हैं तथा मुकदमे को आगे चलाना चाहते हैं तब अभियोजन को पूरा चलाया जा सकता है। अगर किसी अभियोजन में एक से अधिक अभियुक्त हैं तब तो अभियोजन के समाप्त होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है जो मुदालय जिंदा है उन पर तो मुकदमा चलाया ही जाएगा। अंत में जिंदा मुदालय दोष सिद्ध पाए जाते हैं तब उन्हें दंडित करने के लिए जेल भी भेजा जा सकता है।

उत्तराधिकार इत्यादि के मामले में हत्या का आरोप लगने पर कोई व्यक्ति को उतराधिकार नहीं मिलता है इसलिए हत्या जैसे मामलों में अभियुक्त के उत्तराधिकारी न्यायालय से यह निवेदन करते हैं कि अभियोजन को पूरा चलाया जाए ताकि इससे यह स्पष्ट हो सके कि मरने वाला अभियुक्त दोषी था या नहीं उत्तराधिकार विधि में यदि कोई व्यक्ति हत्या का दोषी पाया जाता है तब उसे उत्तराधिकार नहीं प्राप्त होता है।

✯ क्या कोई माता-पिता अपने ही बच्चों के अपहरण का दोषी बन सकता है?

हिन्दुओं में सुस्थापित और प्रचलित रूढ़ी के अनुसार कोई विवाहिता नाबालिग लड़की जब तक बालिग नहीं हो जाती है, तब तक यदि वह धर्मज संतान है तो अपने पिता के संरक्षण में रहेगी और यदि वह अधर्मज संतान है तो अपनी माँ की संरक्षकता में रहेगी और यदि दोनो में से कोई एक बिना किसी दूसरे के सहमति के जिनके संरक्षकता में बच्चा है। उक्त बच्चा को ले जाता है तो वह माता या पिता व्यपहरण का अपराधी माना जायेगा और यदि किसी विवाहिता लड़की की आयु 15 वर्ष पूरी हो गई हो तो उसका विधिपूर्ण संरक्षक उसका पति होता है और यदि ऐसी कम उम्र की लड़की का पिता उसके पति के सहमति के बिना उसकी संरक्षकता में से ले जाता है तो, उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 361 के अधिन व्यपहरण का अपराध किया माना जायेगा। भले ही उस पिता का आशय ऐसा करने में अपराधिक न रहा हो।

और यदि कोई स्त्री जुडिशियल सिप्रेशन के तहत अपने पति से अलग अपने बच्चे के साथ रह रही हो और ऐसी स्थिति में पिता उस बच्चे को बिना माता के सहमति के ले जाता है तो वह पिता भी अपहरण का दोषी होगा।

मुस्लिम विधि के अनुसार यदि पिता सात वर्ष से कम आयु के किसी पुत्र को अथवा कम उम्र के किसी पुत्री को यदि वह सुन्नी है अथवा सात वर्ष की कम आयु की है। यदि वह सिया है अथवा किसी अधर्मज संतान को उसकी माँ की अभिरक्षा में से ले जाता है तो उसके बारे में यह माना जा सकता है कि उसने अपने ही संतान का व्यपहरण किया है। क्योंकि माँ ही विधिपूर्ण संरक्षक मानी गई है। सुन्नी विधि के अनुसार माँ अपनी पुत्री की संरक्षिका तब तक रहती है, जब तक की वह पुत्री 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर लेती है।

जन-जन की आवाज है केवल सच
केवल सच
Kewalachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ
Kewalsach news
खबर वहीं, जो केवल सच हो
केवल सच TIMES
आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें
आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा
BHIM UPI
G Pay
Paytm
www.kewalsach.com
www.kewalsachlive.in
-: सम्पर्क करें :-
पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

GSTIN : 10KEPD0123PIZP
उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है
Cookie का बेहतर श्रृंखला
PRATIK ENTERPRISES
राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।
शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी
किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।
प्रतीक फुड कंपनी
प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)
-: सौजन्य से :-
ब्रजेश कुमार दुबे
Mob.-9065583882, 9801380138

Ashirwad
आशीर्वाद
स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय
Badauan, Gaya (Bihar)
डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी, एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन, बांझपन, ल्यूकोरीया, थायराइड, मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि जटिल रोगों का उपचार करा कर थक चुके हैं, तो सम्पर्क कर सकते हैं :-
Dr. Mantu Mishra
फोन नंबर :- 9939978397
समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

moogy
FLAVOURS KA
RAINBOW
Tumli
Pulpes
Twist
Lolly Pops
Eclairs
Coffee candy
Double Mango
Lichi
Coconut
instagram.com/ moogyfoods
facebook.com/ moogyfoods
visit our website moogynamkeen.com
700 42 54 956
700 42 54 956

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008